राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार 25 दिसंबर 2024 वर्ष-7,अंक-329 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

चुनाव नियमों में बदलाव के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची कांग्रेस

नई दिल्ली । कांग्रेस ने चुनाव से जुड़े इलेक्ट्रॉनिक डॉक्यूमेंट्स सार्वजानिक करने से रोकने के नियम को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। केंद्र ने 20 दिसंबर को पोलिंग स्टेशन के सीसीटीवी, वेबकास्टिंग फुटेज और उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे कुछ इलेक्ट्रॉनिक डॉक्यूमेंट्स को सार्वजानिक करने से रोकने के लिए चुनाव नियमों में बदलाव किया था। याचिका पर कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बताया कि आयोग को इसतरह के महत्वपूर्ण कानून (चुनाव संचालन नियम, 1961) में एकतरफा संशोधन करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। नियमों में बदलाव के बाद उन्होंने कहा था कि चुनाव आयोग पारदर्शिता से इतना डरता क्यों है। आयोग के इस कदम को जल्द ही कानूनी चुनौती दी जाएगी। इस मामले में आयोग के अधिकारियों ने बताया था कि एआई के इस्तेमाल से पोलिंग स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज से छेड़छाड़ करके फेक नैरेटिव फैलाया जा सकता है। बदलाव के बाद भी ये कैंडिडेट्स के लिए उपलब्ध रहेगा। वहीं, कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर चुनावी प्रक्रिया की सत्यनिष्ठा खत्म करने का और पारदर्शिता कमजोर करने का आरोप लगाया था। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा था कि मोदी सरकार ने चुनाव आयोग (ईसीआई) की स्वतंत्रता पर हमला किया है।

किश्तवाड़ में सुरक्षाबलों ने मोर्चा संभाला, आंतकियों की घेराबंदी की

किश्तवाड़ । जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में आतंकियों और ग्राम रक्षा समिति के लोगों के बीच फायरिंग हुई है। फायरिंग की घटना के बाद सुरक्षाबलों ने मोर्चा संभालते हुए इलाके की घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन शुरू किया है। किश्तवाड़ जिले के कुंतवाड़ा क्षेत्र में ग्राम रक्षा समूह (वीडीजी) के सदस्यों ने संदिग्ध आतंकी गतिविधि देखी। इसके बाद वीडीजी के सदस्यों और आतंकियों के बीच फायरिंग शुरु हुई। कई राउंड गोलियां चलाने के बाद सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान शुरू कर दिया। हाल ही में कुलगाम में सुरक्षाबलों ने आतंकियों पर बड़ा एक्शन लिया था। सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच हुई मुठभेड़ में 5 आतंकी ढेर किया गया था। हालांकि, इस एनकाउंटर में 2 जवान भी घायल हो गए थे।

घाटी में एंटी टेरर ऑपरेशन तेज

बता दें कि पिछले कुछ दिनों में जम्मू-कश्मीर में आतंकी वारदातें सामने आईं थी, जिसके बाद सुरक्षाबलों ने घाटी में एंटी टेरर ऑपरेशन तेज किए है। दो महीने पहले 28 अक्टूबर को अखनूर इलाके में सुरक्षाबलों ने 3 आतंकियों को मार गिराया था। तब आतंकियों ने सेना के काफिले पर घात लगाकर हमला किया था, जिसके बाद सुरक्षाबलों ने इलाके में ऑपरेशन शुरू कर दिया था।

क्रिसमस को लेकर मसीह परिवारों में उत्साह, क्रिसमस ट्री सजाए जा रहे

अजमेर । राजस्थान के अजमेर में क्रिसमस को लेकर मसीह परिवारों में उत्साह है। घर से लेकर बाजार तक क्रिसमस की रोनक दिख रही है। प्रभु आगमन के पहले घर का कोना-कोना सजाया जा रहा है। क्रिसमस ट्री सजाए जा रहे हैं। वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष रवि विलियम ने बताया कि यहां 100 परिवार रहते हैं, यहां 1975 से सामूहिक रूप से क्रिसमस मनाने की परंपरा है। कंपाउंड के तीनों गेट पर सजावट की गई है। घरों में रंग-रोशन पूरा हो चुका है। क्रिसमस ट्री भी सजने लगे हैं। शाम होते ही लाइटें जलाई जा रही हैं। मेयो लिंक रोड स्थित चर्च कंपाउंड निवासी 30 से ज्यादा परिवारों में क्रिसमस की तैयारियां पूरी कर ली है। सजावट के बाद अब यहां पर क्रिब (यीशु के जन्म स्थान गौशाला) बनाने की शुरुआत हो चुकी है। शहर में फ्रेजर रोड, मिशन स्कूल, मदार, धोलाभाटा, गुलाबबाड़ी, दादा भाई क्वार्टर, क्रिश्चियन गंज सहित अन्य कई जगहों पर मसीह समाज के परिवारों की ओर से क्रिसमस की तैयारियों को पूरी कर ली है।

क्रिसमस की खरीदारी जोरों पर

बाजारों में भी क्रिसमस की खरीदारी जोरों पर है। 1 से लेकर 10 फीट तक के क्रिसमस ट्री 25 रुपए से लेकर 7 हजार तक मिल रहे है। बजट के अनुसार लोग इनकी खरीदी कर रहे है। वहीं सेंटा बैलून की कई किस्म बाजार में हैं। जो कि 25 से लेकर 5 हजार रुपए तक के भी हैं। बच्चों के लिए सेंटा ड्रेस 80 से लेकर 1500 रुपए तक के हैं। वहीं डेकोरेशन आइटम बेल, ड्रम, बॉल, फ्रील, गार्लेन, मास्क, स्टार, 10 रुपए से लेकर 1 हजार रुपए तक मिल रहे हैं।

कश्मीर की डल झील जमी, उत्तराखंड के पहाड़ों ने ओढ़ी बर्फ की चादर

-174 स्टेट और 3 नेशनल हाईवे बंद, एक हजार से ज्यादा गाड़ियां फंसी

शिमला।

हिमाचल प्रदेश की पहाड़ियां बर्फ से ढंक गई हैं। मनाली, कुल्लू, रोहतांग और कई इलाकों में भारी बर्फबारी ने संकट को तो बढ़ाया ही है साथ पर्यटकों की भीड़ बढ़ गई है। इस बर्फबारी से मनाली-केलांग मार्ग पर वाहनों की आवाजाही अस्थाई रूप से रोकनी पड़ी। अटल टनल के रास्ते पर तो करीब एक हजार गाड़ियां फंसी हुई हैं। प्रशासन यहां रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है।

हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी के चलते पिछले 24 घंटे में 174 स्टेट और 3 नेशनल हाईवे बंद किए गए हैं। बिजली और पानी का भी कुछ ज़िलों से कनेक्शन काटा गया है जबकि 6 ज़िलों में 683 जगह बिजली बाधित है। बदले मौसम और बर्फ़बारी के कारण जन सेवाएं बाधित है। आपदा सूचना विभाग ने जिले की रिपोर्ट जारी की है। वहीं, सैलानियों के लिए भी एडवाइज़री जारी की गई है।

हिमाचल प्रदेश जैसे हालात उत्तराखंड में भी पैदा हो रहे हैं। राज्य के कई ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी हुई है। अभी यहां बर्फबारी कम है। फिर भी औली, उत्तरकाशी, चकराता, बद्रीनाथ, केदारनाथ जैसे ऊंचाई वाले इलाके सफेद चादर से ढंक गए हैं। केदारनाथ में इस सीजन की दूसरी बर्फबारी है। बर्फबारी की वजह से वहां चल रहा पुनर्निर्माण कार्य भी प्रभावित हुआ है। केदारनाथ धाम में बर्फबारी जारी है। धाम में अभी तक एक फ़ीट से ज्यादा बर्फ गिर चुकी है। मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है कि क्रिसमस और न्यू ईयर ठंड बढ़ सकती है।

उत्तराखंड का पर्यटन स्थल और स्की रिज़ॉर्ट औली फिर बर्फ के आगोश में है। औली की वादियां में तस्वीरों में देख सकते हैं किस तरह से पेड़ पौधे, मकान, रास्ते सब कुछ यहां बर्फ की चादर से ढंक चुके हैं, जिसके बाद औली का नजारा अपने आप में बहुत ही खूबसूरत दिख रहा है, जिसका इंतजार पर्यटकों को और स्थानीय होटल व्यवसाईयों को लंबे समय से था वह अब जाकर यहां पर देखने को मिल रहा है। आधा फीट बर्फ की मोटी चादर के नीचे औली की वादियां हर तरफ सफेद दिखाई दे रही हैं। वहीं 25 दिंसबर यानी बुधवार को क्रिसमस है और इस समय वीकेंड के चलते बड़ी संख्या में पर्यटक औली पहुंच रहे हैं। ऐसे में उनके लिए यह बर्फबारी तोहफे से कम नहीं है क्योंकि यहां की वादियां बर्फ से लग चुकी हैं, ऐसे में यहां पहुंचे पर्यटकों को मन मांगी मुराद पूरी हो चुकी है।

वहीं जम्मू-कश्मीर में भी मौसम का रूख काफी हद तक बदल गया है। वहां भी ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी हो रही है। पीर पंजाल और सोनमर्ग में बर्फबारी हुई। कई अन्य इलाकों में भी मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है। इन दिनों कश्मीर का तापमान लगातार गिर रहा है। श्रीनगर में रविवार रात माइनस 3.6 डिग्री तापमान दर्ज किया गया था। मशहूर डल झील गिरते पारे की वजह से जम गई। वहीं पहलगाम में माइनस 5 डिग्री

तापमान रहा।

समाज में हिंसा और विघटन पैदा करने की कोशिश होती है, तो दुख होता है

पीएम मोदी ने की जर्मनी में हुई कार से रौंदने वाली घटना की निंदा

नई दिल्ली।

जर्मनी के बाजार में भीड़ पर एक डॉक्टर ने कार चढ़ा दी थी। इसमें पांच लोगों की मौत हो गई थी और कई लोग घायल हो गए थे। इस घटना में कई भारतीय भी घायल हुए थे। अब इस मामले पर पीएम नरेंद्र मोदी ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि समाज में हिंसा फैलाई जाती है तो दुख होता है।

एक कार्यक्रम में बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि प्रभु मसीह की शिक्षा प्रेम, सद्भाव और भाईचारे का जश्न मनाती हैं। यह अहम है कि हम इस भावना को और मजबूत करने के लिए काम करें, लेकिन जब समाज में हिंसा फैलाने और विघटन पैदा करने की कोशिश की जाती है, तो दुख होता है। अभी कुछ दिन पहले हमने देखा कि जर्मनी के क्रिसमस बाजार में क्या हुआ। 2019 में श्रीलंका के चर्चों पर हमला किया गया। मैं कोलंबो में बम विस्फोटों में अपनी जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि देने गया था। ऐसी चुनौतियों से लड़ने के लिए एक साथ आना बेहद जरूरी है।

पीएम मोदी ने कहा कि यह आशा ही है जिसने भारत को गरीबी को काफी हद तक कम करने में मदद की है, अब भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। उन्होंने कहा कि आशा और आशावाद के साथ भारत नई ऊंचाइयों को छुएगा। यह पहली बार है जब कोई पीएम भारत के कैथोलिक चर्च के हेडक्वार्टर में कार्यक्रम को संबोधित कर रहा था।

पीएम मोदी ने कहा कि बाइबिल कहती है, एक-दूसरे का बोझ उठाओ। ईसा मसीह ने दुनिया को दया और बिना शर्त सेवा का उदाहरण दिखाया है। हम क्रिसमस इसलिए मनाते हैं क्योंकि हम इन मूल्यों को अपनी जिंदगी में अपना सकें। अपनी सरकार के नारे, 'सबका साथ, सबका विकास' की तुलना ईसाई शिक्षाओं से करते हुए मोदी ने कहा कि भारत के युवा एक-दूसरे को नई ऊंचाइयों तक पहुंचने में मदद करने की दिशा में काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सीबीसीआई में उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया, 'मुझे पोप फ्रांसिस से भी वैसा ही प्यार मिला, जिनसे मैं जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान मिला था। यह तीन साल में मेरी पोप के साथ यह दूसरी मुलाकात थी। मैंने पोप से भारत आने का भी अनुरोध किया है।

एक देश-एक चुनाव पर जेपीसी की पहली बैठक 8 जनवरी 2025 को

नई दिल्ली । एक देश-एक चुनाव पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की बैठक 8 जनवरी 2025 को होगी। यह भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार की प्रमुख चुनाव सुधार पहल पर राष्ट्रव्यापी चर्चा की शुरुआत होगी। संसदीय सूत्रों के अनुसार, भाजपा सदस्य पीपी चौधरी की अध्यक्षता में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के एक साथ चुनाव के विधेयकों पर संयुक्त समिति की पहली बैठक एक परिचयात्मक होने की संभावना है, जिसमें अधिकारी दोनों विधेयकों पर पैनल को जानकारी देने वाले है। पैनल में लोकसभा से 27 और राज्यसभा से 12 सदस्य हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और सांसद चौधरी को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का अध्यक्ष बनाया गया है। लोकसभा के सदस्यों में सीएम रमेश, बांसुरी स्वराज, पुरषोत्तम रूपाला, अनुराग सिंह ठाकुर, विष्णु दयाल राम, भर्तृहरि महताब, संबित पात्रा, अनिल बलूनी, विष्णु दत्त शर्मा, बैजयंत पांडा, संजय जायसवाल, प्रियंका गांधी वाड्रा, मनीष तिवारी, सुखदेव भगत, धर्मेंद्र यादव, छोटेलाल, कल्याण बनर्जी, टीएम सेल्वगणपति, जीएम हरीश बालयोगी, अनिल यशवंत देसाई, सुप्रिया सुले, श्रीकांत एकनाथ शिंदे, शांभवी चौधरी, के राधाकृष्णन, चंदन चौहान और बालाशोवरी वल्लभनेनी शामिल हैं। राज्यसभा के जिन सदस्यों को शामिल किया गया है, उसमें घनश्याम तिवारी, भुवनेश्वर कलिता, के लक्ष्मण, कविता पाटीदार, संजय कुमार झा, रणदीप सिंह सुरजेवाला, मुकुल बालकृष्ण वासनिक, साकेत गोखले, पी विल्सन, संजय सिंह, मानस रंजन मंगराज और वी विजयसाई रेड्डी शामिल हैं।

भारत के राफेल को टक्कर देने चीन देगा पाकिस्तान को जे-35 फाइटर जेट

-हवा और जमीन दोनों से हमला करने में सक्षम, दोनों देशों में हुई डील

नई दिल्ली।

पाकिस्तान और चीन की दोस्ती जगजाहिर है। यह दोनों ही देश भारत को फलता फूलता ओर आगे बढ़ता नहीं देख सकते हैं। इसके चलते आए दिन अपनी नापाक हरकतें करते रहते हैं। चीन अब पाकिस्तान को अत्याधुनिक जे 35 फाइटर प्लेन देने की तैयारी कर रहा है। यह फाइटर जैट बहुत ही अत्याधुनिक हैं और इसे सीधे भारत के राफेल से चुनौती मिल रही है।

वैसे तो चीन समय समय पर पाकिस्तान को हथियार देता रहता हैं, लेकिन यह डील अलग मानी जा रही कि क्योंकि अभी तक चीन ने अपनी पांचवीं पीढ़ी के किसी भी लड़ाकू विमान किसी को नहीं दिया है यानी किसी भी दूसरे देश को अभी तक जे-35 जेट नहीं मिला है। ऐसे में अगर पाकिस्तान के साथ यह डील फाइनल हो जाती है तो पाकिस्तान पहला देश बन जाएगा जिसे चीन की पांचवीं पीढ़ी का फाइटर प्लेन मिलेगा।

पाकिस्तानी मीडिया में तो खबर है कि इस डील को मंजूरी दी जा चुकी है और दो साल के अंदर सभी विमान पाकिस्तान पहुंच जाएंगे। माना जा रहा है कि इस समय पाकिस्तान के पास जो अमेरिका के एफ-16 विमान हैं और फ्रांस के मिराज हैं। चीन के यह पांचवीं पीढ़ी वाले विमान से उनको रिप्लेस किया जाएगा। जानकार कह रहे हैं कि चीन का जे-35 जेट पाकिस्तान की एयरफोर्स को काफी मजबूती देगा।

बता दें कि जे -35 ए मध्यम आकार का मल्टीरोल स्टील्थ फाइटर जेट है। इसमें ट्विन इंजन है। इसकी डिजाइन चिकनी और पतली है, यह हवा और जमीन दोनों से ही हमला करने में माहिर है लेकिन इसमें अमेरिका के एफ-35 की तरह शॉर्ट टेक ऑफ और वर्टिकल लैंडिंग की सुविधा नहीं है।

अगर इसकी तुलना भारत के राफेल से की जाए तो चीनी एयरक्राफ्ट के पास युद्ध का अनुभव नहीं है जबकि राफेल दुनिया के कई बड़े ऑपरेशन में अपनी क्षमता दिखा चुका है।

इसके ऊपर जे-35 पांचवीं पीढ़ी का विमान है तो वहीं राफेल 4.5 पीढ़ी का।

दिल्ली हाईकोर्ट पहुंची डाबर, याचिका में पतंजलि आयुर्वेद को एक आदतन अपराधी बताया

नई दिल्ली ।

अपने कई उत्पादों के लिए मशहूर कंपनी डाबर ने बाबा रामदेव की पतंजलि के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। कंपनी डॉबर ने पतंजलि के उस विज्ञापन पर रोक की मांग की है, जिसमें कथित तौर पर उसके च्यवनप्राश उत्पादों के खिलाफ पतंजलि आयुर्वेद द्वारा अपमानजनक विज्ञापन चलाने के आरोप हैं।

अपनी याचिका में डाबर ने आरोप लगाया है कि पतंजलि आयुर्वेद उसके च्यवनप्राश उत्पादों के खिलाफ अपमानजनक विज्ञापन चला रही है। याचिका में डाबर ने पतंजलि को तुरंत अपमानजनक विज्ञापन चलाने से रोकने के लिए आदेश देने की मांग की है।

डाबर की अर्जी पर जस्टिस मिनी पुष्करणा ने संबंधित पक्ष को नोटिस जारी कर जनवरी के अंतिम सप्ताह में मामले को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने को कहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, जब डाबर ने अपनी अर्जी में इस मामले की सुनवाई की गुहार की, तब जस्टिस पुष्करणा ने शुरू में मध्यस्थता के लिए भेजने की इच्छा जाहिर की, लेकिन डाबर ने बार-बार इस मामले में तत्काल राहत की गुहार लगाई, तब उन्होंने अंततः मामले की सुनवाई करने का फैसला किया।

डाबर की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अखिल सिब्बल ने दलील दी कि पतंजलि आयुर्वेद एक आदतन अपराधी है। उन्होंने इस साल की शुरुआत में पतंजलि के खिलाफ दर्ज अवमानना याचिका में सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का भी उल्लेख किया, जिसमें पतंजलि, बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण ने अखबारों में लिखित माफीनामा छपवाया था।

डाबर ने कहा कि वह पतंजलि आयुर्वेद के संस्थापक स्वामी रामदेव के एक विज्ञापन से व्यथित है, जिसमें वह कहते हैं, जिन्हें आयुर्वेद और वेदों का ज्ञान नहीं, चरक, सुश्रुत, धन्वंतरि और च्यवनऋषि की परंपरा में असली च्यवनप्राश कैसे बना पाएंगे? (यह बताते हुए कि केवल पतंजलि स्पेशल च्यवनप्राश ही असली/प्रामाणिक है, और बाजार में अन्य च्यवनप्राश के निर्माताओं को इस परंपरा के बारे में कोई जानकारी नहीं है, और परिणामस्वरूप, वे सभी नकली/साधारण हैं)।

अब पाकिस्तान के जहाजों की बांग्लादेश में नहीं होगी जांच, भारत की बढ़ी टेंशन

-हथियारों की सप्लाई, मादक पदार्थों की तस्करी बढ़ने का है खतरा

नई दिल्ली।

पाकिस्तान और बांग्लादेश के बढ़ते रिश्तों ने भारत को चिंता में डाल द दिया है। भारत चटगांव बंदरगाह को लेकर चिंतित है। यहां आने वाले पाकिस्तान के मालवाहक जहाजों की फिजिकल जांच का जो नियम था, उसे बांग्लादेश ने खत्म कर दिया है। अब पाकिस्तान से आए माल जांच नहीं होगी। ऐसे में पाकिस्तान की एजेंसी आईएसआई हथियारों की सप्लाई, मादक पदार्थों की तस्करी जैसे कारनामों को अंजाम दे सकती है।

भारतीय एजेंसियों को संदेह है कि यहां इन चीजों को उतारे जाने के बाद बांग्लादेश की सीमा से लगते पूर्वोत्तर भारत के राज्यों में भेजा जा सकता है। पहले भी ऐसी कोशिशें हुई हैं, ऐसे में यह चिंता का कारण है। बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के दौर में पाकिस्तान से आने वाले जहाजों की फिजिकल जांच होती थी। इसके अलावा भारत को चटगांव और मोंगला पोर्ट्स पर सीधा एक्सेस मिलता है। अब उसे भी खत्म करने पर बांग्लादेश विचार कर रहा है। 2004 में ऐसा ही हुआ था, जब चटगांव बंदरगाह पर 1500 डिब्बे बरामद किए गए थे, जिनमें चीनी हथियार मिले थे। तब एजेंसियों ने संदेह जताया था कि ये डिब्बे शायद आईएसआई ने रखवाए हैं और उन्हें पूर्वोत्तर भारत में सप्लाई किया जाना था। पहले भी आईएसआई उल्फा जैसे आतंकी संगठनों के साथ मिलकर भारत के खिलाफ साजिश करती रही है, लेकिन बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के दौर में उसके लिए यह उतना आसान नहीं था। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार पाकिस्तान के साथ दोस्ती बढ़ाने में जुटी है। यहां तक कि यूनुस पाकिस्तान जाने का मन बना रहे हैं और उनके विदेश मंत्री को बांग्लादेश आमंत्रित किया है। पाकिस्तान की ओर से 1971 में की गई ज्यादतियों को भी भुलाने की बातें की जा रही हैं। यही नहीं भारत के पीएम नरेंद्र मोदी की उस पोस्ट तक पर कुछ नेताओं ने ऐतराज जताया था, जिसमें उन्होंने 1971 की जंग के लिए भारतीय सेना की तारीफ की थी।

खास बात यह है कि 1971 में बांग्लादेश बनने के बाद से पाकिस्तान के साथ उसका कारोबार नाममात्र का ही रहा है। इसकी वजह है कि पाकिस्तान से वहां सीधे जहाजों को आने की अनुमति नहीं थी, जो अब मिल गई है। नवंबर में पहली बार करांची से रवाना हुआ मालवाहक जहाज दुबई होते हुए बांग्लादेश पहुंचा। इसके बाद अब एक और जहाज बीते सप्ताह यहां पहुंचा है। हाल ही में मुस्लिम देशों की समिट में मोहम्मद यूनुस और शहबाज शरीफ की मुलाकात हुई थी। इस बैठक में शहबाज ने बांग्लादेश को अपना भाई बताया था तो वहीं यूनुस ने 1971 के खूनी इतिहास को भुलाने की बात कही थी। दोनों के बीच अगस्त से अब तक दो मुलाकातें हो चुकी हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महान राष्ट्र-सपूतों में अग्रणी थे अटल बिहारी वाजपेयी

(लेखक- -ललित गर्ग)

(अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जन्म जयन्ती-25 दिसम्बर, 2024)

इस वर्ष हम उनका 100वां जन्मोत्सव मना रहे हैं, जिन्होंने प्रखर राजनेता, अजातशत्रु, विचारक एवं समाज सुधारक एवं राष्ट्र-निर्माता के रूप में न केवल देश के लोगों का दिल जीता है, बल्कि विरोधियों के दिल में भी जगह बनाकर, अमिट यादों को जन-जन के हृदय में स्थापित कर हमसे जुदा हुए थे। अटलजी यह नाम भारतीय इतिहास का एक ऐसा स्वर्णिम पृष्ठ है, जिससे एक सशक्त जननायक, स्वप्नदर्शी राजनायक, आदर्श चिन्तक, नये भारत के निर्माता, कुशल प्रशासक, दार्शनिक के साथ-साथ भारत को एक खास रंग देने की महक उठती है।

भारतीय राजनीति का महानायक, भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेता, भारत रत्न, प्रखर कवि, वक्ता और पत्रकार श्री अटल विहारी वाजपेयी की जन्म जयंती 25 दिसंबर को भारत सरकार प्रतिवर्ष सुशासन दिवस के रूप में मनाती है। इस वर्ष हम उनका 100वां जन्मोत्सव मना रहे हैं, जिन्होंने प्रखर राजनेता, अजातशत्रु, विचारक एवं समाज सुधारक एवं राष्ट्र-निर्माता के रूप में न केवल देश के लोगों का दिल जीता है, बल्कि विरोधियों के दिल में भी जगह बनाकर, अमिट यादों को जन-जन के हृदय में स्थापित कर हमसे जुदा हुए थे। अटलजी यह नाम भारतीय इतिहास का एक ऐसा स्वर्णिम पृष्ठ है, जिससे एक सशक्त जननायक, स्वप्नदर्शी राजनायक, आदर्श चिन्तक, कुशल प्रशासक, दार्शनिक के साथ-साथ भारत को एक खास रंग देने की महक उठती है। उनके व्यक्तित्व के इतने रूप हैं, इतने आयाम हैं, इतने रंग है, इतने दृष्टिकोण हैं, जिनमें वे व्यक्ति और नायक हैं, दार्शनिक और चिंतक हैं, प्रबुद्ध और प्रधान है, वक्ता और नेता हैं, शासक एवं लोकतंत्र उन्नायक हैं।

तीन बार देश के प्रधानमंत्री रहे अटल विहारी वाजपेयी ने पांच दशक तक सक्रिय राजनीति की, अनेक पदों पर रहे, केंद्रीय विदेश मंत्री व प्रधानमंत्री- पर वे सदा दूसरों से भिन्न रहे, अनूठे रहे। घाल-मेल से दूर। भ्रष्ट राजनीति में बेदाग। विचारों में निडर। टूटते मूल्यों में अडिग। घेरे तोड़कर निकलती भीड़ में मर्यादित। वे भारत के इतिहास में उन चुनिंदा नेताओं में शामिल हैं जिन्होंने सिर्फ अपने नाम, व्यक्तित्व और करिश्मे के बूते पर न केवल सरकार बनाई बल्कि एक नयी सोच की राजनीति को पनपाया, पारदर्शी एवं सुशासन को सुदृढ़ किया। पिछले कई दशकों में वह एक ऐसे नेता के रूप में उभरे जो विश्व के प्रति उदारवादी सोच और लोकतांत्रिक आदर्शों के प्रति प्रतिबद्धता को महत्व देते हैं। वे ऐसे भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं जिस देश की सभ्यता का इतिहास 5000 साल पुराना है और जो अगले हज़ार वर्षों में आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार है।

विलक्षण प्रतिभा, राजनीतिक कौशल, कुशल नेतृत्व क्षमता, बेवाक सोच, निर्णय क्षमता, दूरदर्शिता और बुद्धिमत्ता के कारण कांग्रेस के सभी नेता उनका लोहा मानते रहे। वाजपेयीजी बेहद नम्र इंसान थे और वह अहंकार से कोसों दूर थे। उनके प्रभावी एवं बेवाक व्यक्तित्व से पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू भी प्रभावित थे और उन्होंने कहा था कि अटलजी एक दिन भारत के प्रधानमंत्री जरूर बनेंगे। आज भारतीय जनता पार्टी की मजबूती का जो धरातल बना है, वह उन्हीं की देन है। वे भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक हैं। 1977 में जनता पार्टी सरकार में उन्हें विदेश मंत्री बनाया गया। इस दौरान संयुक्त राष्ट्र संघ के अधिवेशन में उन्होंने हिंदी में भाषण दिया और वे इसे अपने जीवन का सबसे सुखद क्षण बताते थे। वे संसद में बहुत प्रभावशाली वक्ता के रूप में जाने जाते रहे हैं और महत्वपूर्ण मुद्दे पर उनके भाषण खासे गौर से सुने जाते रहे हैं, जो भारत के संसदीय इतिहास की अमूल्य धरोहर है।

उत्तर प्रदेश में आगरा जनपद के प्राचीन स्थान बटेश्वर के मूल निवासी पण्डित कृष्ण बिहारी वाजपेयी मध्य प्रदेश की ग्वालियर रियासत में अध्यापक थे। वहीं शिन्दे की छावनी में 25 दिसंबर 1924 को ब्रह्ममुहूर्त में उनकी सहधर्मिणी कृष्णा वाजपेयी की कोख से अटलजी का जन्म हुआ था। महात्मा रामचन्द्र वीर द्वारा रचित अमर कृति 'विजय पताका' पढ़कर अटलजी के जीवन की दिशा ही बदल गयी। छात्र जीवन से वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक बने और तभी से राष्ट्रीय स्तर की वाद-विवाद प्रतियोगिताओं में भाग लेते रहे। डॉ॰ श्यामाप्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के निर्देशन में राजनीति का पाठ तो पढ़ा ही, साथ-साथ पाञ्चजन्य, राष्ट्रधर्म, दैनिक स्वदेश और वीर अर्जुन जैसे पत्र-पत्रिकाओं के सम्पादन का कार्य भी कुशलतापूर्वक करते रहे। अटलजी ने किशोर वय में ही एक अद्भुत कविता लिखी थी-हिन्दू तन-मन हिन्दू जीवन, रग-रग हिन्दू मेरा परिचय, जिससे यह पता चलता है कि बचपन से ही उनका रुझान देश हित, राष्ट्रीयता एवं हिन्दुत्व की तरफ था। राजनीति के साथ-साथ समष्टि एवं राष्ट्र के प्रति उनकी वैयक्तिक संवेदनशीलता, जिजीविषा, व्यापक दृष्टि आद्योपान्त प्रकट होती ही रही है। उनके संघर्षमय जीवन, परिवर्तनशील परिस्थितियाँ, राष्ट्रव्यापी आन्दोलन, जेल-जीवन आदि अनेक आयामों के प्रभाव एवं अनुभूति से जुड़े विचार उनके काव्य में सदैव ही दिखाई देते थे।

अटल विहारी वाजपेयी 16 मई 1996 को पहली बार प्रधानमंत्री बने, लेकिन लोकसभा में बहुमत साबित न कर पाने की वजह से 31 मई 1996 को उन्हें त्यागपत्र देना पड़ा। इसके बाद 1998 तक वे लोकसभा में विपक्ष के नेता रहे। 1999 में हुए चुनाव राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के साझा घोषणापत्र पर लड़े गए और इन चुनावों में वाजपेयी के नेतृत्व को एक प्रमुख मुद्दा बनाया गया। गठबंधन को बहुमत हासिल हुआ और वाजपेयी ने एक बार फिर प्रधानमंत्री की कुर्सी संभाली। एनडीए का नेतृत्व करते हुए मार्च 1998 से मई 2004 तक, छह साल भारत के प्रधानमंत्री रहे। इस दौरान उनकी सरकार ने 11 और 13 मई 1998 को पोखरण में पाँच भूमिगत परमाणु परीक्षण विस्फोट करके भारत को परमाणु शक्ति संपन्न देश घोषित कर दिया। इस कदम से उन्होंने भारत को निर्विवाद रूप से विश्व मानचित्र पर एक सुदृढ वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित कर दिया। यह सब इतनी गोपनीयता से किया गया कि अति विकसित जासूसी उपग्रहों व तकनीकी से संपन्न पश्चिमी देशों को इसकी भनक तक नहीं लगी। यही नहीं इसके बाद पश्चिमी देशों द्वारा भारत पर अनेक प्रतिबंध लगाए गए लेकिन वाजपेयी सरकार ने सबका दृढ़तापूर्वक सामना करते हुए आर्थिक विकास की ऊचाइयों को छुआ। वाजपेयीजी ने पडौसी देश पाकिस्तान के साथ रिश्तों को सौहार्दपूर्ण बनाने की दृष्टि से भी अनेक उपक्रम किये। 19 फरवरी 1999 को सदा-ए-सरहद नाम से दिल्ली से लाहौर तक बस सेवा शुरू की गई। कुछ ही समय पश्चात् पाकिस्तान के तत्कालीन सेना प्रमुख परवेज मुशर्रफ की शह पर पाकिस्तानी सेना व उग्रवादियों ने कारगिल क्षेत्र में घुसपैठ करके कई पहाड़ी चोटियों पर कब्जा कर लिया। अटल सरकार ने पाकिस्तान की सीमा का उल्लंघन न करने की अंतर्राष्ट्रीय सलाह का सम्मान करते हुए धैर्यपूर्वक किंतु ठोस कार्यवाही करके भारतीय क्षेत्र को मुक्त कराया।

अटल विहारी वाजपेयी चाहे प्रधानमन्त्री के पद पर रहे हों या नेता प्रतिपक्ष- बेशक देश की बात हो या क्रान्तिकारियों की, या फिर उनकी अपनी ही कविताओं की, नपी-तुली और बेवाक टिप्पणी करने में अटलजी कभी नहीं चूके। भारत को लेकर उनकी स्वतंत्र सोच एवं दृष्टि रही है-ऐसा भारत जो भूख, भय, निरक्षरता और अभाव से मुक्त हो। उनकी कविता जंग का ऐलान है, पराजय की प्रस्तावना नहीं। वह हारे हुए सिपाही का नैराश्य-निनाद नहीं, जूझते योद्धा का जय-संकल्प है। वह निराशा का स्वर नहीं, आत्मविश्वास का जयघोष है। उन्होंने विज्ञान की शक्ति को बढ़ावा देने के लिए लाल बहादुर शास्त्री के नारे 'जय जवान जय किसान' में बदलाव किया और 'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान' का नारा दिया। वे जितने कद्दावर के राजनीतिज्ञ थे उतने ही गहन आध्यात्मिक भी थे। उन्होंने राजनीतिक समस्याओं के अतिरिक्त धार्मिक तथा सांस्कृतिक विषयों पर भी साधिकार कलम चलाई, एक नई दृष्टि एवं दिशा दी। इस दृष्टि से वे एक महान् राष्ट्रनायक, साहित्यकार, विचारक, महामनीषी एवं चिन्तक थे।

इस शताब्दी के भारत के 'महान सपूतों' की सूची में कुछ नाम हैं जो अंगुलियों पर गिने जा सकते हैं। अटल विहारी वाजपेयी का नाम प्रथम पंक्ति में होगा। मेरा सौभाग्य रहा कि मुझे वाजपेयीजी से मिलने के अनेक अवसर मिले, रायसीना हिल पर अणुव्रत आन्दोलन एवं आचार्य तुलसी के कार्यक्रमों के सिलसिले में अनेक बार मिला। प्रधानमंत्री रहते 7 रेडक्रोस रोड पर तीन-चार मुलाकातें हुई। एक बार उनके जन्म दिन पर कृष्णा मेनन मार्ग पर भी उनके दर्शनों का दुर्लभ अवसर मिला। उनमें गजब का अल्हड़पन एवं फक्कड़पन था। वे हमेशा बेपरवाह और निश्चिन्त दिखाई पड़ते थे, प्रायः लोगों से घिरे रहते थे और हंसते-हंसाते रहते थे। उनके जीवन के सारे सिद्धांत मानवीयता एवं राष्ट्रीयता की गहराई ये जुड़े थे और उस पर वे अटल भी रहते थे।

संपादकीय

मर्ज का फर्ज

सर्वविदित है कि देश की विशाल आबादी पर चिकित्सकों की उपलब्धता वैश्विक मानकों के अनुरूप नहीं है। यूनेस्को कई बार बता चुका है कि भारत के कई स्थानों पर एक हजार व्यक्तियों पर एक चिकित्सक भी उपलब्ध नहीं है। ऐसे में यदि देश के कई मेडिकल कॉलेजों के चिकित्सा पाठ्यक्रमों में सीटें खाली रह जाएं तो इसे देश के लिये विडंबना ही कहा जाएगा। इस ज्वलंत मुद्दे पर देश की शीर्ष अदालत ने संज्ञान लेते हुए निर्देश दिए कि इस माह के अंत तक देश के सभी मेडिकल कालेजों के चिकित्सा पाठ्यक्रमों में रिक्त पड़ी सीटों को तुरंत भरा जाए। जाहिर है जब देश में पहले से ही डॉक्टरों के कमी है तो ये सीटें क्यों खराब की जा रही हैं? निश्चित रूप से समाज के अंतिम व्यक्ति को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में शीर्ष अदालत की यह पहल बदलावकारी साबित हो सकती है। देश में चिकित्सकों की कमी को देखते हुए पिछले दिनों बड़ी संख्या में नये मेडिकल कालेज खोले गए हैं, लेकिन इनमें सीटों की संख्या दुगनी हो जाने के बाद भी डॉक्टरों की कमी बनी हुई है। वैसे निजी अस्पतालों में तो डॉक्टरों की कमी नहीं है, लेकिन सार्वजनिक अस्पतालों व डिस्पेंसरियों में डॉक्टरों की कमी बराबर बनी रहती है। खासकर ग्रामीण इलाकों में तो स्थिति बहुत खराब है। यही वजह है कि देश के बड़े चिकित्सा संस्थानों मसलन एम्स व पीजीआईएमईआर जैसे संस्थान मरीजों के दबाव से चरमरा रहे हैं। साथ ही चिकित्सक बेहद दबाव में काम कर रहे हैं। यह सुखद ही है कि देश की शीर्ष अदालत ने इस संकट की गंभीरता को महसूस करते हुए निर्देश दिए हैं कि इस महीने के अंत तक काउंसलिंग करा कर उन सीटों को तुरंत भरा जाए। निश्चित रूप से इस पहल से देश के सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को संबल मिल सकेगा। निस्संदेह, यह तार्किक है कि चिकित्सा पाठ्यक्रम में दाखिले को लेकर देश में भारी मारामारी है। इसकी वजह यह है कि मेडिकल की पढ़ाई के बाद कमोबेश रोजगार पाना गारंटी जैसी होता है। उनके लिये विदेशों में भो रोजगार के आकर्षक अवसर होते हैं। अन्यथा निजी अस्पताल खोलकर भी वे अपना शानदार करिअर बना सकते हैं। लेकिन सबसे बड़ा सवाल हमारे गांवों में चिकित्सा सुविधाओं के नितांत अभाव का होना है। ऐसा नहीं है कि इस चुनौतीपूर्ण स्थिति का सरकार को भान नहीं है। सरकार भी मानती है कि देश के ग्रामीण इलाकों के अस्पतालों अथवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता तो दूर सामान्य डॉक्टरों की मौजूदगी भी कम ही है। इस संकट का समाधान तभी संभव है जब देश में अधिक मेडिकल कालेज खुलें और उनकी सभी सीटों को भरा जाए। वहीं दूसरी ओर डॉक्टरों को ग्रामीण इलाकों में काम करने के लिये प्रेरित किया जाए। उन्हें वेतन तथा प्रोन्नति के विशेष अवसर दिए जाएं। अनिवार्य रूप से तय किया जाए कि मेडिकल कालेजों से निकलने वाले चिकित्सक कुछ प्रारंभिक वर्षों तक ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी सेवाएं दें। इस बात पर मंथन किया जाना चाहिए कि विगत में हुए ऐसे प्रयास क्यों सिरे नहीं चढ़ पाए। इसके अलावा दुनिया के अनेक देशों से मेडिकल की पढ़ाई करके आने वाले डॉक्टरों को आवश्यक अर्हताएं पूरी करने पर डॉक्टरी करने की सुविधा प्रदान की जाए। किसी भी लोक कल्याणकारी सरकार का दायित्व बनता है कि गरीबी की रेखा के नीचे रहने वाले तथा कमजोर वर्गों के लोगों को सस्ती चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करायी जाएं।

रोशनी, प्रेम और सद्भाव का पर्व है क्रिसमस

(लेखक- अतुल गोयल)

(क्रिसमस (25 दिसम्बर) पर विशेष)

'क्रिसमस' पर्व पूरी दुनिया में 25 दिसम्बर को मनाया जाने ईसाई समुदाय का सबसे बड़ा त्यौहार है। यह पर्व वास्तव में केवल एक धार्मिक पर्व ही नहीं है बल्कि इसका एक सांस्कृतिक नजरिया भी है। यह पर्व केवल एक दिन का उत्सव नहीं है बल्कि यह पूरे 12 दिन का पर्व है, जो क्रिसमस की पूर्व संध्या से शुरू हो जाता है। हिन्दुओं में जो महत्व दीवाली का है, मुस्लिमों में जितना महत्व ईद का है, वही महत्व ईसाईयों में क्रिसमस का है। जिस प्रकार हिन्दुओं में दीवाली पर अपने घरों को सजाने की परम्परा है, उसी प्रकार ईसाई समुदाय के लोग क्रिसमस के अवसर पर अपने घरों को सजाते हैं। इस अवसर पर शंकु आकार के विशेष प्रकार के वृक्ष 'क्रिसमस ट्री' को सजाने की तो विशेष महत्ता होती है, जिसे रंग-बिरंगी रोशनियों से सजाया जाता है। मान्यता है कि करीब दो हजार वर्ष पूर्व 25 दिसम्बर को ईसा मसीह ने समस्त मानव जाति का कल्याण करने के लिए पृथ्वी पर जन्म लिया था। तब पूरे रोम में धार्मिक आडम्बर चारों ओर फैले थे, रोम शासक यहूदियों पर अत्याचार करते थे, धनाढ्य वर्ग विलासितापूर्ण जीवन व्यतीत करता था जबकि गरीबों की हालत अत्यंत दयनीय थी। चारों ओर अशांति फैली थी, भाई-भाई का शत्रु बन गया था, धर्मस्थलों के पादरी अथवा पुजारी स्वार्थसिद्धि में लिप्त थे, छोटे-बड़े, अमीर-गरीब, ऊंच-नीच के बीच भेदभाव की गहरी खाई बन चुकी थी। ऐसे विकट समय में पृथ्वी पर जन्म लिया था यीशु ने। ईसाई धर्म के लोग मानते हैं कि ईसा के जन्म के साथ ही समूचे विश्व में एक नए युग का शुभारंभ हुआ था, यही कारण है कि हजारों वर्ष बाद भी उनके प्रति लोगों का वही उत्साह, वही श्रद्धा बरकरार है और 25 दिसम्बर की मध्य रात्रि को गिरिजाघरों के घड़ियाल बजते ही 'हैप्पी क्रिसमस' के उद्घोष के साथ जनसैलाब उमड़ पड़ता है, लोग एक-दूसरे को गले मिलकर बधाई देते हैं और आतिशबाजी भी करते हैं। इस अवसर पर लोग गिरिजाघरों के अलावा अपने घरों में भी खुशी और उल्लास से ऐसे गीत गाते हैं, जिनमें ईसा मसीह द्वारा दिए गए शांति, प्रेम एवं भाईचारे के संदेश की महत्ता स्पष्ट परिलक्षित होती है।

जिन ईसा मसीह की स्मृति में लोग क्रिसमस का त्यौहार मनाते हैं, उनका जन्म अत्यंत विकट परिस्थितियों में हुआ था। दिसम्बर के महीने की हाड़ कंपा देने वाली कड़ाके की ठंड में इसराइल के येरूसलम से 8 किलोमीटर दूर बेथलेहम नामक एक छोटे से गांव में आधी रात के वक्त खुले आसमान तले एक अस्तबल में एक गरीब यहूदी यूसुफ की पत्नी मरियम की कोख से जन्मे थे यीशु, जिनके जन्म की सूचना सबसे पहले हेरोद जैसे क्रूर सम्राट को नहीं बल्कि गरीब चरवाहों को मिली थी। माना जाता है कि ये चरवाहे उसी क्षेत्र में अपनी भेड़ों के झुंड के साथ रहा करते थे और जिस रात ईसा ने धरती पर जन्म लिया, उस समय ये लोग खेतों में भेड़ों के झुंड की रखवाली करते हुए आग ताप रहे थे। कहा जाता है कि मरियम जब गर्भवती थी तो एक रात गैबरियल नामक एक देवदूत मरियम के सामने प्रकट हुआ, जिसने मरियम को बताया कि उन्हें ईश्वर के बेटे की मां बनने के लिए चुना गया है। उन दिनों जनगणना का कार्य चल रहा था और तब यह प्रथा थी कि जनगणना के समय पूरा परिवार अपने पूर्वजों के नगर में एकत्रित होता था और वहीं परिवार के सभी सदस्यों का नाम रजिस्टर में दर्ज कराता था।

यूसुफ दाऊद के कुटुम्ब तथा देश का था, इसलिए गर्भवती मरियम को साथ लेकर वह भी नाम लिखवाने अपने पूर्वजों की भूमि बेथलेहम पहुंचा। जनगणना की वजह से बेथलेहम में उस समय बहुत भीड़ थी। वहां पहुंचकर युसूफ ने एक सराय के मालिक से रूकने के लिए जगह मांगी लेकिन सराय में बहुत भीड़ होने के कारण उन्हें जगह नहीं मिली। मरियम को गर्भवती देख सराय के मालिक को उस पर दया आई और उसने उन्हें घोड़ों के अस्तबल में ठहरा दिया। वहीं आधी रात के समय मरियम ने एक अति तेजस्वी पुत्र को जन्म दिया, जिसका 7 दिन बाद नामकरण संस्कार हुआ। बालक का नाम रखा गया 'जीजस', जिसे यीशु के नाम से भी जाना गया। यहूदियों के इस देश में उस समय रोमन सम्राट हेरोद का शासन था, जो बहुत पापी और अत्याचारी था। हेरोद को जीजस के जन्म की सूचना मिली तो वह बहुत घबराया क्योंकि भविष्यवक्ताओं ने भविष्यवाणी की थी कि यहूदियों का राजा इसी वर्ष पैदा होगा और उसके बाद हेरोद राजा नहीं रह सकेगा। हेरोद ने जीजस की खोज में अपने सैनिकों की टुकड़ियां भेजी लेकिन वे जीजस के बारे में कुछ पता नहीं लगा सके। घोर गरीबी के कारण जीजस की पढ़ाई-लिखाई की व्यवस्था तो नहीं हो पाई पर उन्हें बाल्यकाल से ही ज्ञान प्राप्त था। गरीबों, दुखियों व रोगियों की सेवा करना उन्हें बहुत अच्छा लगता था। इतना ही नहीं, बड़े-बड़े धार्मिक नेता भी उनके सवाल-जवाबों से अक्सर चकित हो जाते थे। उन दिनों लोग मूर्तिपूजा किया करते थे और सर्वत्र धर्म के नाम पर आडम्बर फैला था। यीशु ने मूर्तिपूजा के स्थान पर एक निराकार ईश्वर की पूजा का मार्ग लोगों को बताया और उन्हें अपने हृदय में आविर्भूत ईश्वरीय ज्ञान का संदेश सुनाया। उनके उपदेशों से प्रभावित होकर उनके शिष्यों की संख्या दिनोंदिन बढ़ने लगी तथा उनकी दयालुता और परोपकारिता की प्रशंसा सर्वत्र फैल गई, जिससे यहूदियों के पुजारी और धर्म गुरू उनके घोर शत्रु बन गए। एक बार यीशु प्रार्थना कर रहे थे तो उन्हें अपना शत्रु मान चुके यहूदियों के पुजारी व धर्मगुरू उनको पकड़कर ले गए। जब उन्हें न्यायालय में उपस्थित किया गया तो न्यायाधीश ने राजा और धर्मगुरूओं के दबाव में यीशु को प्राणदंड की सजा सुना दी। यहूदियों ने यीशु को कांटों का ताज पहनाया और फटे कपड़े पहनाकर कोड़े मारते हुए उन्हें पूरे नगर में घुमाया। फिर उनके हाथ-पांवों में कीलें ठोंककर उन्हें 'क्रॉस' पर लटका दिया गया लेकिन यह यीशु की महानता ही थी कि इतनी भीषण यातनाएं झेलने के बाद भी उन्होंने ईश्वर से उन लोगों के लिए क्षमायाचना ही की। सूली पर लटके हुए भी उनके मुंह से यही शब्द निकले, ''हे ईश्वर! इन लोगों को माफ करना क्योंकि इन्हें नहीं पता कि ये क्या कर रहे हैं? ये अज्ञानवश ही ऐसा कर रहे हैं।'' उसके बाद से ही ईसाई समुदाय द्वारा 25 दिसम्बर अर्थात् ईसा मसीह के जन्मदिवस को क्रिसमस के रूप में मनाया जाने लगा।

(लेखक न्यूयॉर्क की कंपनी में सॉफ्टवेयर डवलपमेंट इंजीनियर हैं)

(चिंतन-मनन)

ध्यान की तरंग

यहूदियों में एक कथा है कि जब कोई बच्चा पैदा होता है, तो देवता आते हैं और उस बच्चे के सिर पर हाथ फेरते हैं; ताकि वह भूल जाए उस सुख को, जो सुख परमात्मा के घर उसने जाना था, नहीं तो जिंदगी बड़ी कठिन हो जाएगी-दयावश ऐसा करते हैं वे, नहीं तो जिंदगी बड़ी कठिन हो जाएगी। अगर वह सुख याद रहे, तो बड़ी कठिन हो जाएगी जिंदगी, तुलना में। तुम फिर कुछ भी करो, व्यर्थ मालूम पड़ेगा। धन कमाओ, पद कमाओ, सुंदर से सुंदर पत्नी और पति ले आओ, अच्छे से अच्छे बच्चे हों, बड़ा मकान हो, कार हो, कुछ भी सार न मालूम पड़ेगा, अगर वह सुख याद रहे।

तो यहूदी कथा कहती है कि एक देवता उतरता है करूणावश और हर बच्चे के माथे पर सिर्फ हाथ फेर देता है। उस हाथ के फेरते ही पर्दा बंद हो जाता है, उसे भूल जाता है परमात्मा। सुख भूल गया, फिर यह जीवन के दुखों में ही सोचने लगता है, सुख होगा। उस पर्दे को फिर से खोलना है, जो देवताओं ने बंद कर दिया है। मुझे तो नहीं लगता कि कोई देवता बंद करते हैं। देवता ऐसी मूढ़ता नहीं कर सकते। लेकिन समाज बंद कर देता है। शायद कहानी उसी की सूचना दे रही है। मां-बाप, परिवार, समाज, स्कूल बंद कर देते हैं, पर्दे को डाल देते हैं। ऐसा डाल देते हैं कि तुम भूल ही जाते हो कि यहां द्वार है, तुम समझने लगते हो दीवार है। ध्यान का अर्थ है, इस पर्दे को हटाना। और इसे अनायास होने दो इसे कभी-कभी तुम्हें पकड़ लेने दो- और जब तुम्हें यह तरंग पकड़े, तो लाख काम छोड़कर बैठ जाना।

विचार मंथन

शेख हसीना भारत के गले में हड्डी की तरह फंसी

(लेखक- सनत जैन)

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने औपचारिक रूप से शेख हसीना को बांग्लादेश वापस भेजने की मांग भारत सरकार से की है। शेख हसीना पिछले 5 महीने से भारत में हैं। बांग्लादेश में उनकी सरकार के खिलाफ तख्ता पलट हुआ था। उन्हें बांग्लादेश छोड़कर भागना पड़ा। भारत सरकार ने सुरक्षित रूप से उन्हें बांग्लादेश से निकालकर भारत में शरण दी थी। शेख हसीना भारत में रहकर वर्तमान सरकार के खिलाफ लगातार बयानबाजी कर रही हैं। बांग्लादेश में हसीना के समर्थक आए दिन वहां पर सरकार के लिए चुनौती बन रहे हैं। जिसके कारण बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। पिछले 5 महीने में भारत सरकार और बांग्लादेश सरकार के बीच में तनाव बढ़ता चला जा रहा है। बांग्लादेश में हिंदुओं के ऊपर लगातार जो हमले हो रहे हैं और मंदिरों को निशाना बना तोड़ा जा रहा है, उसमें मूल कारण शेख हसीना को भारत सरकार द्वारा शरण दिया जाना है। यही नहीं भारत में बैठकर शेख हसीना द्वारा बांग्लादेश में राजनीतिक गतिविधियों को चलाने का विरोध भी बांग्लादेश की जनता कर रही है। इसी कारण वहां की जनता हिंदुओं के खिलाफ खड़ी हो रही है। हाल ही में भारत के विदेश सचिव बांग्लादेश गए थे, लेकिन वह भी कोई सार्थक परिणाम लेकर वापस नहीं लौटे हैं। बांग्लादेश में अडानी द्वारा महंगी बिजली सप्लाई करने का समझौता किया गया है। इसमें कथित तौर पर शेख हसीना द्वारा भारी भ्रष्टाचार किया गया। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने अडानी का भुगतान रोक दिया है। उसके बाद से भारत सरकार और बांग्लादेश के बीच में लगातार दूरियां बढ़ती चली जा रही है। भारत सरकार और बांग्लादेश के बीच अपराधियों की अदला-बदली को लेकर पहले से ही समझौता है। इसी समझौते के तहत बांग्लादेश शेख हसीना को वापस लौटाने की मांग कर रहा है।

शेख हसीना के ऊपर हत्या, अपहरण और देशद्रोह के लगभग 225 मामले दर्ज हैं। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने भारत सरकार को चेतावनी दी है, कि शेख हसीना को बांग्लादेश को सौंप दिया जाए। अन्यथा बांग्लादेश, भारत सरकार के साथ संबंधों को लेकर कडा रूख अख्तियार करेगा। शेख हसीना के द्वारा किया गया भ्रष्टाचार और तानाशाही वाले रवैये को लेकर बांग्लादेश में उनके खिलाफ जबरदस्त गुस्सा है। आरोप तो यह भी लगा कि बांग्लादेश के चुनाव में भी उन्होंने भारी गड़बड़ी कर बहुमत हासिल किया था। जिसके कारण जनता में उनके प्रति बहुत नाराजी है। भारत सरकार शेख हसीना को भारत छोड़कर किसी अन्य देश में भेज देती, तो भारत और बांग्ला देश के संबंध इतने ज्यादा नहीं बिगड़ते। बांग्लादेश में हिंदुओं के ऊपर हमले भी नहीं होते। भारत में जो कुछ मुसलमानो के साथ हो रहा है, वैसी ही प्रतिक्रिया अब बांग्लादेश में हिंदुओं को लेकर हो रही है। इस समय अमेरिका-चीन के रडार पर भारत है। दोनों ही देश भारत को अपने पाले में बनाए रखने के लिए तरह-तरह की पेंतरेबाजी कर रहे हैं। अमेरिका की निगाह बांग्लादेश के ऊपर है। बांग्लादेश को अमेरिका से जो ताकत मिल रही है। अकारण भारत को उसमें फसना पड़ रहा है। भारत सरकार को चाहिए कि वह शेख हसीना को किसी अन्य राष्ट्र में शरण दिलाने में उनकी मदद करे। भारत से शेख हसीना चली

जाएंगी, तो बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति में शेख हसीना के कारण भारत सरकार के जो रिश्ते खराब हो रहे हैं, वह सामान्य होना शुरू हो जाएंगे। सरकार को समय रहते हुए सार्थक निर्णय करने की जरूरत है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नए साल के पहले इंडिगो का ऑफर, 1,199 रुपए से कर सकेंगे हवाई सफर

- यह शानदार ऑफर 25 दिसंबर तक

बिजनेस डेस्क: भारत की प्रमुख एयरलाइनों में से एक इंडिगो ने इस बार एक खास गेटअवे सेल की घोषणा की है, जिसमें यात्रियों को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर छूट दी जा रही है। यह शानदार ऑफर 25 दिसंबर तक के लिए है। डोमेस्टिक यात्रा के लिए किराया 1,199 रुपए से शुरू है, जबकि अंतरराष्ट्रीय यात्रा के लिए किराया 4,499 रुपए से है। इसके साथ ही, इंडिगो ने 6ई ऐड-ऑन पर 15 फीसदी तक की बचत के विकल्प भी पेश किए हैं। इन ऐड-ऑन में प्रीपेड एक्सेस बैगेज, स्टैंडर्ड सीट सिलेक्शन, और इमरजेंसी एक्सएल सीटें शामिल हैं। इनकी कीमतें घरेलू उड़ानों के लिए 599 रुपये से शुरू हैं। इस खास ऑफर के तहत, एयरलाइन ने फेडरल बैंक के साथ कोलैब किया है, जिससे फेडरल बैंक के क्रेडिट कार्ड के उपयोग से टिकट बुक करने पर आपको अतिरिक्त छूट मिलेगी। यह ऑफर 31 दिसंबर, 2024 तक वैध है। इस सुनहरे मौके का लाभ उठाने के लिए इंडिगो की वेबसाइट पर जाकर आप अपनी यात्रा की तिथि तथा डिस्टिनेशन के अनुसार टिकट बुक कर सकते हैं।

एडीबी भारत को 50 करोड़ डॉलर का कर्ज देगा

शहरी परियोजनाओं, शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्रों को बढ़ावा मिलेगा

नई दिल्ली । सरकार ने देश की जलवायु प्रतिबद्धताओं के साथ समर्थन के लिए एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के साथ 50 करोड़ डॉलर के ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। वित्त मंत्रालय ने बताया कि यह ऋण भारतीय इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी लिमिटेड को गारंटी के साथ दिया जाएगा। इस समझौते से शहरी परियोजनाओं, शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्रों को बढ़ावा मिलेगा। वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग के निदेशक मियो ओका ने इस ऋण के लिए हस्ताक्षर किए। ओका ने इस समझौते को बहुत महत्त्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इससे देश की परियोजनाओं को विकास करने में मदद मिलेगी। एडीबी का यह वित्तपोषण आईआईएफसीएल को ऊर्जा बदलाव, शहरी परियोजनाओं, शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्रों से जुड़ी परियोजनाओं के लिए दीर्घकालिक पूंजी प्रदान करेगा। इस समझौते से देश में हरित, टिकाऊ और सुस्त विकास के लिए जमीनी बुनियादी ढांचा मजबूत होगा। यह ऋण प्रोजेक्ट्स को सकारात्मक दिशा में बढ़ाएगा और समुदायों को सामूहिक उपयोग के लिए समर्थ बनाएगा। इस समझौते के माध्यम से एक और कदम हुआ जिससे देश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

भुवनेश्वर में हरित हाइड्रोजन ईंधन स्टेशन स्थापित किया जाएगा

एनटीपीसी ने ग्रिडको और सीआरयूटी के साथ किया समझौता

भुवनेश्वर । ओडिशा में एक महत्वपूर्ण योजना पर हस्ताक्षर` किए गए, जिसमें सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनटीपीसी ने ग्रिडको और सीआरयूटी के साथ उनकी हरित हाइड्रोजन परिवहन योजना के लिए समझौता किया है। इस समझौते का उद्देश्य है ओडिशा में हरित ऊर्जा प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना है। एनटीपीसी की इस योजना के तहत भुवनेश्वर में हरित हाइड्रोजन ईंधन स्टेशन स्थापित किया जाएगा, जिससे छोटी और लंबी दूरी तक की हाइड्रोजन बसें चलाई जा सकेंगी। इससे डीजल चलने वाली बसों पर निर्भरता कम होगी और कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आएगी। एनटीपीसी ने पिछले कुछ सालों में कई बड़े शहरों में इसी प्रकार की पहल की है, जैसे कि सूरत, लेह, ग्रेटर नोएडा, और गुजरात के कांडला में। इसके साथ ही कंपनी विशाखापत्तनम में एक हरित हाइड्रोजन केंद्र भी विकसित कर रही है। एनटीपीसी का लक्ष्य है कि वर्ष 2032 तक 60,000 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता स्थापित करना। इस योजना से ओडिशा को हरित हाइड्रोजन परिवहन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी, जिससे प्रदूषण कम होगा और वायु प्रदूषण पर प्रभाव भी कम होगा। यह साथ ही एनटीपीसी की योजनाएं भारत को ऊर्जा स्वायत्तता की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती हैं।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 9 पैसे की गिरावट के साथ ही अपने अब तक के सबसे निचले स्तर 85.20 पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन मजबूत रुख और विदेशी पूंजी की सतत निकासी के बीच रुपया शुरुआती कारोबार में पांच पैसे की गिरावट के साथ 85.16 प्रति डॉलर के अपने नए सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंच गया।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अस्थिर भू-राजनीतिक स्थिति के कारण डॉलर की उच्च मांग के साथ-साथ कच्चे तेल की कीमतों में तेजी ने स्थानीय मुद्रा पर दबाव बनाया। हालांकि सकारात्मक घरेलू शेयर बाजारों से उसे कुछ समर्थन मिला।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.10 प्रति डॉलर पर खुला और बाद में 85.16 प्रति डॉलर के अपने नए सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से पांच पैसे की गिरावट दर्शाता है।

रुपया सोमवार को अमेरिकी

डॉलर के मुकाबले 85.11 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.10 फीसदी की बढ़त के साथ 107.92 पर रहा।

टाटा ग्रुप का आईपीओ लिस्टिंग की तैयारी में

टाटा कैपिटल का आईपीओ लगभग 2 अरब डॉलर का हो सकता है

मुंबई । आईपीओ में पैसा लगाने वाले निवेशकों के लिए गुड न्यूज है, जैसे कि देश का सबसे बड़ा औद्योगिक समूह टाटा ग्रुप ने अपनी एक कंपनी को लिस्ट करने की तैयारी शुरू कर दी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, टाटा कैपिटल का आईपीओ लगभग 2 अरब डॉलर (करीब 17,035 करोड़ रुपए) का हो सकता है। सूत्रों के मुताबिक टाटा ग्रुप ने इसके लिए कुछ प्रमुख निवेश बैंकों के साथ चर्चा शुरू कर दी है और हाल ही में कोटक इन्वेस्टमेंट बैंकिंग के अधिकारियों के साथ बैठक के बाद इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की अनुमति दी गई है। जनवरी तक अतिरिक्त बैंकर्स की नियुक्ति भी की जा सकती है। इस खबर के बाद टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन के शेयरों में 8 फीसदी उछाल देखने को मिला। यह आईपीओ टाटा ग्रुप की रणनीतिक योजनाओं का हिस्सा है और निवेशकों को आकर्षक अवसर प्रदान कर सकता है। आरबीआई के नियमों के अनुसार टाटा संस और टाटा कैपिटल को अपर लेयर एनबीएफसी के रूप में क्लासिफाई किया गया है और उन्हें सितंबर 2025 तक अपने शेयरों को लिस्ट कराना जरूरी है। टाटा कैपिटल में टाटा संस की 93 फीसदी हिस्सेदारी है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को हल्की गिरावट के बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही मुनाफावसूली हावी रहने के कारण आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 67.30 अंक करीब 0.09 फीसदी नीचे आकर 78,472.87 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 25.80 अंक तकरीबन 0.11 फीसदी नीचे आकर 23,727.65 पर बंद हुआ। मंथली एक्सपायरी के दिन निफ्टी बैंक 84 अंक गिरकर 51,233 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान निफ्टी पर पावर ग्रिड कॉर्प, जेएसडब्ल्यू स्टील, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, टाइटन कंपनी और एसबीआई के शेयर नीचे आये। वहीं टाटा मोटर्स, अडानी एंटरप्राइजेज, आयशर मोटर्स, बीपीसीएल और आईटीसी के शेयर लाभ में रहे।

सेक्टरों में वाहन, उपलभोक्ता उत्पाद (एफएमसीजी), तेल एवं गैस में खरीदारी देखी गई, जबकि आईटी, मीडिया, मेटल, पीएसयू बैंक में बिकवाली हावी रही। बीएसई मिडकैप इंडेक्स सपाट ,जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स 0.3 फीसदी ऊपर आकर बंद हुआ।

बाजार जानाकरों के अनुसार धीमी शुरुआत के बाद निफ्टी वाहन और आईटी कंपनियों के कारण ऊपर आने लगा पर तभी कई कारण से उसपर अंकुश लग गया। ऑटो और एफएमसीजी सेक्टर में सबसे ज्यादा तेजी रही।

जहां मिडकैप्स ऊपर आये। स्मॉलकैप्स का प्रदर्शन भी अच्छा रहा और वह बढ़त पर बंद हुआ। आज ऑटो शेयरों में निचले स्तरों पर खरीदारी देखने को मिली। जबकि मेटलऔर पीएसयू बैंक इंडेक्सों में ऊपरी स्तरों पर इंट्राडे मुनाफावसूली हुई। अमेरिकी बाजारों की बात करें तो डाओ फ्यूचर्स और निक्केई भी सुस्त दिखाई दिए। कल की तेजी में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने स्टॉक फ्यूचर्स में 6500 करोड़ रुपए से ज्यादा की खरीदारी की। घरेलू कोषों ने भी 2200 करोड़ से ज्यादा के शेयर खरीदे। अमेरिकी बाजार संभलकर दिन की ऊंचाई के पास बंद हुए। डाओ 400 अंकों की शानदार रिकवरी के साथ करीब 70 अंक चढ़ा तो नैस्डैक 200 अंक उछला। इससे पहले आज सुबह शेयर बाजारों की सकारात्मक शुरुआत हुई और दोनों प्रमुख इंडेक्स हरे निशान में ओपन हुए हालांकि, कोई मजबूत ट्रिगर पॉइंट नहीं मिलने के कारण बाजार में उतार-चढाव देखने को मिल रहा है। बीएसई सेंसेक्स 167 अंकों की बढ़त लेकर 78,707.37 पर खुला। इसी प्रकार तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 62.95 अंक की बढ़त लेकर 23,816.40 पर कारोबार कर रहा था। इससे पिछले ट्रेडिंग सेशन में विदेशी निवेशकों ने घरेलू बाजारों से 168.71 करोड़ रुपये निकाले जबकि घरेलू निवेशकों ने 2,227.68 करोड़ रुपये की इक्विटी खरीदी।

प्याज की कीमतों में भारी गिरावट

- मंडी में 36 रुपये से घटकर 17 रुपये प्रति किलो हुआ दाम

नासिक ।

महाराष्ट्र के नासिक जिले की लासलगांव प्याज मंडी में हाल ही में प्याज की कीमतों में गिरावट देखी गई है। पिछले कुछ दिनों से प्याज की कीमतें मात्र 17 रुपये 25 पैसे प्रति किलो तक आ गई हैं, जो पहले 36 रुपये प्रति किलो थी। इस गिरावट से प्याज उत्पादक किसानों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। नासिक की लासलगांव मंडी में प्याज की आवक में भी इजाफा हुआ है, जिससे बाजार में 25,000 बोरी प्याज उपलब्ध हैं। दिसम्बर के महीने के लिए, प्याज के दाम में 700 रुपये से लेकर 2851 रुपये प्रति क्विंटल तक का अंतर है। प्रशासनिक स्तर पर प्याज उत्पादक किसान सरकार से मांग कर रहे हैं कि 20 फीसदी एक्सपोर्ट ड्यूटी को हटाया जाए ताकि उन्हें राहत मिल सके। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल से इस मुद्दे पर विचार किया है, लेकिन अब तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है। यह मुद्दा न केवल नासिक के किसानों के लिए बल्कि पूरे राज्य के किसानों के लिए भी महत्वपूर्ण है। उम्मीद है कि सरकार जल्दी से जल्दी इस मसले पर कदम उठाएगी और किसानों की समस्याओं का समाधान करेगी।

गिरगिट की तरह रंग बदलती है ईशा अंबानी की कार

- यह कार बेंटले बेंटायगा एसयूवी है, कीमत 4 करोड़ रुपए

मुंबई ।

एशिया के सबसे रईसों की सूची में शो मिल उद्योगपति मुकेश अंबानी की बेटी ईशा अंबानी हाल ही में मुंबई में एक लग्जरी कार में नजर आई हैं। यह कार बेंटले बेंटायगा एसयूवी है, जिसकी खास बात यह है कि यह कार धूप में अपना रंग बदलती है। ईशा अंबानी की यह कार बेहद खास है। हाल ही में जिस बेंटले बेंटायगा एसयूवी में ईशा अंबानी दिखी है, वह कार अभिनेता रणबीर कपूर के घर के सामने भी दिखाई दी थी। ईशा अंबानी की यह कार गिरगिट की तरह रंग बदलती है।

ईशा अंबानी की बेंटले बेंटायगा एसयूवी वैसे तो सफेद रंग की है, लेकिन यह कार छाया में काले या गहरे भूरे रंग की दिखाई देती है। वहीं सूरज की रोशनी में ये कार नीले, हरे और बैंगनी रंग की दिखाई देती है। दरअसल, इस कार में

ऐसे कण हैं, जो अलग अलग तरह की रोशनी में अलग अलग तरह से अपना रंग बदलते हैं। इसे कलर-शिफ्टिंग रैप कहा जाता है। ईशा अंबानी की बेंटले बेंटायगा एसयूवी की कीमत 4 करोड़ रुपये है।

इस कार का कलर-शिफ्टिंग रैप फीचर ही इस कार को और कारों से अलग और महंगा बनाता है।

सेविंग्स मामले में भारतीय दुनिया में चौथे नंबर पर

- भारत में बचत की दर 30.2 फीसदी है

नई दिल्ली । भारत में बचत का महत्व लंबे समय से बना हुआ है। आज भी भारत की बचत दर ग्लोबल एवरेज से ज्यादा है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार भारत में बचत की दर 30.2 फीसदी है, जो ग्लोबल औसत 28.2 फीसदी से भी ज्यादा है। इसमें गर्व की बात है कि भारत अब चौथे स्थान पर है। भारत से आगे चीन, इंडोनेशिया और रूस हैं। चीन की बचत दर 46.6 फीसदी, इंडोनेशिया की 38.1 फीसदी और रूस की 31.7 फीसदी है। घरेलू बचत में आर्थिक उछाल के साथ, भारतीय निवेशकों का विश्वास भी बढ़ रहा है। यह नहीं केवल अर्थव्यवस्था के विकास का संकेत है, बल्कि ऐसे निवेशकों की साख भी दर्शाता है जो समुदायिक विकास में योगदान करने के लिए उत्सुक हैं। साथ ही वित्तीय साधनों के विकल्प भी बढ़ते जा रहे हैं। म्यूचुअल फंड और इक्विटी निवेश हर दिन बढ़ते जा रहे हैं, जिससे घरेलू निवेशकों के पास अधिक विकल्प हो रहे हैं। इससे न केवल वित्तीय स्वतंत्रता बढ़ रही है, बल्कि अर्थव्यवस्था को भी नई ऊर्जा मिल रही है। रिपोर्ट के अनुसार उच्च बाजार पूंजीकरण और कंपनियों द्वारा जुटाई गई पूंजी में वृद्धि, दोनों ही भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक संकेत हैं।

भारत में कार्यालय स्थल की मांग मजबूत, रिकॉर्ड बढ़ोतरी: रिपोर्ट

देश में कार्यस्थल की मांग बढ़कर रिकॉर्ड 6.64 करोड़ वर्ग फुट के पार

नई दिल्ली ।

भारत में इस साल कार्यालय स्थल की मांग तेजी से बढ़ी है, जैसा कि एक रिपोर्ट ने दर्शाया है। छह प्रमुख शहरों में कार्यालय स्थल की मांग में 14 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और इसने रिकॉर्ड 6.64 करोड़ वर्ग फुट को पार कर दिया है। एक रियल एस्टेट सलाहकार के अनुसार 2023 कैलेंडर वर्ष में 'ग्रेड ए' कार्यालय स्थलों की मांग 5.82 करोड़ वर्ग फुट थी, जो इस साल की मांग से काफी ऊपर थी। भारत के छह प्रमुख कार्यालय बाजारों के आंकड़े जारी करने वाले रियल एस्टेट सलाहकार के अनुसार, बेंगलुरु में कार्यालय स्थलों की मांग 39 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 2.17 करोड़ वर्ग फुट तक पहुंच गई है। हैदराबाद में कार्यालयों की सकल मांग सालाना आधार पर 56 प्रतिशत बढ़कर 1.25 करोड़ वर्ग फुट तक पहुंची है, मुंबई में मांग 43 प्रतिशत बढ़कर एक करोड़ लाख वर्ग फुट हो गई है। हालांकि, दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और चेन्नई में मांग में गिरावट आई है। चेन्नई में कार्यालय स्थल की मांग 35 प्रतिशत घटकर 68 लाख वर्ग फुट हो गई है, दिल्ली-एनसीआर में यह 16 प्रतिशत घटकर 97 लाख वर्ग फुट रही है। प्रौद्योगिकी कंपनियों, इंजीनियरिंग और विनिर्माण कंपनियों के अलावा वित्तीय सेवा प्रदाताओं ने कार्यालय स्थल की इस बढ़ती मांग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

भारत सहित दुनिया के कई देशों पर है कर्ज

दुनिया का सबसे ताकतवर देश अमेरिका पर सबसे ज्यादा कर्ज, चीन दूसरे नंबर पर

मुंबई ।

दुनिया के कई देश कर्ज में फसे हुए हैं। इसमें दुनिया का सबसे ताकतवर देश अमेरिका भी शामिल है। साथ में भारत भी शामिल है। दरअसल, वर्ल्ड ऑफ स्टेटिस्टिक्स ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के हवाले से कर्ज वाले देशों की लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में सबसे टॉप पर अमेरिका का नाम है यानी अमेरिका के ऊपर सबसे ज्यादा कर्ज हैं। वहीं इस लिस्ट में दूसरे और तीसरे नंबर पर चीन और जापान हैं। वर्ल्ड ऑफ स्टेटिस्टिक्स द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार पूरी दुनिया के देशों पर कुल मिलाकर 102 ट्रिलियन डॉलर का कर्ज है। इस कर्ज में सबसे बड़ा हिस्सा अमेरिका का है। अमेरिका पर पूरे 36 ट्रिलियन डॉलर का कर्ज है। यह कर्ज पूरे कर्ज का 34.6 प्रतिशत है। चीन पर पूरे 14.69 ट्रिलियन का कर्ज है, जो पूरे कर्ज का 16.1 प्रतिशत है। इसके अलावा तीसरे स्थान पर जापान है, जिस पर कर्ज 10.80 ट्रिलियन डॉलर है। यह कुल कर्ज का 10 प्रतिशत है। इस लिस्ट में चौथा स्थान ब्रिटेन का है, जिस पर कुल 3.6 प्रतिशत का कर्ज है। इसके बाद लिस्ट में फ्रांस और इटली का नाम शामिल है। भारत

की बात करें तो भारत इस लिस्ट में 7वें स्थान पर है। भारत पर पूरे कर्ज का कुल 3.2 प्रतिशत हिस्सा है। इन देशों के अलावा इस लिस्ट में जर्मनी, ब्राजील, कनाडा जैसे देश भी शामिल हैं।

देश में पब्लिक ईवी चार्जर की कुल संख्या हुई 25,202

नई दिल्ली ।

देश में पब्लिक ईवी चार्जर की कुल संख्या 25,202 हो गई है। देश में पब्लिक इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) चार्जर की संख्या अब 25,000 के आंकड़े को पार कर चुकी है। देश के भारी उद्योग और इस्पात राज्य मंत्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा ने एक लिखित उत्तर में राज्यसभा को बताया कि कर्नाटक 5,765 पब्लिक ईवी चार्जिंग स्टेशनों के साथ पहले स्थान पर है। इसके बाद महाराष्ट्र 3,728 स्टेशनों के साथ दूसरे और उत्तर प्रदेश 1,989 स्टेशनों के साथ तीसरे स्थान पर है। भारत सरकार द्वारा ईवी के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं शुरू की गई हैं। भारी उद्योग मंत्रालय (एमएचआई) ने 29 सितंबर 2024 को पीएम इलेक्ट्रिक ड्राइव रिवोल्यूशन इन इनोवेटिव व्हीकल एन्हांसमेंट (पीएम ई-ड्राइव) योजना को नोटिफाई किया था, जिसका उद्देश्य इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने में तेजी लाना, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थापना करना और देश में ईवी मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम को बढ़ावा देना है।

इस योजना के लिए दो साल की अवधि में 10,900 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है, जिसमें से 2,000 करोड़ रुपये

सार्वजनिक ईवी चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना के लिए आवंटित किए गए हैं।

इसके अतिरिक्त, विद्युत मंत्रालय ने 17 सितंबर को इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थापना और संचालन के लिए दिशानिर्देश 2024 भी जारी किए थे, जिसमें देश में कनेक्टेड और इंटरऑपरेबल ईवी चार्जिंग नेटवर्क बनाने के लिए मानकों और प्रोटोकॉल की रूपरेखा तैयार की गई है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के वाहन पोर्टल के अनुसार, 4 दिसंबर तक देश में कुल 28,55,015 पंजीकृत इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन और 2,57,169 इलेक्ट्रिक चार पहिया वाहन हैं। भारतीय ईवी चार्जिंग मार्केट 2030 तक 3.7 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जिससे इस क्षेत्र में और विकास की संभावना जताई जा रही है। देश में ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की आवश्यकता इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रकार, चलने के पैटर्न, इलाके और शहरीकरण की स्थिति पर निर्भर करती है।

नए चेतक इलेक्ट्रिक स्कूटर लॉन्च

नई दिल्ली ।

भारतीय बाजार में बजाज ने अपने नए चेतक इलेक्ट्रिक स्कूटर को लॉन्च कर दिया है। बजाज चेतक की नई 35 सीरीज को एक नए प्लेटफॉर्म पर तैयार किया गया है। इसमें आधुनिक तकनीक और नए फीचर्स जोड़े गए हैं, जो उपयोगकर्ताओं के अनुभव को और भी समृद्ध बनाते हैं।

इस नई ईवी में कंपनी ने कई महत्वपूर्ण बदलाव और अपग्रेड्स किए हैं, जो इसे पहले से बेहतर बनाते हैं। चेतक इलेक्ट्रिक स्कूटर में 4.2 केडब्ल्यू (5.6 बीएचपी) की इलेक्ट्रिक मोटर दी गई है, जो इसे 73 किमी/घंटा की टॉप स्पीड देने में सक्षम है। स्कूटर में दो राइड मोड्स–इको और स्पोर्ट भी दिए गए हैं, जो राइडिंग को अलग-अलग जरूरतों के हिसाब से कस्टमाइज करने की सुविधा प्रदान करते हैं। इसमें रेट्रो-इंस्पायर डिज़ाइन को बनाए रखा गया है, लेकिन इसकी स्टाइलिंग में कुछ छोटे बदलाव किए गए हैं। इसके अलावा, नए कलर ऑप्शन भी पेश किए गए हैं।

टॉप-स्पेक 3501 वेरिएंट में नॉन-टच यूनिट की जगह अब एक टचस्क्रीन डैशबोर्ड दिया गया है। दिसंबर के अंत तक 3501 वेरिएंट की डिलीवरी शुरू कर दी जाएगी। इसकी कीमत 3503 वेरिएंट के लिए 1.20 लाख रुपये और 3502 वेरिएंट के लिए 1.27 लाख रुपये रखी गई है। इसमें टीएफटी कंसोल, स्मार्टफोन कनेक्टिविटी, म्यूजिक कंट्रोल, इंटीग्रेटेड मैप्स, जियो फेंसिंग जैसे सुविधाएं भी हैं। नई चेतक 35 सीरीज के लिए बुकिंग्स शुरू हो चुकी हैं और यह देशभर के 200 से ज्यादा डीलरशिप पर उपलब्ध है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आधिकारिक शेड्यूल जारी, जानें कब होगा भारत-पाक मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने मंगलवार को आखिरकार चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आधिकारिक शेड्यूल घोषित कर दिया। हाइब्रिड मॉडल में आयोजित होने वाले इस एलीट टूर्नामेंट की शुरुआत 19 फरवरी को कराची में पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच मैच से होगी। भारत अपने सभी मैच दुबई में खेलेगा और चैंपियंस ट्रॉफी का अपना पहला मैच 20 फरवरी को दुबई में खेलेगा।

आठ प्रतिस्पर्धी टीमों को दो समूहों में विभाजित किया गया है। ग्रुप ए में पाकिस्तान, भारत, न्यूजीलैंड, बांग्लादेश हैं जबकि ग्रुप बी में दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान, इंग्लैंड हैं। भारत 23 फरवरी को दुबई में पाकिस्तान से खेलेगा। ढृष्ट्ष्ट ने कहा कि 8 टीमों के इस टूर्नामेंट में 15 मैच होंगे और ये मैच पाकिस्तान और दुबई में खेले जाएंगे। पाकिस्तान में रावलपिंडी, लाहौर और कराची तीन स्थान होंगे जहां टूर्नामेंट खेला जाएगा। प्रत्येक पाकिस्तानी स्थल पर तीन-तीन ग्रुप गेम खेले जाएंगे, जिसमें लाहौर दूसरे सेमीफाइनल की मेजबानी करेगा।

लाहौर 9 मार्च को फाइनल की मेजबानी भी करेगा, जब तक कि भारत क्वालीफाई नहीं कर लेता। भारत के फाइनल में क्वालीफाई के बाद यह दुबई में खेला जाएगा।

सेमीफाइनल और फाइनल दोनों में रिजर्व दिन होंगे। भारत के तीन ग्रुप मैच और पहला सेमीफाइनल दुबई में खेला जाएगा।

ग्रुप

ग्रुप ए : पाकिस्तान, भारत, न्यूजीलैंड, बांग्लादेश
ग्रुप ए : दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान, इंग्लैंड

चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम का शेड्यूल

20 फरवरी, बांग्लादेश बनाम भारत, दुबई
23 फरवरी, पाकिस्तान बनाम भारत, दुबई
2 मार्च, न्यूजीलैंड बनाम भारत, दुबई

चैंपियंस ट्रॉफी का पूरा शेड्यूल

19 फरवरी, पाकिस्तान बनाम न्यूजीलैंड, कराची, पाकिस्तान
20 फरवरी, बांग्लादेश बनाम भारत, दुबई
21 फरवरी, अफगानिस्तान बनाम दक्षिण अफ्रीका, कराची, पाकिस्तान
22 फरवरी, ऑस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड, लाहौर, पाकिस्तान
23 फरवरी, पाकिस्तान बनाम भारत, दुबई
24 फरवरी, बांग्लादेश बनाम न्यूजीलैंड, रावलपिंडी, पाकिस्तान
25 फरवरी, ऑस्ट्रेलिया बनाम दक्षिण अफ्रीका, रावलपिंडी, पाकिस्तान
26 फरवरी, अफगानिस्तान बनाम इंग्लैंड, लाहौर, पाकिस्तान
27 फरवरी, पाकिस्तान बनाम बांग्लादेश, रावलपिंडी, पाकिस्तान
28 फरवरी, अफगानिस्तान बनाम ऑस्ट्रेलिया, लाहौर, पाकिस्तान
1 मार्च, दक्षिण अफ्रीका बनाम इंग्लैंड, कराची, पाकिस्तान
2 मार्च, न्यूजीलैंड बनाम भारत, दुबई
4 मार्च, सेमीफाइनल 1, दुबई
5 मार्च, सेमीफाइनल 2, लाहौर, पाकिस्तान
9 मार्च, फाइनल, लाहौर (भारत के क्वालीफाई करने पर दुबई में)
10 मार्च, रिजर्व डे

आधुनिक समय के महान खिलाड़ी अपना रास्ता खुद बनाते हैं : रोहित ने कोहली का समर्थन किया

मेलबर्न (एजेंसी)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया में ऑफ स्टंप के बाहर की गेंदों पर विराट कोहली के संघर्ष को लेकर चिंताओं को ज्यादा तवज्जो नहीं देते हुए टीम में लंबे समय के अपने साथी का पूर्ण समर्थन करते हुए मंगलवार को कहा, 'आधुनिक समय के महान खिलाड़ी अपने रास्ते को खुद तय कर लेते हैं।'

ऑस्ट्रेलिया के इस दौरे पर कोहली ने पांच पारियों में 5, 100 नाबाद, 7, 11 और तीन रन बनाए है। इस दौरान उनका औसत 31.50 रन का रहा है। खुद भी खराब दौर से गुजर रहे रोहित को लय हासिल करने की उम्मीद है। जब उनसे कोहली के संघर्षों के बारे में सवाल पूछा गया तो चेहरे पर मुस्कान के साथ इसका जवाब दिया।

जब एक पत्रकार ने रोहित से पूछा कि खराब दौर से गुजर रहे मौजूदा युग के किसी महान खिलाड़ी को आप सलाह देना पसंद करेंगे या उनके हालात पर छोड़ देंगे। भारतीय कप्तान ने कहा, 'आप ने ही कहा कि वह मौजूदा दौर के महान खिलाड़ी है। मौजूदा दौर के महान खिलाड़ी अपना रास्ता खुद तय कर लेते हैं।'

कोहली एमसीजी में नेट अभ्यास सत्र में भाग लेने वाले सबसे शुरुआती बल्लेबाजों में से एक थे और रोहित प्रमुख बल्लेबाजों में सबसे आखिरी में अभ्यास करने पहुंचे। भारतीय कप्तान ने आखिरी 20 मिनट में सिर्फ दो शॉट खेले और बाकी गेंदों को विकेट के पीछे जाने दिया। वह गेंद पर आक्रमण करने की अपनी नैसर्गिक प्रवृत्ति को नियंत्रित करने की कोशिश करते दिखे।'

अभ्यास के दौरान रोहित गेंदबाजों खासकर हर्षित राणा और प्रसिद्ध कृष्णा से चौथे स्टंप की लाइन में गेंदबाजी करने को कहा। इस दौरान वहां लगभग 500 की संख्या में मौजूद प्रशंसकों में से किसी ने कहा, 'रोहित भाई पुल मारो ना।' रोहित से जब उनकी बल्लेबाजी क्रम के बारे में पूछा गया तो उन्होंने थोड़ा चिढ़ते हुए कहा, 'इसके बारे में चिंता न करें। मुझे लगता है कि कौन कहां बल्लेबाजी करेगा इस बारे में हमें टीम के अंदर चर्चा करनी चाहिए। मुझे हर संवाददाता सम्मेलन में इस सवाल का जवाब नहीं देना चाहिए।'

टीम में अक्षर पटेल और कुलदीप यादव की जगह तनुष कोटियान के चयन के बारे में पूछे जाने पर भारतीय कप्तान ने एक बार फिर चुटिले अंदाज में जवाब दिया। उन्होंने चेहरे पर बड़ी मुस्कान के साथ कहा, 'कुलदीप के पास वीजा नहीं है।' रोहित ने फिर बताया कि कुलदीप चोट से पूरी तरह से उबरे नहीं है। उन्होंने कहा, 'अक्षर अभी पिता बने हैं। मैं यह नहीं कह रहा हूं तनुष बुरा गेंदबाज है लेकिन वह यहां विकल्प के तौर पर है।' पांच मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबरी पर है और इसके आखिरी दो मैच मेलबर्न और सिडनी में होंगे।

बेन स्टोक्स 3 महीने के लिए क्रिकेट से रहेंगे दूर, न्यूजीलैंड के खिलाफ चोट के कारण होगी सर्जरी

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स को बाएं हैमस्ट्रिंग की सर्जरी करानी होगी और वे कम से कम तीन महीने तक क्रिकेट के सभी प्रारूपों से बाहर रहेंगे। रिपोर्ट के अनुसार 33 वर्षीय स्टोक्स को इस महीने की शुरुआत में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन गेंदबाजी करते समय चोट लगी थी। इस साल यह दूसरी बार है जब स्टोक्स की बाएं हैमस्ट्रिंग में चोट लगी है, इससे पहले अगस्त में द हंड्रेड में खेलते समय भी उन्हें यही चोट लगी थी।

इंग्लैंड ने कहा कि डरहम के ऑलराउंडर स्टोक्स की जनवरी में सर्जरी होगी। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने जारी एक बयान में कहा है कि बेन स्टोक्स जनवरी में हैमस्ट्रिंग की सर्जरी करवाएंगे। इसके बाद वह रिहैब की प्रक्रिया के कारण कम से कम तीन महीने के लिए क्रिकेट से दूर रहेंगे।

स्टोक्स ने एक्स पर पोस्ट किया, 'मेरे पास अभी बहुत कुछ बचा है और अपनी टीम और इस शर्ट के लिए मुझे बहुत खून, पसीना और आंसू बहाने हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'एक कारण है कि मेरे शरीर पर हमेशा के लिए फीनिक्स का टैटू गुदवा लिया गया है।' चोट के कारण स्टोक्स को भारत के व्हाइट-बॉल दौरे और जनवरी और फरवरी में चैंपियंस ट्रॉफी के लिए इंग्लैंड की टीम में शामिल नहीं किया गया था। उन्हें जनवरी में दक्षिण अफ्रीका की फ्रैंचाइजी टी20 लीग SA20 में MI केप टाउन के लिए खेलना था, लेकिन अब वे टूर्नामेंट से बाहर हो जाएंगे।

स्टोक्स काउंटी चैंपियनशिप के पहले दौर के लिए फिर से फिट होने का लक्ष्य रखेंगे, जिसमें 4 अप्रैल को डरहम का सामना नॉटिंघमशायर से ट्रेंट ब्रिज में होगा, हालांकि यह सर्जरी से उनकी रिकवरी पर निर्भर करेगा। स्टोक्स ने अपने करियर को लंबा करने के लिए मार्च से मई तक होने वाली 2025 इंडियन प्रीमियर लीग की नीलामी में प्रवेश करने से इनकार कर दिया।

बाहर की गेंद छोड़कर: मैथ्यू हेडन ने भी दे दी विराट कोहली को सलाह

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज मैथ्यू हेडन ने विराट कोहली से सिडनी में सचिन तेंदुलकर की अनुशासित पारी से प्रेरणा लेने और बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के शेष दो टेस्ट मैच में फॉर्म हासिल करने के लिए ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद पर प्रहार करने की अपनी प्रवृत्ति पर लगाम लगाने को कहा है। कोहली ने अपनी पिछली पांच पारियों में 05, नाबाद 100, 07, 11 और 03 रन के स्कोर से 31.50 की औसत से केवल 126 रन बनाए हैं।

हेडन ने कहा कि शानदार जीत हो सकती थी, हार हो सकती थी, स्पिन के अनुकूल हालात हो सकते थे, मेरा मतलब है, आप सैकड़ों अलग-अलग क्षेत्रों की सूची बना सकते हैं, जहां विराट कोहली ने अपने शानदार करियर के दौरान बल्लेबाजी की होगी। उन्होंने कहा कि लेकिन मेलबर्न में उसे बल्लेबाजी के लिए अच्छा विकेट मिलेगा। उन्हें बस इतना करना है कि क्रीज पर बने रहने का तरीका खोजना है। ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद पर प्रहार करने से बचना होगा। और मेरा सुझाव है - वह थोड़ा और गेंद की लाइन में आएं और सीधे शॉट खेलने का प्रयास करें।

हेडन ने 2004 के सिडनी टेस्ट के दौरान तेंदुलकर की नाबाद 241 रन की ऐतिहासिक पारी का उदाहरण देते

हुए बताया कि कैसे आत्मसंयम से चीजें बदल सकती हैं। उन्होंने कहा कि मुझे पता है कि उसके (कोहली) पास एक शानदार कवर ड्राइव है लेकिन सचिन तेंदुलकर के पास भी था और उसने इसे एक दिन के लिए दूर रखा। मैं गली में खड़ा होकर सोच रहा था कि यह शानदार, जिद से भरी बल्लेबाजी है। तेंदुलकर ने 2004 के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान खराब फॉर्म से जूझते हुए क्रीज पर बिताए 613 मिनटों के दौरान अपने ऑफ-साइड ड्राइव से पूरी तरह बचते हुए उल्लेखनीय आत्मसंयम और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया।

बल्लेबाजी के दौरान क्रीज पर शुरुआती आधे घंटे सतर्क रहे : गावस्कर की पंत को सलाह

मेलबर्न । महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मौजूदा बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के शेष दो टेस्ट मैचों में आक्रामक स्ट्रोक खेलने से पहले परिस्थितियों का 'सम्मान' करने की सलाह दी है। ऑस्ट्रेलिया के पिछले दौरे पर गाबा में मैच जिताऊ पारी खेलने के साथ भारत की श्रृंखला जीत के नायकों में शामिल रहे पंत मौजूदा दौरे पर अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित करने में नाकाम रहे हैं। इस 27 साल के खिलाड़ी ने अब तक तीन टेस्ट मैचों की पांच पारियों में 37, एक, 21, 28 और नौ का स्कोर बनाया है। अपने आक्रामक रवैये के लिए जाने जाने वाले पंत ज्यादातर मौके पर मैच की स्थिति की परवाह किए बिना आक्रामक शॉट खेलने को प्राथमिकता दी है। पांच मैचों की मौजूदा श्रृंखला में एडीलेड में खेले गये दिन-रात्रि टेस्ट में अपनी पारी की पहली ही गेंद पर तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड के खिलाफ आक्रामक शॉट खेलने के उनके साहसिक फैसले ने काफी ध्यान आकर्षित किया था। गावस्कर ने कहा, 'ऋषभ पंत को वही करने की जरूरत है जो सभी के लिए जरूरी है। शुरुआती आधे घंटे का सम्मान करें। क्रीज पर पहुंचने के बाद चाहे जैसी भी परिस्थिति हो सावधानी से बल्लेबाजी करते हुए थोड़ा समय बिताये। अगर भारतीय टीम का स्कोर तीन विकेट पर 525 रन के आसपास हो तो वह अपने तरीके से बल्लेबाजी कर सकते हैं।' पंत के लिए ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों की चुनौती के बारे में उन्होंने कहा, 'वे एक कोण से गेंदबाजी करते है। पैट कमिंस और यहां तक कि (जोश) हेजलवुड भी ऐसी गेंदों से उन्हें परेशान करते हैं। स्कॉट बोलैंड से उन्हें थोड़ी परेशानी होगी क्योंकि बोलैंड भी उस क्षेत्र के आसपास गेंदबाजी करते हैं।'

खेल रत्न विवाद पर मनु भाकर ने चुप्पी तोड़ी, नामांकन दाखिल करने में मेरी तरफ से चूक हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक की दोहरी कांस्य पदक विजेता मनु भाकर ने खेल रत्न पुरस्कार विजेताओं की सूची से उन्हें बाहर रखे जाने को लेकर उठे विवाद के बीच मंगलवार को स्वीकार किया कि इस साल के राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों के लिए नामांकन दाखिल करते समय शायद उनकी ओर से कोई चूक हुई है।

खेल मंत्रालय ने नुकसान की भरपाई के लिए कदम उठाते हुए कहा था कि पुरस्कार के लिए नामांकन की सूची को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है जिसके एक दिन बाद 22 वर्षीय स्टार पिस्टल निशानेबाज ने देश के सर्वोच्च खेल पुरस्कार के लिए नामांकन नहीं मिलने पर सोशल मीडिया पर अपनी स्थिति स्पष्ट की। मनु ने 'एक्स' पर लिखा, 'सबसे प्रतिष्ठित खेल रत्न पुरस्कार के लिए मेरे नामांकन को लेकर चल रहे मुद्दे के संबंध में मैं यह कहना चाहूंगी कि एक खिलाड़ी के रूप में मेरी भूमिका अपने देश के लिए खेलना और प्रदर्शन करना है।'

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि नामांकन दाखिल करते समय शायद मेरी ओर से कोई चूक हुई है जिसे ठीक किया जा रहा है।' हरियाणा की इस निशानेबाज ने कहा कि उनका लक्ष्य देश के लिए प्रदर्शन करना है और इसमें बदलाव नहीं आएगा, फिर चाहे उन्हें पुरस्कार मिले या नहीं। इससे पहले उनके निजी जसपाल राणा और पिता रामकिशन भाकर ने खेल मंत्रालय और चयन समिति पर उनकी शानदार उपलब्धियों के बावजूद उन्हें नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'पुरस्कार और मान्यता मुझे प्रेरित करते हैं, लेकिन ये मेरा लक्ष्य नहीं हैं।'

मनु ने कहा, 'पुरस्कार मिले या नहीं, मैं अपने देश के लिए और अधिक पदक जीतने के लिए प्रेरित रहूंगी। सभी से अनुरोध है कि कृपया इस पर अटकलें न लगाएं।' राणा और रामकिशन ने खेल मंत्रालय और चयन समिति पर उनकी शानदार उपलब्धियों के बावजूद उन्हें नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। हालांकि खेल मंत्रालय के अनुसार सूची को अभी अंतिम रूप दिया जाना बाकी है।

खेल मंत्रालय ने कहा कि कुछ दिनों में जब नामों का खुलासा होगा तो उनका नाम उसमें शामिल होने की संभावना है। विश्वसनीय रूप से पता चला है कि पुरुष हॉकी कप्तान हरमनप्रीत सिंह और पैरालंपिक स्वर्ण विजेता ऊंची कूद खिलाड़ी प्रवीण कुमार को खेल रत्न के लिए चुना गया है। इसके अलावा 30 अर्जुन पुरस्कार विजेताओं के नाम शामिल है जिसमें 17 पैरा खेलों से हैं।

पुरस्कार चयन समिति के अध्यक्ष उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति वी रामसुब्रमण्यम हैं और इसमें पूर्व महिला हॉकी कप्तान रानी रामपाल, मुक्केबाज विजेंदर सिंह और पूर्व महान क्रिकेटर अनिल कुंबले भी शामिल हैं। समिति को उन लोगों के नाम पर विचार करने का अधिकार है जिन्होंने आवेदन किया हो। लेकिन यदि आवश्यक हो

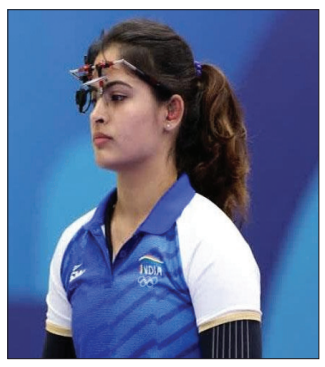

तो समिति उन नामों पर चर्चा करने के लिए भी अधिकृत है जो उस सूची में शामिल नहीं हैं। मनु ओलंपिक के एक ही सत्र में दो पदक जीतने वाली स्वतंत्र भारत की पहली खिलाड़ी हैं। उन्होंने पेरिस में 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत और 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम (सरबजोत सिंह के साथ) स्पर्धाओं में कांस्य पदक जीते।

सीनियर महिला वन-डे ट्रॉफी : शेफाली के शतक के बाद भी हारी हरियाणा

मुम्बई । शैफाली वर्मा की 197 रनों की शानदार पारी के बाद भी उनकी टीम को सीनियर महिला वन-डे ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में बंगाल के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में शेफाली ने 115 गेंदों पर 11 छक्के, 22 चौके लगाकर 197 रन बनाये। शैफाली की आक्रामक शतकीय पारी से हरियाणा ने 50 ओवर में 390 रन बना दिये। आजकल भारतीय टीम से बाहर चल रही शैफाली ने अपनी इस पारी से एक बार फिर चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा है। शैफाली ने अब अपनी आतिशी पारी से साबित कर दिया वह उसने लय हासिल कर ली है। शैफाली का टी20ई करियर शानदार रहा है, पर एकदिवसीय में वह अब तक खास उपलब्धि हासिल नहीं कर पायी हैं। साल 2021 में अपने पदार्पण के बाद से उन्होंने 25 मैच खेले हैं पर 23.00 की औसत से केवल 644 रन ही बनाए हैं। 2023 के अंत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में फ्लॉप रही जिसके बाद उन्हें टीम में स्थान गंवाना पड़ा था। शैफाली ने अबतक 85 टी20 मैच खेलकर 2,000 से ज्यादा रन बनाये हैं और 10 अर्द्धशतक लगाये हैं। मैच की बात की जाए तो हरियाणा ने रीमा के 58, शैफाली वर्मा के 197, त्रिवेणी के 46 तो सोनिया के 41 गेंदों पर 61 रनों की बदौलत 389 रन बनाए थे। इसके बाद बंगाल ने भी इसी अंदाज में जवाब दिया। धारा ने 49 गेंदों पर 69 रन जबकि मंडल ने 29 गेंदों पर 52 रन बनाए। इसके बाद टी सरकार ने 83 गेंदों पर 20 चौकों की मदद से 113 रन बनाये। मध्यक्रम में पी बाला ने 81 गेंदों पर 88 रन बनाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

नए साल में खेली जाएगी एसए-20 क्रिकेट लीग

जोहांसबर्ग,(ईएमएस)। अफ्रीकी क्रिकेट लीग एसए-20 का आयोजन पहले दो सत्र में अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के साथ ही किया गया था पर इस बार यह लीग नए साल में होने वाले टेस्ट मैच के बाद खेली जाएगी। दक्षिण अफ्रीका की राष्ट्रीय टीम में शामिल खिलाड़ी भी इसमें भाग ले सकें। प्रतियोगिता के तीसरे सत्र में भारत के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक भी इसमें खेलेंगे। वह इस लीग में इसमें खेलने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बनेंगे। पूर्व क्रिकेटर ग्रीम स्मिथ ने कहा है कि एसए20 इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बाद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी लीग बनने की राह पर है। स्मिथ एसए20 लीग के आयुक्त हैं और उनका लीग को इस स्तर तक आने में विशेष योगदान रहा है। स्मिथ ने कहा, ''यह कहना सही नहीं लगता कि आप दुनिया की दूसरे नंबर की लीग बनना चाहते हैं पर सच्चाई यही है कि आईपीएल का कोई जवाब नहीं है। वह अविश्वसनीय टूर्नामेंट है जिसने क्रिकेट को बदल कर रख दिया'' उन्होंने कहा, ''हम भाग्यशाली हैं कि हमने आईपीएल की छह फ्रेंचाइजी को अपनी तरफ आकर्षित किया है। हमने एसए20 को आगे बढ़ाने के लिए बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) के साथ मिलकर काम किया। हमें उनसे काफी कुछ सीखने को मिला।'' कार्तिक इस टूर्नामेंट में पार्ल रॉयल्स के लिए खेलेंगे। वह लीग के भारत के दूत भी हैं। उन्होंने कहा कि इस साल की शुरुआत में सभी प्रारूपों से संन्यास लेने के बाद एसए20 सबसे अच्छी प्रतियोगिता थी जिसमें वह भाग ले सकते थे। कार्तिक ने कहा, ''जब मैंने आईपीएल के बाद संन्यास लेने की घोषणा की तो तब भी मैं क्रिकेट खेलना जारी रखना चाहता था। मैं सोच रहा था कि मेरे लिए क्या विकल्प है और इसका पता कैसे करना है क्योंकि मैं कभी किसी अन्य लीग का हिस्सा नहीं रहा।'' उन्होंने कहा, ''मैंने उन खिलाड़ियों से पूछा जो अन्य लीग का हिस्सा रहे हैं और एक बात जो सर्वसम्मति से सामने आई, वह यह थी कि एसए20 अभी आईपीएल के बाद सबसे बेहतर टूर्नामेंट है।

अश्विन की जगह लेंगे तनुष कोटियन

मेजबर्न । भारतीय टीम गुरुवार से यहां मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वोले बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच में एक बड़े बदलाव के साथ उतरेगी। इस मैच में ऑफ स्पिन ऑलराउंडर तनुष कोटियन को आर अश्विन की जगह पर शामिल किया गया है। पहले कहा जा रहा था कि तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएंगे पर बाद में तनुष को भेजने की बात सामने आयी। इससे पहले बीसीसी की मेडिकल टीम ने साफ कर दिया था कि शमी चोटिल हैं और वो ऑस्ट्रेलिया दौरे पर नहीं जाएंगे। इसी के साथ बीसीसीआई ने तनुष कोटियन के टीम में शामिल करने की भी पुष्टि कर दी। अश्विन की तरह ही तनुष भी गेंदबाजी के साथ ही अच्छी बल्लेबाजी भी करते हैं। तनुष कोटियन मुंबई की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलते हैं। उन्होंन भारतीय अंडर 19 टीम से भी खेला है। भारत-ए के हाला के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी वह टीम का हिस्सा थे। इस क्रिकेटर ने आईपीएल 2024 में राजस्थान रॉयल्स के लिए एक मुकाबला भी खेला था हालांकि आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में उन्हें किसी ने नहीं खरीदा था। कोटियन ने 2018-19 के रणजी सत्र के जरिए फर्स्ट क्लास डेब्यू किया था। उन्होंने अब तक 33 फर्स्ट क्लास मैचों में 25.70 के औसत से 101 विकेट हासिल किए हैं. इस दौरान उन्होंने 3 मौकों पर पारी में 5 विकेट लिए. बल्लेबाजी की बात करें तो तनुष ने 41.21 के औसत से 1525 रन बनाए हैं। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में कोटियन ने 2 शतक और 13 अर्धशतक लगाए हैं। उन्होंने 20 लिस्ट-ए और 33 टी20 मुकाबले भी खेले हैं। लिस्ट-ए मैचों में कोटियन के नाम पर 43.60 की औसत से 20 विकेट दर्ज हैं. वहीं टी20 मैचों में उन्होंने 20.03 के एवरेज से 33 विकेट लिए हैं।

15 साल के ग्रांड मास्टर सव्वा बने 11वें सनवे सिट्जस इंटरनेशनल शतरंज के विजेता

सिट्जस (एजेंसी)। लंबे समय तक शतरंज का सरताज रहे रूस को अगली पीढ़ी का नया सितारा मिलता नजर आ रहा है। 15 वर्षीय ग्रांड मास्टर सव्वा वेटोखिन ने 11वें सनवे सिट्जस इंटरनेशनल शतरंज का खिताब टाईब्रेक मुक़ाबले में इज़राइल के इदों गोर्शटेन को पराजित करते हुए यह प्रतिष्ठित खिताब हासिल किया 15 वर्षीय सव्वा इस ख़िताबी जीत के साथ अब लाइव रेटिंग में 2550 के करीब पहुँच गए है। 10 राउंड के इस टूर्नामेंट में 10 क्लासिकल राउंड के बाद फीडे के झंडे तले खेल रहे सव्वा और इज़राइल के इदों के बीच 8 अंको पर पहले और दूसरे स्थान के लिए टाई था जबकि तीसरे स्थान के लिए 7.5 अंको पर 6 खिलाड़ियों के बीच जिसमें भारत के इलामपारथी भी शामिल थे के बीच टाईब्रेक मुक़ाबला खेला गया। प्रतियोगिता के नियमों के अनुसार इन खिलाड़ियों के बीच टाईब्रेक को तोड़ने के लिए ब्लिट्ज़ मुक़ाबले खेले गए।

पहले स्थान के लिए हुए टाईब्रेक में सव्वा नें 1.5-0.5 के अंतर से जीत दर्ज करते हुए पहला स्थान हासिल किया, उन्होने पहला मुक़ाबला जीता जबकि दूसरा मुक़ाबला ड्रॉ खेलते हुए ख़िताबी विजय सुनिश्चित की। सव्वा के खेल जीवन का अब तक का यह सबसे बड़ा खिताब है। चेसबेस इंडिया से बातचीत करते हुए सव्वा नें कहा की आठवें राउंड में उनकी टॉप सीड आलेक्सींकों किरिल पर जीत उनके लिए बेहद खास रही और वह भविष्य में गुकेश की तरह विश्व चैम्पियन बनना चाहते है।

तीसरे स्थान के लिए टाईब्रेक के मुक़ाबले में चीन के ली डी नें सिंगापुर के टिन जिंगायों को पराजित करते हुए तीसरा स्थान हासिल किया, सव्वा को 5000 यूरो, इदों को 3000 यूरो और ली डी को 1500 यूरो का पुरुष्कार मिला। साथ ही सव्वा का नाम टूर्नामेंट की प्रतिष्ठित ट्रॉफी में भी विजेता के तौर पर शामिल किया गया और यह काम खुद उनसे ही कराया गया।

शीर्ष 10 खिलाड़ियों में महदी घोलामी ईरान, जुलेस मोस्सार्ड और मार्क अंदरिया फ्रांस, भारत के इलामपारथी, जॉर्जिया के लूका किलद्ज़े और आस्ट्रिया के किरिल आलेक्सींकों शामिल रहे।

ईरान की मोबिना अलिनासेब नें सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का खिताब अपने नाम किया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्रिसमस एक ऐसा त्यौहार है जिसे शायद दुनिया के सर्वाधिक लोग पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं. आज यह त्यौहार विदेशों में ही नहीं बल्कि भारत में भी समान जोश के साथ मनाया जाता है. भारत की विविधतापूर्ण संस्कृति के साथ क्रिसमस का त्यौहार भी पूरी तरह घुल-मिल गया है. सदियों से यह त्यौहार लोगों को खुशियां बांटता और प्रेम और सौहार्द की मिसाल कायम करता रहा है.

क्रिसमस पर्व की खास परंपराएं, जिनके बिना अधूरा है क्रिसमस

कहते हैं कि यीशु का जन्म 25 दिसंबर 6 ईसा पूर्व हुआ था। इसीलिए हर वर्ष 25 दिसंबर को जीसस क्राइस्ट के जन्म दिवस को क्रिसमस पर्व के रूप में मनाया जाता है। आओ जानते हैं इस त्योहार की 15 खास परंपराएं, जिनके बिना अधूरा है यह फेस्टिवल।

- **गोशाला** : क्रिसमस के दिन चर्च में ईसा के जन्म की झांकी बनाई जाती है जिसमें गौशाला बनाकर उसमें बालक येशु को मदर मैरी के साथ दर्शाया जाता है।
- **क्रिसमस ट्री** : सदाबहार क्रिसमस वृक्ष डगलस, बालसम या फर का पौधा होता है जिस पर सजावट की जाती है। क्रिसमस ट्री को रिबन, गिफ्ट, घंटी और लाइट्स लगाकर सजाया जाता है।
- **सैंटा क्लॉज** : मान्यता अनुसार सैंटा क्रिसमस के दिन स्वर्ग से आकर बच्चों के लिए टॉफियां, चॉकलेट, फल, खिलौने व अन्य उपहार बांटकर वापस स्वर्ग में चले जाते हैं। सैंटा क्लॉज चौथी शताब्दी में मायरा के निकट एक शहर में जन्मे थे। उनका नाम निकोलस था। अब लोग उन्हीं के भेष में बच्चों को गिफ्ट देते हैं।
- **गिफ्ट देना** : परंपरा से अब सिर्फ सांता ही उपहार नहीं देते हैं बल्कि क्रिसमय पर लोग एक दूसरे को उपहार देते हैं। कई लोग सैंटा का भेष धारण करके बच्चों को टॉफियां, चॉकलेट, फल, खिलौने व अन्य उपहार बांटते हैं।
- **जिंगल बेल** : गिरजाघरों में पारंपरिक तरीके से ईसा मसीह के लिए गाए जा रहे भक्ति गीत के अलावा 'जिंगल बेल्स', 'ओह होली नाइट' और 'सैंटा क्लॉज इज कमिंग टु टाउन' सरीखे गानों से भी माहौल खुशनुमा हो जाता है।
- **क्रिसमस कार्ड** : कहते हैं कि सर्वप्रथम क्रिसमस कार्ड विलियम एंगले द्वारा सन? 1842 में अपने दोस्तों को भेजा था। बाद में यह कार्ड महारानी विक्टोरिया को दिखाया गया। इससे खुश होकर उन्होंने अपने चित्रकार डोबसन को बुलाकर शाही क्रिसमस कार्ड बनवाने के लिए कहा और तब से क्रिसमस कार्ड की शुरुआत हो गई।
- **स्वादिष्ट पकवान** : कई पश्चिम देशों में स्मोक्ड टर्की, फ्रुअ केक, विगिल्ला, जेली पुडिंग, टुररॉन आदि को बनाना पसंद किया जाता है। भारत में भी कई तरह के स्वादिष्ट पकवान बनाए जाते हैं। क्रिसमस पर हर देश में अलग परम्परागत भोजन भी बनता है। कुछ लोग दूध और कुकीज के रुप में सैंटा के लिये भोजन रखते हैं।
- **क्रिसमय पुडिंग** : पुडिंग बनाने की परंपरा 1970 में प्रारंभ हुई। यह आलू बुखारे से दलिया जैसा व्यंजन बनाया जाता है। बाद में मांस, शराब और रोटी मिलाकर पुडिंग बनाने की परंपरा प्रारंभ हुई।
- **रिंगिंग बेल्स** : क्रिसमस के दिन घंटी को बजाने का भी रिवाज है जिसे रिंगिंग बेल कते हैं। यह बेल सदियों में सूर्य के लिए भी बजाई जाती है और खुशियों के लिए भी। मान्यता है कि घर को घंटियों से सजाने से नकारात्मक ऊर्जा दूर हो जाती है।
- **प्रार्थना** : इस दिन चर्च में विशेष तौर पर सामूहिक प्रार्थना भी की जाती है। इस दिन लोग चर्च जाते हैं और क्रिसमस कैरोल (धार्मिक गीत) गाते हैं।
- **मोजे लटकाना** : संत निकोलस के काल में बच्चे मौजे लटका देते थे ताकि सैंटा उसमें टॉफियां या तोहफे रख सके। हलांकि आज भी कई जगहों पर यह किया जाता है ताकि सैंटा क्लॉज आ सकें और उनमें अपने उपहार डाल सकें।
- **नए वस्त्र** : इस दिन लाल और हरे रंग का अत्यधिक उपयोग होता है क्योंकि लाल रंग जामुन का होता है और यह ईसा मसीह के खून का प्रतीक भी है। इसमें हरा रंग सदाबहार परंपरा का प्रतीक है।
- **पिकनिक** : क्रिसमय की 10 दिन की छुट्टियों के दौरान लोग या तो अपने पैत्रक घर, नाना नानी या दादा दादी के घर जाकर क्रिसमय मनाते हैं। कुछ लोग समुद्र के तट पर जाकर क्रिसमस का आनंद लेते हैं।
- **मोमबत्तियां** : क्रिसमय पर गिरजाघरों में जाकर लोग ईसा मसीह और मदर मैरी की मूर्ति के समक्ष मोमबत्तियां जलाकर अपनी खुशी का इजहार करते हैं। मान्यता है कि अलग-अलग रंगों की मोमबत्तियां जलाने से जीवन में खुशियां और सफलता आती हैं।
- **केक** : ईसा मसीह के जन्मदिन पर खुशियां बांटने के लिए केक खाया जाता है और लोगों को बांटा जाता है।

अनेक बाधाओं से जूझने के बाद मिली क्रिसमस को मान्यता

सामान्यत: 25 दिसंबर को ईसा मसीह का जन्मदिवस माना जाता है और उसी रूप में क्रिसमस का आयोजन होता है परंतु प्रारंभ में स्वयं धर्माधिकारी भी इस रूप में इस दिन को मान्यता देने के लिए तैयार नहीं थे। यह वास्तव में रोमन जाति के एक त्योहार का दिन था, जिसमें सूर्यदेवता की आराधना की जाती थी। यह माना जाता था कि इसी दिन सूर्य का जन्म हुआ। उन दिनों सूर्य उपासना रोमन सम्राटों का राजकीय धर्म हुआ करता था। बाद में जब ईसाई धर्म का प्रचार हुआ तो कुछ लोग ईसा को सूर्य का अवतार मानकर इसी दिन उनका भी पूजन करने लगे मगर इसे उन दिनों मान्यता नहीं मिल पाई। प्रारंभ में तो ईसाइयों में इस प्रकार के किसी पर्व का सार्वजनिक आयोजन होता ही नहीं था। चौथी शताब्दी में उपासना पद्धति पर चर्चा शुरू हुई और पुरानी लिखित सामग्री के आधार पर उसे तैयार किया गया। 360 ईस्वी के आसपास रोम के एक चर्च में ईसा मसीह के जन्मदिवस पर प्रथम समारोह आयोजित किया गया, जिसमें स्वयं पोप ने भी भाग लिया मगर इसके बाद भी समारोह की तारीख के बारे में मतभेद बने रहे। यहूदी धर्मावलंबी गड़रियों में प्राचीनकाल से ही 8 दिवसीय बसंतकालीन उत्सव मनाने की परंपरा थी। ईसाई धर्म के प्रचार के बाद इस उत्सव में गड़रिए अपने जानवरों के पहले बच्चे की ईसा के नाम पर बलि देने लगे और उन्हीं के नाम पर भोज का आयोजन करने लगे मगर यह समारोह केवल गड़रियों तक सीमित था। उन दिनों कुछ अन्य समारोह भी आयोजित किए जाते थे, जिनकी अवधि 30 नवंबर से 2 फरवरी के बीच में होती थी। जैसे नोर्समेन जाति का यूल पर्व और रोमन लोगों का सेटरनोलिया पर्व, जिसमें नौकरों को मालिक के रूप में आचरण करने की पूरी छूट होती थी। इन उत्सवों का ईसाई धर्म से उस समय तक कोई संबंध नहीं था। तीसरी शताब्दी में ईसा मसीह के जन्मदिन का समारोह करने पर गंभीरता से विचार किया जाने लगा मगर अधिकांश धर्माधिकारियों ने उस समय उस चर्चा में भाग लेने से ही मना कर दिया। फिर भी ईसाई धर्मावलंबियों में विचार-विमर्श हुआ और यह तय किया गया कि बसंत ऋतु का ही कोई दिन इस समारोह के लिए तय किया जाए।

तदनुसार इसके लिए पहले 28 मार्च और फिर 19 अप्रैल के दिन निर्धारित किए गए। बाद में इसे भी बदलकर 20 मई कर दिया गया। इस संदर्भ में 8 और 18 नवंबर की तारीखों के भी प्रस्ताव आए। लंबी बहस और विचार-विमर्श के बाद चौथी शताब्दी में रोमन चर्च तथा सरकार ने संयुक्त रूप से 25 दिसंबर को ईसा मसीह का जन्मदिवस घोषित कर दिया। इसके बावजूद इसे प्रचलन में आने में लंबा समय लगा। इससे पूर्व मनाए जाने वाले अन्य जातियों के उत्सव इनके साथ घुले-मिले रहे और बाद में भी उनके कुछ अंश क्रिसमस के पर्व में स्थायी रूप से जुड़ गए। ईसा की जन्मभूमि यरुशलम में इस तारीख को पांचवीं शताब्दी के मध्य में स्वीकार किया गया। इसके बाद भी क्रिसमस दिवस की यात्रा सहज नहीं रही। विरोध और अंतर्विरोध चलते रहे। 13वीं शताब्दी में जब प्रोटस्टेंट आंदोलन शुरू हुआ तो इस पर्व पर पुन: आलोचनात्मक दृष्टि डाली गई और यह महसूस किया गया कि उस पर पुराने पैगन धर्म का काफी प्रभाव शेष है। इसलिए क्रिसमस केरोल जैसे भक्ति गीतों के गाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया और 25 दिसंबर 1644 को इंग्लैंड में एक नया कानून बना, जिसके अंतर्गत 25 दिसंबर को उपवास दिवस घोषित कर दिया गया। क्रिसमस विरोधी यह आंदोलन अन्य देशों में भी फैला। अमेरिका में भी इसका प्रभाव हुआ। बोस्टन में तो 1690 में क्रिसमस के त्योहार को प्रतिबंधित ही कर दिया गया। 1836 में अमेरिका में क्रिसमस को कानूनी मान्यता मिली और 25 दिसंबर को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया। इससे विश्व के अन्य देशों में भी इस पर्व को बल मिला।

योरप के विभिन्न भागों में हंसी-खुशी के विभिन्न अवसरों पर वृक्षों को सजाने की प्राचीन परंपरा थी। जर्मनी में 24 दिसंबर को एक पर्व मनाया जाता था और उसी दिन एक रहस्यात्मक नाटक भी खेला जाता था- 'अदन का वृक्ष'। संभव है इन परंपराओं ने क्रिसमस वृक्ष की विचारधारा को जन्म दिया हो। इस विचारधारा के साथ बाद में अनेक दंतकथाएं भी जुड़ गईं। 1821 में इंग्लैंड की महारानी ने एक 'क्रिसमस वृक्ष' बनवाकर बच्चों के साथ समारोह का आनंद उठाया था। उन्होंने ही इस वृक्ष में एक देव प्रतिमा रखने की परंपरा को जन्म दिया। बधाई के लिए पहला क्रिसमस कार्ड लंदन में 1844 में तैयार हुआ और उसके बाद क्रिसमस कार्ड देने की प्रथा 1870 तक संपूर्ण विश्व में फैल गई। जहां तक सान्ता क्लॉज का संबंध है, इसकी परंपरा क्रिसमस के साथ काफी बाद में जुड़ी। मध्ययुग में संत निकोलस (जन्म 340 ईस्वी) का जन्म दिवस 6 दिसंबर को मनाया जाता था और यह मान्यता थी कि इस रात्रि को संत निकोलस बच्चों के लिए तरह-तरह के उपहार लेकर आते हैं। यही संत निकोलस अमेरिकी बच्चों के लिए 'सान्ता क्लॉज' बन गए और वहां से यह नाम संपूर्ण विश्व में लोकप्रिय हो गया। आज विश्व के लगभग 100 देशों में क्रिसमस का त्योहार बड़े उल्लास और उत्साह के साथ मनाया जाता है। अनेक देशों में इस दिन राजकीय अवकाश घोषित किया जाता है तथा सभी ईसाईजन बड़े आमोद-प्रमोद और तरह-तरह के पकवानों के साथ उत्सव का आयोजन करते हैं! इस मंजिल तक पहुंचने में इस पर्व को लंबा समय लगा है और उसे अनेक बाधाओं से जूझना पड़ा है। पिछली लगभग डेढ़ शताब्दी से ही क्रिसमस का पर्व अपने वर्तमान रूप में निर्विघ्न आयोजित होने लगा है।बदलते समय के साथ दिन-प्रतिदिन इसका चलन और ज्यादा बढ़ गया है।

क्रिसमस की ये हैं सदाबहार पवित्र चीजें

होली (शूलपर्णी), मिसलटो (वांदा), लबलब (आइव) यह कुछ सदाबहार चीजें हैं, जिन्हें पवित्र माना जाता है। इन सभी का अपना एक अलग अर्थ है।

होली माला - परंपरागत रूप से होली माला घरों तथा गिरजाघरों में लटकाई जाती है। इसे सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। भारत में इन होली मालाओं में मोमबतियां लगाई जाती हैं।

मिसलटो - आम तौर पर यह बेर के आकार की सफेद रचनाएं होती हैं जो सेबफल के वृक्षों की शाखाओं पर पाई जाती हैं। इसका सर्वाधिक प्रचलित और लोकप्रिय अर्थ यह है कि इसके नीचे खड़ा रहने वाला किसी का भी चुंबन ले सकता है।

परंपरागत रूप से यह माना जाता है कि मिसलटो के नीचे मिलने वाले दो मित्रों पर भाग्य

हमेशा मुस्कुराता रहता है और यदि दो दुश्मन इसके नीचे मिल जाएं तो दुश्मनी दोस्ती में बदल जाती है यानि कि यह मित्रता और प्रेम का प्रतीक है।

आइव - यह मित्रता का प्रतीक है। ऐसा प्रेम जो स्थायी तथा अटूट होता है।

संत निकोलस (सांता क्लॉज) - सांता क्लाज शब्द की उत्पत्ति डच सिंटर क्लाज से हुई है। यह संत निकोलस का लोकप्रिय नाम है। दिलचस्प बात तो यह है कि संत निकोलस की कहानी का येसु के जन्मोत्सव से कोई लेना-देना नहीं है। निकोलस पर्व 6 दिसंबर को मनाया जाता है तथा इस दिन परंपरानुसार बच्चों को फलों तथा मिठाइयों के तोहफे दिए जाते हैं।

ऐसी धारणा है कि संत निकोलस एक ईसाई पादरी थे जो एशिया माइनर में कोई डेढ़ हजार साल पहले रहते थे। वे बहुत उदार तथा दयालु थे तथा हमेशा जरूरतमंदों की सहायता करते रहते थे।

बच्चों से उनके संबंधों के बारे में एक किंवदंती प्रचलित है कि एक बार वे ऐसे मकान में ठहरे थे, जहां तीन बच्चों की हत्याएं कर उनके शवों को अचार की बरनियों में छिपा दिया गया था। संत निकोलस ने चमत्कार द्वारा उन बच्चों को जीवित कर दिया। तभी से उन्हें बच्चों का संत कहा जाने लगा। एक अन्य किंवदंती के अनुसार संत निकोलस क्रिसमस की रात को गलियों में घूमकर गरीब व जरूरतमंद बच्चों को चाकलेट-मिठाई आदि वितरित करते थे जिससे वे भी क्रिसमस को हर्षोल्लास से मना सकें। इस तरह क्रिसमस व बच्चों के साथ सांता क्लॉज के रिश्ते जुड़ गए।

क्रिसमस को बड़ा दिन क्यों कहा जाता है?

भारतीय संस्कृति को परंपराओं का संगम कहें तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। सभी त्योहारों की तरह क्रिसमस यानी बड़े दिन का त्यौहार पूरे विश्व की तरह भारत भर में मनाया जाता है, मगर क्या कभी आपने सोंचा है भारत में क्रिसमस को बडे दिन के नाम से क्यों पूकारा जाता है। वैसे तो क्रिसमस को प्रभु ईसा मसीह या यीशु के जन्म की खुशी में मनाया जाता है। भारत में क्रिसमस को बड़ा दिन कहने के पीछे कई अलग अलग मान्यताएं प्रचलित है कहा जाता है।पहले इसे रोमन उत्सव के रूप में मनाया जाता था इस दिन लोग एक दूसरे को ढेर सारे उपहार देते थे। जब धीरे-धीरे ईसाई सभ्यता पनपने लगी तब भारत में यह दिन मकर संक्रान्ति के रूप में मनाया जाने लगा। इसके अलावा बड़े दिन के पीछे प्रभू ईसा के जन्म से जुड़ी कई कथाएं भी प्रचलित हैं। 25 दिसंबर यीशु मसीह के जन्म की कोई ज्ञात वास्तविक जन्म तिथि नहीं है। एन्नो डोमिनी काल प्रणाली के आधार पर यीशु का जन्म, 7 से 2 ईपू के बीच हुआ था भारत में इस तिथि को एक रोमन पर्व यामकर संक्रांति से संबंध स्थापित करने के आधार पर चुना गया है जिसकी वजह से इसे बड़े दिन के नाम से मनाया जाने लगा। वैसे तो पूरी दुनिया में इसे इसे 25 दिसंबर को मनाया जाता है मगर जर्मनी में 24 दिसंबर को ही इससे जुडे समारोह शुरू हो जाते हैं। क्रिसमस के दिन संता क्लॉज का भी अपना अलग महत्व है, कहते हैं इस दिन सांता क्लॉज बच्चों के लिए ढेर सारे खिलौने और चॉकलेट लाते है। सांता क्लॉज को क्रिसमस का पिता भी कहा जाता है जो केवल क्रिसमस वाले दिन ही आते हैं। क्रिसमस का एक और दिलचस्प पहलू यह है कि ईसा मसीह के जन्म की कहानी का संता क्लॉज की कहानी के साथ कोई संबंध नहीं है, कहते हैं तुर्किस्तान के मीरा नामक शहर के बिशप संत निकोलस के नाम पर सांता क्लॉज का चलन करीब चौथी सदी में शुरू हुआ वे गरीब और बेसहारा बच्चों को तोहफे दिया करते थे। चाहे क्रिसमस कहें या फिर बड़ा दिन कुल मिलाकर इस दिन चारों ओर खुशियां ही खुशियां दिखाई देती है, लोग अपने घरों को सजाते है, गिरजाघरों में प्राथनाएं होती है। अब क्रिसमस को आने में कुछ ही दिन बचें है बाजारों में क्रिसमस गिफ्ट, कार्ड, प्रभु ईशु की चित्राकृतियाँ, सांता क्लॉज की टोपी, सजावटी सामग्री और केक मिलने भी शुरू हो गए है।

क्रिसमस ट्री कैसे बना ईसाई धर्म का परंपरागत प्रतीक

क्रिसमस ट्री/वृक्ष- सदाबहार झाड़ियों तथा वृक्षों को ईसा युग से पूर्व भी पवित्र माना जाता रहा है। इसका मूल आधार यह रहा है कि फर वृक्ष की तरह के सदाबहार वृक्ष बर्फीली सर्दियों में भी हरे-भरे रहते हैं। इसी धारणा के आधार पर रोमनवासियों ने सर्दियों के भव्य भगवान सूर्य के सम्मान में मनाए जाने वाले सैटर्नेलिया पर्व में चीड़ के वृक्षों को सजाने की परंपरा आरंभ की थी। क्रिसमस के परिप्रेक्ष्य में सदाबहार फर का प्रतीक ईसाई संत बोनिफेस द्वारा ईजाद किया गया था। जर्मनी में यात्राएं करते हुए वे एक ओक वृक्ष के नीचे विश्राम कर रहे थे, जहां गैर ईसाई ईश्वरों की संतुष्टि के लिए लोगों की बलि दी जाती थी। संत बोनिफेस ने वह वृक्ष काट डाला और उसके स्थान पर फर का वृक्ष लगाया। तभी से अपने धार्मिक संदेशों के लिए संत बोनिफेस फर के प्रतीक का प्रयोग करने लगे थे। इसके बारे में एक जर्मन किंवदंती यह भी है कि जब नवजात शिशु के रूप में येसु का जन्म हुआ वहां चर रहे पशुओं ने उन्हें प्रणाम किया और देखते ही देखते जंगल के सारे वृक्ष सदाबहार हरी पत्तियों से लद गए। बस, तभी से क्रिसमस ट्री को ईसाई धर्म का परंपरागत प्रतीक माना जाने लगा।

एक अन्य किंवदंती के अनुसार संत निकोलस क्रिसमस की रात को गलियों में घूमकर गरीब व जरूरतमंद बच्चों को चॉकलेट-मिठाई आदि वितरित करते थे जिससे वे भी क्रिसमस को हर्षोल्लास से मना सकें। इस तरह क्रिसमस व बच्चों के साथ सांता क्लॉज के रिश्ते जुड़ गए।

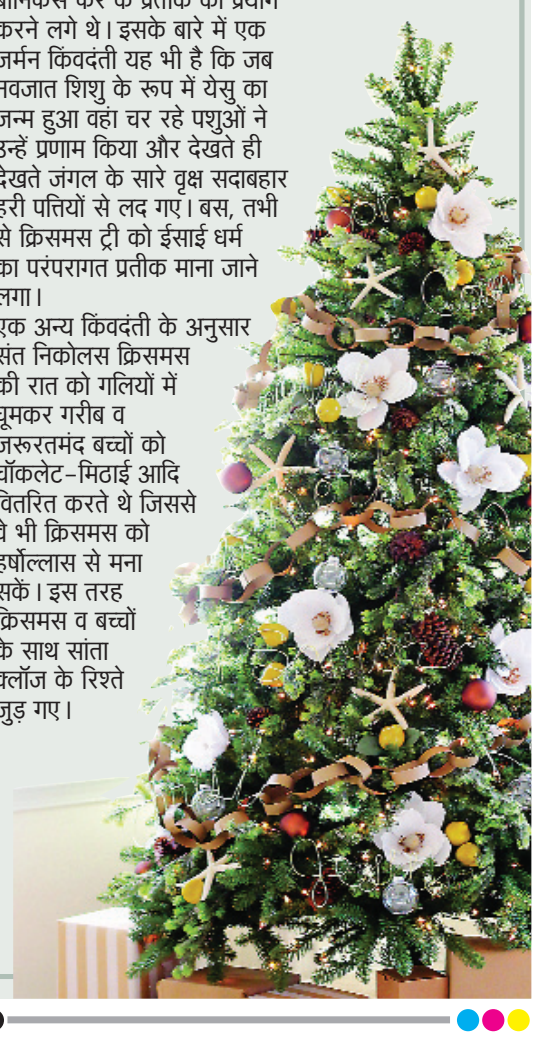

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बुढाना कस्बे में पवित्र स्थल में तोड़फोड़, पुलिस जांच में जुटी

मुजफ्फरनगर । उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में मौजूद एक पुराने धार्मिक स्थल को वहां के जमीन मालिकों ने मिलकर कथित तौर पर ध्वस्त किया। इसकी शिकायत के बाद पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। पुलिस ने बताया कि बुढाना कस्बे के छोटा बाजार के रहने वाले गुलजार उद्दीन, उसके भाई अघान और अमीर जिया सहित 10-15 अज्ञात लोगों पर आरोप है कि उन्होंने एक साधु से जुड़ी हुए पवित्र स्थल में तोड़फोड़ की है, जिसकी शिकायत मिलने पर उनके खिलाफ केस दर्ज हुआ है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर जमीन के मालिकों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस को दी गई शिकायत में बुढाना निवासी पवनेश कुमार ने बताया कि बुढ़ाना-कांधला रोड पर सब्जी मंडी के पास स्थित एक संत को समर्पित मजार में तोड़फोड़ की गई। बुढाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

पटना में पिछले 2 दिनों में करीब 2.59 करोड़ की ठगी, लड़की ने फोन कर लगाया चूना

पटना । पटना में इन दिनों साइबर ठगी के मामले बढ़े हैं। पिछले 2 दिनों में 40 से ज्यादा मामले सामने आए हैं। ठगों ने करीब 2.59 करोड़ की ठगी कर ली है। सबसे अधिक ट्रेडिंग के नाम पर ठगी हुई है। एजी कॉलोनी निवासी कृष्ण मोहन ओझा को एक लड़की ने फोन कर उसने दोस्ती कर ली। इस दौरान लड़की ने भरोसे में लेकर ट्रेडिंग में निवेश करा दिया। एक दिन बात करते-करते कृष्ण मोहन का मोबाइल लेकर गायब हो गई। सब कुछ फोन में ही था। कम लागत में ज्यादा फॉफिट के चक्कर में 33.50 लाख रुपए गंवा दिए। इसतरह वरुण को भी एक लड़की ने फोन पर ट्रेडिंग में निवेश करने का झांसा दिया। वरूण लड़की के बातों में आकर बैंक से लोन लेकर 22.68 लाख रुपए निवेश किया। ठगी का एहसास होने पर साइबर थाने में मामला दर्ज कराया। वहीं सिपारा निवासी पुरुषोत्तम कुमार ने यूट्यूब पर वीडियो देखकर एक नंबर पर फोन किया। कॉल करने पर एक लड़की ने फोन रिसीव किया। लड़की की बातों में आकर पुरुषोत्तम ने क्रिप्टो करेंसी खरीदने में 18 लाख रुपए लगा दिया। जिस साइट से क्रिप्टो करेंसी खरीदा था, अब वहां नहीं खुल रहा है।

कोलकाता डॉक्टर मर्डर केस : जहां मिला था महिला डॉक्टर का शव, वहां नहीं मिले संघर्ष के निशान

कोलकाता। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर के रेप और मर्डर के मामले में नया खुलासा हुआ है। वारदात के बाद घटनास्थल की फॉरेंसिक जांच की गई थी। इस जांच की रिपोर्ट सीबीआई को सौंपी गई है। रिपोर्ट में जो जानकारी दी गई है, वह हैरान करने वाली है। दरअसल, रिपोर्ट में कहा गया है कि अस्पताल के जिस सेमिनार हॉल में ट्रेनी डॉक्टर की लाश मिली थी, वहां स्ट्रगल के कोई निशान नहीं मिले हैं। यानी ऐसे कोई सबूत नहीं हैं कि घटनास्थल पर आरोपी और ट्रेनी डॉक्टर के बीच कोई संघर्ष हुआ है। सेंट्रल फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी दिल्ली के विशेषज्ञों ने 14 अगस्त को आरजी कर अस्पताल की जांच कर सैंपल एकट्ठे किए। 11 सितंबर को सीबीआई के सामने इसकी रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। फोरेंसिक रिपोर्ट में सीएफएसएल ने कहा है कि सेमिनार हॉल में लकड़ी के स्टेज और गद्दे के अलावा आसपास संघर्ष को कई सबूत नहीं मिले हैं।

तीन साल की मासूम 23 घंटे से 700 फीट गहरे बोरवेल में फंसी

-काफी कोशिश के बाद अब बच्ची को हुक से खींचने की तैयारी

कोटपूतली। राजस्थान के कोटपूतली में तीन साल की बच्ची पिछले 23 घंटे से 700 फीट गहरे बोरवेल में 150 फीट पर फंसी है। उसे बाहर निकालने के लिए रात भर किए गए लेकिन सफलता नहीं मिली। बच्ची के लिए बोरवेल में ऑक्सीजन भेजा जा रहा है, लेकिन बोरवेल इतना संकरा है कि खाने पीने के लिए कुछ नहीं भेजा जा सकता है। रात को सीसीटीवी में बच्ची चेतना के सिर का मूवमेंट नजर आया था, लेकिन गर्दन के नीचे तक मिट्टी में फंसे होने से शरीर मूव नहीं कर पा रहा है। बोरवेल के

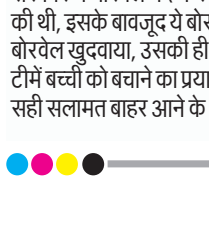

आसपास 150 फीट खोदना आसान नहीं है। इस ऑपरेशन में अभी एक सप्ताह का समय लग सकता है, इसलिए अब बच्ची को हुक से खींचने की तैयारी चल रही है। जिला प्रशासन ने चेतना के माता-पिता और दादा से लिखित में कपड़े में हुक लगाकर उसे ऊपर खींचने की इजाजत मांगी है ताकि अगर इस प्रक्रिया में चेतना को कोई चोट पहुंचती है तो वह प्रशासन को जिम्मेदार नहीं ठहराएंगे। एनडीआरएफ के सीनियर कमांडेंट ने बताया कि रात एक बजे हमने रिंग बनाकर अंब्रेला टेक्निक से बच्ची को निकालने का प्रयास किया लेकिन रिंग कपड़े में फंस गई और बच्ची ठीक से पकड़ नहीं पाई। मंगलवार सुबह 8 बजे फिर से रिंग डाली गई, लेकिन रिंग ग्रिप बच्ची के शरीर पर जगह कम होने की वजह से वहां नहीं पहुंच पा रहा है। इन प्रयासों के असफल होने पर हुक से निकालने का ही विकल्प बचा है जिसके लिए जिला प्रशासन को फैसला लेना है। मासूम के पिता भूपेंद्र ने बड़ियाली ढाणी में अपने घर के बाहर बोरवेल खुदवाया था। 700 फीट तक खोदने पर भी पानी नहीं निकला तो उसे ढंकने के बजाय खुला छोड़ दिया। सोमवार करीब डेढ़ बजे के आसपास उनकी दोनों बेटियां तीन साल की चेतना और 8 साल की काव्या बोरवेल के पास खेल रही थीं। इसी बीच चेतना का पैर बोरवेल के पास फिसल गया और वह उसमें फंस गईं। बता दें 15 दिन पहले राजस्थान के दौसा में ही आर्यन के बोरवेल में गिरने से मौत के बाद राज्य सरकार ने बोरवेल बंद करने के लिए एडवाइजरी जारी की थी, इसके बावजूद ये बोरवेल खुला था और जिसने ये बोरवेल खुदवाया, उसकी ही बेटी इसमें फंस गई। रेस्क्यू टीमें बच्ची को बचाने का प्रयास कर रही हैं। लोग बच्ची से सही सलामत बाहर आने के लिए दुआ मांग रहे हैं।

अब पाकिस्तान के जहाजों की बांग्लादेश में नहीं होगी जांच, भारत की बढ़ी टेंशन

-हथियारों की सप्लाई, मादक पदार्थों की तस्करी बढ़ने का है खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान और बांग्लादेश के बढ़ते रिश्तों ने भारत को चिंता में डाल द दिया है। भारत चटगांव बंदरगाह को लेकर चिंतित है। यहां आने वाले पाकिस्तान के मालवाहक जहाजों की फिजिकल जांच का जो नियम था, उसे बांग्लादेश ने खत्म कर दिया है। अब पाकिस्तान से आए माल जांच नहीं होगी। ऐसे में पाकिस्तान की एजेंसी आईएसआई हथियारों की सप्लाई, मादक पदार्थों की तस्करी जैसे कारनामों को अंजाम दे सकती है।

भारतीय एजेंसियों को संदेह है कि यहां इन चीजों को उतारे जाने के बाद बांग्लादेश की सीमा से लगते पूर्वोत्तर भारत के राज्यों में भेजा जा सकता है। पहले भी ऐसी कोशिशें हुई हैं, ऐसे में यह चिंता का कारण है। बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के दौर में पाकिस्तान से आने वाले जहाजों की फिजिकल जांच होती थी। इसके अलावा भारत को चटगांव और मोंगला पोर्ट्स पर सीधा एक्सेस मिलता है। अब उसे भी खत्म करने पर बांग्लादेश विचार कर रहा है। 2004 में ऐसा ही हुआ था, जब चटगांव बंदरगाह पर 1500 डिब्बे बरामद किए गए थे, जिनमें चीनी हथियार मिले थे। तब एजेंसियों ने संदेह जताया था कि ये डिब्बे शायद आईएसआई ने रखवाए हैं और उन्हें पूर्वोत्तर भारत में सप्लाई किया जाना था। पहले भी आईएसआई उल्फा जैसे आतंकी संगठनों के साथ मिलकर भारत के खिलाफ साजिश करती रही है, लेकिन बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के दौर में उसके लिए यह उतना आसान नहीं था। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार पाकिस्तान के साथ दोस्ती बढ़ाने में जुटी है। यहां तक कि यूनुस पाकिस्तान जाने का मन बना रहे हैं और उनके विदेश मंत्री को बांग्लादेश आमंत्रित किया है। पाकिस्तान की ओर से 1971 में की गई ज्यादतियों को भी भुलाने की बातें की जा रही हैं। यही नहीं भारत के पीएम नरेंद्र मोदी की उस पोस्ट तक पर कुछ नेताओं ने ऐतराज जताया था, जिसमें उन्होंने 1971 की जंग के लिए भारतीय सेना की तारीफ की थी।

खास बात यह है कि 1971 में बांग्लादेश बनने के बाद से पाकिस्तान के साथ उसका कारोबार नाममात्र का ही रहा है। इसकी वजह है कि पाकिस्तान से वहां सीधे जहाजों को आने की अनुमति नहीं थी, जो अब मिल गई है। नवंबर में पहली बार करांची से रवाना हुआ मालवाहक जहाज दुबई होते हुए बांग्लादेश पहुंचा। इसके बाद अब एक और जहाज बीते सप्ताह यहां पहुंचा है। हाल ही में मुस्लिम देशों की समिट में मोहम्मद यूनुस और शहबाज शरीफ की मुलाकात हुई थी। इस बैठक में शहबाज ने बांग्लादेश को अपना भाई बताया था तो वहीं यूनुस ने 1971 के खूनी इतिहास को भुलाने की बात कही थी। दोनों के बीच अगस्त से अब तक दो मुलाकातें हो चुकी हैं।

राजौरी में फैली रहस्यमय बीमारी से अब तक नौ की मौत, विशेषज्ञों की टीमें कर रही जांच

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के बददल गांव में रहस्यमय बीमारी से अब तक नौ लोगों की जान जा चुकी है। इसको देखते हुए पीजीआई चंडीगढ़, राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान और राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र के विशेषज्ञों की टीमें राजौरी पहुंची और हालात का जायजा लिया। भोजन और पानी के सेम्पल लिए गए हैं। सूत्रों के मुताबिक अभी तक किसी तरह का निष्कर्ष नहीं निकाल सका है। इस जांच के बाद एक और मौत हो गई। सोमवार को जिस महिला की मौत हुई, उसकी पहचान राजिम अख्तर के रूप में हुई है, वह पहले ही अपने तीन नाबालिग बच्चों को इस बीमारी से खो चुकी है। इस गांव में सामने आ रहे इन मामलों से आसपास के इलाकों में दहशत फैल गई है। ताजा मामला एक महिला की मौत से जुड़ा है, जिसके तीन बच्चे पहले ही इस बीमारी के चलते काल के गाल में समा चुके हैं। जब यह मामले सामने आने लगे तो काफी गहन जांच भी की गई, लेकिन अभी तक किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा जा सका है। सूत्रों के मुताबिक महिला 12 दिसंबर को अपने बच्चों को लेकर राजौरी के सरकारी मेडिकल कॉलेज गई थीं, लेकिन 19 दिसंबर को उनकी मौत हो गई और वह घर लौट आई थी। सोमवार को उस महिला की तबीयत भी बिगड़ी और उसे जीएमसी राजौरी लाया गया, जहां उसकी भी मौत हो गई। पिछले एक पखवाड़े में रहस्यमय बीमारी के कारण यह नौवीं मौत है। इनमें एक परिवार के सात और दूसरे परिवार के दो लोग शामिल हैं। जम्मू-कश्मीर के स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा मंत्री सकीना इटू और जल शक्ति मंत्री जावेद राणा ने राजौरी जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ स्थिति की समीक्षा करने के लिए क्षेत्र का दौरा किया है और अधिकारियों को निर्देश दिए।

भारत के राफेल को टक्कर देने चीन देगा पाकिस्तान को जे-35 फाइटर जेट

*** हवा और जमीन दोनों से हमला करने में सक्षम, दोनों देशों में हुई डील**

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान और चीन की दोस्ती जगजाहिर है। यह दोनों ही देश भारत को फलता फूलता ओर आगे बढ़ता नहीं देख सकते हैं। इसके चलते आए दिन अपनी नापाक हरकतें करते रहते हैं। चीन अब पाकिस्तान को अत्याधुनिक जे 35 फाइटर प्लेन देने की तैयारी कर रहा है। यह फाइटर जैट बहुत ही अत्याधुनिक हैं और इसे सीधे भारत के राफेल से चुनौती मिल रही है।

वैसे तो चीन समय समय पर पाकिस्तान को हथियार देता रहता हैं, लेकिन यह डील अलग मानी जा रही कि क्योंकि अभी तक चीन ने अपनी पांचवीं पीढ़ी के किसी भी लड़ाकू विमान किसी को नहीं दिया है यानी किसी भी दूसरे देश को अभी तक जे-35 जेट नहीं मिला है। ऐसे में अगर पाकिस्तान के साथ यह डील फाइनल हो जाती है तो पाकिस्तान पहला देश बन जाएगा जिसे चीन की पांचवीं पीढ़ी का फाइटर प्लेन मिलेगा।

पाकिस्तानी मीडिया में तो खबर है कि इस डील को मंजूरी दी जा चुकी है और दो साल के अंदर सभी विमान पाकिस्तान पहुंच जाएंगे। माना जा रहा है कि इस समय पाकिस्तान के पास जो अमेरिका के एफ-16 विमान हैं और फ्रांस के मिराज हैं। चीन के यह पांचवीं पीढ़ी वाले विमान से उनको रिप्लेस किया जाएगा। जानकार कह रहे हैं कि चीन का जे-35 जेट पाकिस्तान की एयरफोर्स को काफी मजबूती देगा।

बता दें कि जे -35 ए मध्यम आकार का मल्टीरोल स्टील्थ फाइटर जेट है। इसमें ट्विन इंजन है। इसकी डिजाइन चिकनी और पतली है, यह हवा और जमीन दोनों से ही हमला करने में माहिर है लेकिन इसमें अमेरिका के एफ-35 की तरह शॉर्ट टेक ऑफ और वर्टिकल लैंडिंग की सुविधा नहीं है। अगर इसकी तुलना भारत के राफेल से की जाए तो चीनी एयरक्राफ्ट के पास युद्ध का अनुभव नहीं है जबकि राफेल दुनिया के कई बड़े ऑपरेशन में अपनी क्षमता दिखा चुका है। इसके ऊपर जे-35 पांचवीं पीढ़ी का विमान है तो वहीं राफेल 4.5 पीढ़ी का।

भागवत के बयान पर फिर नाराज हुए जगद्गुरु रामभद्राचार्य, वे हिंदू धर्म के प्रमुख नहीं

मुंबई (एजेंसी)। संघ प्रमुख मोहन भागवत के बयान पर देश का संत समाज उबल रहा है। इस बीच जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने फिर संघ प्रमुख भागवत के बयान पर अपना विरोध दर्ज कराया है। जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने कहा, वह किसी संगठन के प्रमुख हो सकते हैं, लेकिन वे हिंदू धर्म के प्रमुख नहीं हैं कि उनकी बात हम मानते रहें। वह हमारे अनुशासक रहे हैं, हम उनके अनुसार नहीं चल सकते। जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने कहा, ÷मैं बीस बार कह रहा हूं कि हिन्दू धर्म की व्यवस्था के लिए वे ठेकेदार नहीं हैं। हिंदू धर्म की व्यवस्था हिन्दू धर्म के आचार्यों के हाथ में है। संपूर्ण भारत के भी वे प्रतिनिधि नहीं हैं।÷इस मौके पर रामभद्राचार्य ने कहा कि जो हमारी ऐतिहासिक वस्तुएं हैं, वह हमें मिलनी ही चाहिए और हमें लेनी भी चाहिए, चाहे जैसे

मिले। भले इसके लिए साम, दाम, दंड, भेद क्यों न अपनाना पड़े। रामभद्राचार्य के अलावा और कई संतों ने भी भागवत के बयान की आलोचना की है। ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने भी भागवत के उस बयान पर उनकी आलोचना की है जिसमें उन्होंने कहा था कि हर जगह मंदिर ढूंढ़ने की इजाजत नहीं दी सकती।

बता दें कि भागवत ने पुणे में कहा , ÷धर्म प्राचीन है और धर्म की पहचान से ही राम मंदिर बनाया गया है। यह सही है, लेकिन सिर्फ मंदिर बन जाने से कोई हिंदुओं का नेता नहीं बन सकता। हिंदू धर्म सनातन धर्म है और इस सनातन और सनातन धर्म के आचार्य सेवाधर्म का पालन करते हैं। यह मानव धर्म की तरह सेवा धर्म है। सेवा करते समय हमेशा चर्चा से दूर रहना हमारा स्वभाव है।÷

उन्होंने कहा, ÷जो लोग बिना दिखावे के लगातार सेवा करते हैं, वे सेवा की इच्छा रखते हैं। सेवा धर्म का पालन करते हुए हमें अतिवादी नहीं होना चाहिए और देश की परिस्थिति के अनुसार मध्यम मार्ग अपनाना चाहिए। मानव धर्म ब्रह्मांड का धर्म है और इसे सेवा के माध्यम से प्रकट किया जाना चाहिए। हम विश्व शांति की घोषणा करते हैं, लेकिन अन्य जगहों पर अल्पसंख्यकों की क्या स्थिति है? इस पर ध्यान देना जरूरी है।

खड़गे और राहुल गांधी ने एनएचआरसी के अध्यक्ष और सदस्यों के चयन पर असहमति जाहिर की

नई दिल्ली (ईएमएस)। राज्यसभा और लोकसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) के अध्यक्ष और सदस्यों के चयन पर एक असहमति जाहिर की है, इसमें कहा गया है कि प्रक्रिया मौलिक रूप से त्रुटिपूर्ण थी। कांग्रेस के दोनों नेताओं ने कहा कि यह प्रस्थान निष्पक्षता और निष्पक्षता के सिद्धांतों को कमजोर करता है, जो चयन समिति की विश्वसनीयता के लिए महत्वपूर्ण हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली दो अतिरिक्त समिति ने विचार-विमर्श को बढ़ावा देने और सामूहिक निर्णय सुनिश्चित करने के बजाय बैठक के दौरान उठाए गए वैध चिंताओं और दृष्टिकोणों की उपेक्षा करते हुए, नामों को अंतिम रूप देने के लिए अपने संख्यात्मक बहुमत पर भरोसा किया। उन्होंने कहा कि एनएचआरसी एक महत्वपूर्ण वैधानिक निकाय है, इसका काम सभी नागरिकों, विशेषकर समाज के उत्पीड़ित और हाशिए रहने वाले वर्गों के लोगों के मौलिक मानवाधिकारों की रक्षा करना है। खरगे और राहुल गांधी ने योग्यता और आवश्यकता दोनों का हवाला देकर एनएचआरसी प्रमुख के पद के लिए न्यायाधीश (सेवानिवृत्त) रोहिंटन फली नरीमन, जो इस महीने भारत की धर्मनिरपेक्ष नींव के क्षरण की चेतावनी के लिए खबरों में थे, और कुट्टियिल मैथ्यू जोसेफ के नाम प्रस्तावित किए। अल्पसंख्यक पारसी समुदाय के प्रतिष्ठित न्यायविद् नरीमन अपनी बौद्धिक गहराई और संवैधानिक मूल्यों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के लिए प्रसिद्ध हैं। उनके शामिल होने से भारत के बहुलवादी समाज का प्रतिनिधित्व करने के लिए एनएचआरसी के समर्पण के बारे में एक मजबूत संदेश जाएगा।

कश्मीर की डल झील जमी, उत्तराखंड के पहाड़ों ने ओढ़ी बर्फ की चादर

-174 स्टेट और 3 नेशनल हाईवे बंद, एक हजार से ज्यादा गाड़ियां फंसी

शिरडी (एजेंसी)। शिमला,(ईएमएस)। हिमाचल प्रदेश की पहाड़ियां बर्फ से ढंक गई हैं। मनाली, कुल्लू, रोहतांग और कई इलाकों में भारी बर्फबारी ने संकट को तो बढ़ाया ही है साथ पर्यटकों की भीड़ बढ़ गई है। इस बर्फबारी से मनाली-केलांग मार्ग पर वाहनों की आवाजाही अस्थाई रूप से रोकनी पड़ी। अटल टनल के रास्ते पर तो करीब एक हजार गाड़ियां फंसी हुई हैं। प्रशासन यहां रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है।

हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी के चलते पिछले 24 घंटे में 174 स्टेट और 3 नेशनल हाईवे बंद किए गए हैं। बिजली और पानी का भी कुछ जिलों से कनेक्शन काटा गया है जबकि 6 जिलों में 683 जगह बिजली बाधित है। बदले मौसम और बर्फबारी के कारण जन सेवाएं बाधित है। आपदा सूचना विभाग ने जिले की रिपोर्ट जारी की है। वहीं, सैलानियों के लिए भी एडवाइज़री जारी की गई है।

हिमाचल प्रदेश जैसे हालात उत्तराखंड में भी पैदा हो रहे हैं। राज्य के कई ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी हुई है। अभी यहां बर्फबारी कम है। फिर भी औली, उत्तरकाशी, चकराता, बद्रीनाथ, केदारनाथ जैसे ऊंचाई वाले इलाके सफेद चादर से ढंक गए हैं। केदारनाथ में इस सीजन की दूसरी बर्फबारी है। बर्फबारी की वजह से वहां चल रहा पुनर्निर्माण कार्य भी प्रभावित हुआ है। केदारनाथ धाम में बर्फबारी जारी है। धाम में अभी तक एक फीट से ज्यादा बर्फ गिर चुकी है। मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है कि क्रिसमस और न्यू ईयर ठंड बढ़ सकती है।

उत्तराखंड का पर्यटन स्थल और स्की रिजॉर्ट औली फिर बर्फ के आगोश में है। औली की वादियां में तस्वीरों में देख सकते हैं किस तरह से पेड़ पौधे, मकान, रास्ते सब कुछ यहां बर्फ की चादर से ढंक चुके हैं, जिसके बाद औली का नजारा अपने आप में बहुत ही खूबसूरत दिख रहा है, जिसका इंतजार पर्यटकों को और स्थानीय होटल व्यवसाईयों को लंबे समय से था वह अब जाकर यहां पर देखने को मिल रहा है। आधा फीट बर्फ की मोटी चादर के नीचे औली की वादियां हर तरफ सफेद दिखाई दे रही हैं। वहीं 25 दिसंबर यानी बुधवार को क्रिसमस है और इस समय वीकेंड के चलते बड़ी संख्या में पर्यटक औली पहुंच रहे हैं। ऐसे में उनके लिए यह बर्फबारी तोहफे से कम नहीं है क्योंकि यहां की वादियां बर्फ से लग चुकी हैं, ऐसे में यहां पहुंचे पर्यटकों को मन मांगी मुराद पूरी हो चुकी है।

वहीं जम्मू-कश्मीर में भी मौसम का रूख काफी हद तक बदल गया है। वहां भी ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी हो रही है। पीर पंजाल और सोनमर्ग में बर्फबारी हुई। कई अन्य इलाकों में भी मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है। इन दिनों कश्मीर का तापमान लगातार गिर रहा है। श्रीनगर में रविवार रात माइनस 3.6 डिग्री तापमान दर्ज किया गया था। मशहूर डल झील गिरते पारे की वजह से जम गई। वहीं पहलगाम में माइनस 5 डिग्री तापमान रहा।

2034 से पहले लागू नहीं हो सकेगी एक देश एक चुनाव की नीति

-सिर्फ ईवीएम खरीदी के लिए 1.5 लाख करोड़ रुपए होंगे खर्च

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में बीते 75 साल में लोकसभा और विधानसभाओं के 400 से भी ज्यादा चुनाव हो चुके हैं। ये चुनाव कमोबेश स्वतंत्र और निष्पक्ष हुए हैं और किसी भी बाहरी एजेंसी को देश के निर्वाचन आयोग पर उंगली उठाने का कोई मौका नहीं दिया है। इसके बावजूद ऐसे कई तथ्य हैं, जो देश में अलग-अलग चुनाव करवाने को लेकर सवाल उठते हैं। ऐसे में यह सवाल है कि क्या देश में सभी चुनाव एकसाथ नहीं हो सकते?

इस सवाल का जवाब तलाशने के लिए सितंबर 2023 में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन किया था। इस कमेटी की रिपोर्ट में कैबिनेट द्वारा स्वीकार कर इस संबंध में दो बिल लोकसभा में पेश किए गए। पहला है संविधान (129वां संशोधन) बिल। दूसरा है केंद्र शासित कानून (संशोधन) बिल 2024, जो पुडूचेरी, दिल्ली और जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनाव करवाने से संबंधित है। इन बिलों पर विस्तृत चर्चा करने और सर्वसम्मति बनाने के लिए उन्हें अब संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेज दिया गया है। अगर औपचारिकताएं पूरी भी हो जाती हैं, तब भी यह व्यवस्था 2034 से पहले अमल में नहीं लाई जा सकेगी।

निर्वाचन आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक 2034 में अगर एक देश एक चुनाव की नीति लागू होती है तो सिर्फ ईवीएम की खरीदी के लिए ही 1.5 लाख करोड़ रुपए खर्च होंगे। यह राशि कितनी ज्यादा है, इसका अंदाजा केवल इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि 2024 के लोकसभा चुनावों में अनुमानतः एक लाख करोड़ रुपए खर्च हुए थे। रामनाथ कोविंद कमेटी ने बताया कि एकसाथ चुनाव कराने के लिए सेंट्रल सिक्योरिटी फोर्सेज में 50 फीसदी बढ़ोतरी करनी पड़ेगी। 2024 में सिक्योरिटी फोर्स के करीब 3.40 लाख कर्मचारियों और अधिकारियों की चुनावों में ड्यूटी लगी थी।

शिरडी संस्थान को साईं भक्तों से मिला 819 करोड़ का चढ़ावा

शिरडी (एजेंसी)। सालभर शिरडी में साईं बाबा के दर्शन के लिए साईं भक्तों का बड़ा मेला देखने को मिलता है। साईं भक्त साईं दिल खोलकर साईं के खजाने में सोना, चांदी, हीरे, सिक्के, पैसे, सामान दान करते हैं। पिछले वित्तीय वर्ष में साईं संस्थान को विभिन्न माध्यमों से 819 करोड़ रुपये की आय हुई है और संस्थान के पास 2016 करोड़ रुपये जमा हो गया है। पिछले साल की तुलना में 419 करोड़ रुपये बढ़ गया है। बताया गया है कि प्रतिदिन 50 हजार से अधिक साईं भक्त साईं दर्शन के लिए शिरडी आते हैं। संस्थान के माध्यम से इन साईं भक्तों को चाय, पानी, भोजन प्रसाद, लड्डू प्रसाद, आवास उपलब्ध कराया जाता है। इसलिए शिरडी आने वाले साईं भक्तों की संख्या बढ़ती जा रही है। देखा गया है कि न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था इसके इर्द-गिर्द घूमती है, बल्कि संस्थान की आय भी काफी बढ़ जाती है। साई संस्थान की ऑडिट रिपोर्ट के मुताबिक, 31 मार्च 2024 तक संस्थान के राष्ट्रीयकृत बैंक में 2916 करोड़ की राशि जमा के रूप में निवेश की जा चुकी है। अप्रैल 2023 से 31 मार्च 2024 तक वित्तीय वर्ष के दौरान साईं भक्तों ने साईं की दान पेटी में 176 करोड़ रुपये का दान दिया है। 121 करोड़ का सामान्य दान मिला है। साईं के खजाने में 11 करोड़ का सोना, चांदी और मूल्यवान पत्थर मिले हैं। अन्न दान निधि के रूप में 96 करोड़, अस्पताल के लिए 54 करोड़, प्रसादालय के लिए 46 करोड़, भवन रखरखाव और मरम्मत के लिए 32 करोड़, वस्तु मद में 8 करोड़, अन्य कुल 819 करोड़ की आय साईं संस्थान को प्राप्त हुई है। इसमें 2916 करोड़ रुपये के निवेश पर 200 करोड़ रुपये का ब्याज भी शामिल है। कुल मिलाकर साईं भक्तों की उदारता के कारण संस्थान शिरडी आने वाले साईं भक्तों को विभिन्न सुविधाएं प्रदान करने में सक्षम है।

साईं भक्तों की सुविधाओं पर 489 करोड़ खर्च

शिरडी नगर परिषद को साईं की आय से कुछ राशि साईं भक्तों की सुविधा के कार्यों के लिए दी गई है। साथ ही नियोजित शैक्षणिक संकुल परियोजना में भवनों के फर्नीचर का कार्य प्रगति पर है। संस्थान के पास 24 भूखंड हैं। संस्थान के कर्मचारियों के लिए वाहन पार्किंग बनाई जा रही है। 20 करोड़ रूपये की लागत से लड्डू एवं बूंदी प्रसंस्करण की इकाइयां स्थापित की जाएंगी। नए गोदाम भवन के लिए 11 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। लेखा विभाग स्ट्रांगरूम का निर्माण, जल आपूर्ति, कुछ भवनों और कैंटीन का नवीनीकरण, कपड़े धोने की इकाई का निर्माण, साईनाथ अस्पताल के लिए केस पेपर भवन का निर्माण सहित 16 परियोजनाएं प्रस्तावित हैं। रिपोर्ट के मुताबिक संस्थान ने अब तक कुल आय में से 489 करोड़ रुपये साईं भक्तों की सेवाओं पर खर्च किए हैं।

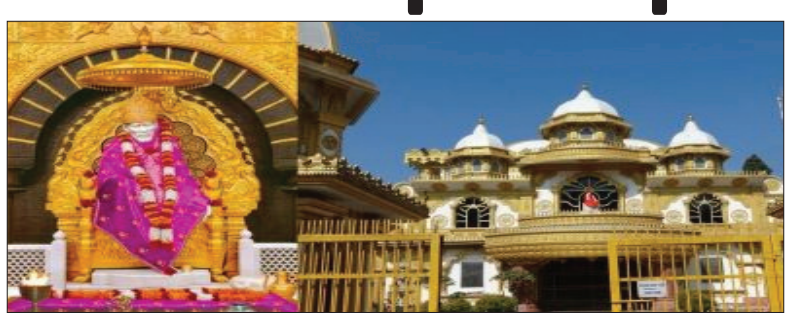

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

ट्रम्प की पनामा नहर को वापस लेने की धमकी : चीन का प्रभाव बढ़ने का आरोप लगाया

वॉशिंगटन, एजेंसी। मुलिनो ने कहा कि पनामा नहर के कैरेबियन और प्रशांत महासागर की तरफ खुलने वाले दो पोर्ट के गेट्स का मैनेजमेंट का सीके हचिसन होल्डिंग्स की एक सहायक कंपनी करती है। यह कंपनी हांगकांग में स्थित है, इस पर चीन का कोई नियंत्रण नहीं है। मुलिनो ने आगे कहा कि पनामा नहर और उसके आस-पास की एक-एक इंच जमीन पनामा की है और ये आगे भी पनामा की ही रहेगी। मुलिनों के इस बयान का जवाब देते हुए ट्रम्प ने कहा कि हम इस बारे में आगे सोचेंगे। अमेरिका ने पनामा नहर का निर्माण 1914 में पूरा कर लिया था। इसे अमेरिकी इंजीनियरिंग का सर्वोत्तम उदाहरण माना जाता है। इसे बनाने के दौरान लगभग 38 हजार अमेरिकी मजदूरों की मौत हुई थी। इसे बनाने में उस समय 37.5 करोड़ डॉलर का खर्च हुए थे। अगले कई सालों तक इस नहर पर अमेरिका का कंट्रोल था। 1977 में अमेरिका और पनामा के बीच हुए समझौते के बाद इस नहर को पनामा को सौंपने की शुरुआत हुई। 1999 में इसे पूरी तरह पनामा को सौंप दिया गया था।

रूस के तेल डिपो पर यूक्रेन का हमला

मास्को, एजेंसी। यूक्रेन ने रूस के एक अहम तेल डिपो पर रविवार को ड्रोन हमला किया। रूस की ऊर्जा शृंखला को ध्वस्त करने के प्रयासों के तहत यूक्रेन की तरफ से किया गया यह हफ्ते भर के भीतर दूसरा हमला है। दक्षिणी ओर्योल के गवर्नर एंड्रेय क्लाइचकोव ने टेलीग्राम संदेश में बताया कि स्टैलनोय कॉन तेल टर्मिनल में यूक्रेन के ड्रोन हमले के बाद आग धधक उठी। उन्होंने बताया कि यूक्रेन की तरफ से क्षेत्र में भेजे 20 ड्रोन को पता लगाकर नष्ट कर दिया गया। तेल डिपो में लगी आग को भी थोड़ी देर बाद बुझा दिया गया। एक मीडिया प्रतिष्ठान की तरफ से साझा किए गए हमले के वीडियो में तेल डिपो से आग की ऊंची-ऊंची लपटें निकलती दिखाई दे रही हैं।

खैबर पख्तूनख्वा में 11 संदिग्ध आतंकवादी ढेर

इस्लामाबाद, एजेंसी। सुरक्षा बलों ने रविवार को अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में दो अभियानों में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के एक कमांडर सहित 11 संदिग्ध आतंकवादियों को मार गिराया। आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद खैबर जिले की अशांत तिराह घाटी और लक्की मरवत जिले में ये अभियान संचालित किए गए। आतंकवादियों का एक समूह पीर मेला के रास्ते तिराह घाटी से आगे बढ़ रहा था, तभी सुरक्षा बलों ने उन्हें रोक लिया। इसके बाद हुई गोलीबारी में 10 आतंकवादी मारे गए जबकि चार अन्य घायल हो गए। दूसरी घटना में लक्की मरवत जिले में पुलिस और आतंकवाद निरोधक विभाग (सीटीडी) ने शागई क्षेत्र में एक संयुक्त अभियान चलाया। गोलीबारी के दौरान एक आतंकवादी मारा गया। सूत्रों ने बताया कि मारे गए आतंकवादियों में एक कमांडर भी शामिल है जो समूह का नेतृत्व कर रहा था।

खैबर-पख्तूनख्वा सरकार की घोषणा, इन प्रमाण पत्रों के लिए पोलियो टीकाकरण एक शर्त

इस्लामाबाद, एजेंसी। खैबर-पख्तूनख्वा (के-पी) सरकार ने एक नई नीति की घोषणा की है, जिसमें जन्म, मृत्यु और विवाह प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए पोलियो टीकाकरण को अनिवार्य कर दिया गया है। इस कदम का उद्देश्य पोलियो उन्मूलन के लिए प्रांत में चल रहे प्रयासों को मजबूत करना है। इस नीति के तहत, अगर कोई परिवार अपने बच्चों को पोलियो की वैक्सीन देने से मना करता है, तो उन्हें इन जरूरी दस्तावेजों तक पहुंच नहीं मिलेगी। यह नीति खासतौर पर पेशावर और उसके आसपास के गांवों में लागू होगी, ताकि पोलियो टीकाकरण सुनिश्चित किया जा सके और कमजोर समुदायों में पोलियो के फैलने का खतरा कम किया जा सके। पेशावर के डिप्टी कमिश्नर द्वारा जारी एक अधिसूचना में यह बताया गया है कि स्वास्थ्य अधिकारियों को इस नीति का सख्ती से पालन करना होगा। इसमें यह भी चेतावनी दी गई है कि अगर कोई इस आदेश का उल्लंघन करेगा, तो उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

अमेरिकी मॉल में घुसा ट्रक, 5 घायल, चालक को पुलिस ने किया ढेर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास राज्य में पुलिस ने उससे भागकर माल में घुसे पिकअप ट्रक चालक को मार गिराया। इस दौरान पांच लोग घायल हो गए। पुलिस से भाग रहा यह पिकअप ट्रक चालक टेक्सास में जेसीपीनी स्टोर के दरवाजे से तेजी से गुजरा और एक भरे मॉल में घुस गया। टेक्सास डिपार्टमेंट ऑफ पब्लिक सेफ्टी के सार्जेंट ब्रायन वाशको के मुताबिक, ट्रक शनिवार शाम करीब 5.30 बजे किलीन में डिपार्टमेंट स्टोर से टकराया। यह स्टोर राज्य की राजधानी ऑस्टिन से लगभग 109 किलोमीटर उत्तर में है और उसकी इमारत में घुसता चला गया। इससे लोग चोटिल हो गए। आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं ने मॉल से चार घायलों को इलाके के अस्पतालों में पहुंचाया और एक अन्य को अलग से अस्पताल ले जाया गया।

ट्रम्प ने श्रीराम कृष्णन को बनाया एआई पॉलिसी एडवाइजर

माइक्रोसॉफ्ट से की करियर की शुरुआत, कई कंपनियों में संभाल चुके हैं अहम जिम्मेदारी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रविवार को भारतीय मूल के बिजनेसमैन और वेंचर कैपिटलिस्ट श्रीराम कृष्णन को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर व्हाइट हाउस का सीनियर पॉलिसी एडवाइजर नियुक्त किया है। ट्रम्प ने इस नियुक्ति को लेकर एक्स पर लिखा- डेविड सैक्स के साथ मिलकर काम करते हुए श्रीराम कृष्णन एआई में अमेरिका को आगे बढ़ाने पर फोकस करेंगे। इसके साथ ही वो साइंस एंड टेक्नोलॉजी पर राष्ट्रपति की एडवाइजरी काउंसिल के साथ काम करते हुए सरकार की एआई पॉलिसी मेकिंग में मदद करेंगे।

कृष्णन ने इसे लेकर कहा- मैं अपने देश की सेवा करने और डेविड सैक्स के साथ मिलकर काम करते हुए एआई में अमेरिका की लीडरशिप बनाए रखने के लिए सम्मानित महसूस कर रहा हूं।

कृष्णन ने माइक्रोसॉफ्ट से की करियर की शुरुआत चेन्नई के रहने वाले कृष्णन पेशे से इंजीनियर हैं। वर्तमान में वह एंड्रीसेन होरीविट्ज नाम की वेंचर कैपिटल फर्म में पार्टनर हैं। इस कंपनी को ए16जेड के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने अपनी पहली नौकरी 2007 में माइक्रोसॉफ्ट में विजुअल स्टूडियो के प्रोग्राम मैनेजर से शुरू की थी।

इसके बाद वो 2013 में फेसबुक से जुड़े। यहां उन्होंने प्रोडक्ट/बिजनेस स्ट्रैटजी समेत कई अहम पदों पर 2016 तक काम किया। कृष्णन ने स्नैपचैट के साथ भी काम किया, यहां पर उन्होंने कंपनी का आईपीओ आने से पहले एड टेक प्लेटफॉर्म बनाया था।

सिलिकॉन वैली की टॉप कंपनियों में काम करने के बाद श्रीराम कृष्णन 2017 में ट्विटर से जुड़े। यहां कोर कंज्यूमर प्रोडक्ट टीम को लीड किया। इस दौरान वो ट्विटर यूजर ग्रोथ में 20 प्रतिशत का इजाफा करने में सफल रहे। उन्हें ट्विटर के होम टाइमलाइन, नए यूजर के एक्सपीरिएंस, सर्च, डिस्कवरी और ऑडियंस ग्रोथ जैसे अहम काम करने थे। वह 2019 तक ट्विटर से जुड़े रहे है और होम पेज को नए सिरे से लॉन्च किया।

मस्क को दिया था ब्लू टिक सब्सक्रिप्शन का सुझाव इसके साथ ही वह याहू कंपनी में में भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में रह चुके हैं। साथ ही बिट्स्की, होपिन और पॉलीवर्क जैसी कई कंपनियों के बोर्ड में रहे हैं। 2021 में उन्होंने एंड्रीसेन होरीविट्ज को जॉइन किया। यह क्लब हाउस में एक मेजर इंवेस्टर हैं। क्लब हाउस एक सोशल ऑडियो एप है जिसे 2020 में जारी किया गया था। इलॉन मस्क को ब्लू-टिक के बदले पैसे लेने का सुझाव श्रीराम कृष्णन ने ही दिया था। मस्क के ट्विटर खरीदने के बाद इसके नए सेटअप में श्रीराम कृष्णन ने अहम रोल निभाया था।

ट्रम्प ने भारतीय मूल के लोगों को दी कई अहम जिम्मेदारी डोनाल्ड ट्रम्प की सरकार में भारतीय मूल के लोगों को कई अहम जिम्मेदारियां दी गई है। इनमें विवेक रामास्वामी, कश्यप काश पटेल और जय भट्टाचार्या के नाम प्रमुख हैं। इसके अलावा अमेरिका के वाइस प्रेजिडेंट बनने जा रहे जेडी वांस की पत्नी ऊषा वांस भी भारतीय मूल की हैं। इसका मतलब है कि जल्द ही वो सेकेंड लेडी ऑफ यूनाइटेड स्टेट्स होंगी।

रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री फिको से की वार्ता : मॉस्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रविवार को क्रेमलिन में स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको के साथ वार्ता की। फरवरी 2022 में रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण के बाद से यूरोपीय संघ में शामिल किसी देश के नेता की मॉस्को की यात्रा सामान्य बात नहीं है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने रूस की समाचार एजेंसी 'आरआईए' को बताया कि फिको यात्रा पर रूस पहुंचे और रविवार शाम को पुतिन से आमने-सामने मुलाकात की। पेस्कोव के अनुसार, वार्ता अंतरराष्ट्रीय स्थिति और रूसी प्राकृतिक गैस की आपूर्ति पर केंद्रित रही। मॉस्को द्वारा यूक्रेन में सेना भेजे जाने के बाद से यूरोपीय नेताओं का पुतिन से मिलना और फोन पर बात करना काफी कम हो गया है। हालांकि हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओरबान ने जुलाई में रूस की यात्रा की थी। ओरबान की यात्रा की यूक्रेन और यूरोपीय संघ के नेताओं ने निंदा की थी। यूक्रेन युद्ध के बारे में फिको के विचार अधिकांश अन्य यूरोपीय नेताओं से बिल्कुल भिन्न हैं। स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री पिछले साल सत्ता में वापस लौटे थे, जब उनकी वामपंथी पार्टी 'स्मेर' ने रूसी समर्थन और अमेरिकी विरोधी को मुद्दा बनाकर संसदीय चुनाव जीता था।

हमें किसी छद्म सेना की जरूरत नहीं, जब हमला करना होगा, खुद कर लेंगे : ईरानी सुप्रीम नेता खामनेई

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने रविवार को कहा कि उनके देश की कोई छद्म सेना नहीं है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उन्हें कार्रवाई करनी होगी तो वे खुद कर लेंगे। खामेनेई का यह बयान ऐसे समय आया है, जब कथित ईरान समर्थित हमास और हिजबुल्ला को इस्राइल के खिलाफ लड़ाई में भारी नुकसान उठाना पड़ा है। साथ ही सीरिया की बशर अल असद सरकार को भी ईरान समर्थक माना जाता था, लेकिन अब वहां भी तख्तापलट हो चुका है।

ईरान के सर्वोच्च नेता ने दी चेतावनी : यमन के हूती विद्रोहियों को भी ईरान का समर्थन मिलने का दावा किया जाता है। रविवार को तेहरान में ईरान के सुप्रीम नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने लोगों के एक समूह से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस्लामिक गणराज्य ईरान को किसी छद्म सेना की जरूरत नहीं है। यमन इसलिए लड़ता है क्योंकि उसमें आस्था है। हिजबुल्लाह इसलिए लड़ता है क्योंकि आस्था की शक्ति उसे जंग के मैदान में खींचती है। हमास और (इस्लामिक) जिहाद इसलिए लड़ते हैं क्योंकि उनका विश्वास उन्हें ऐसा करने के लिए मजबूर करते हैं। वे हमारे प्रॉक्सी के रूप में काम नहीं करते हैं।

हमें किसी छद्म सेना की जरूरत नहीं : खामेनेई ने कहा कि वे (अमेरिका) लगातार कहते रहते हैं कि इस्लामिक गणराज्य ईरान ने क्षेत्र में अपनी छद्म सेनाओं को खो दिया है, लेकिन ये उनकी एक और गलती है। अगर किसी दिन हम कार्रवाई करना चाहेंगे तो हमें किसी छद्म सेना की जरूरत नहीं होगी और हम खुद ही एक्शन ले लेंगे। दरअसल ऐसा माना जाता है कि ईरान ने इस्राइल के खिलाफ लड़ाई के लिए फलस्तीन में हमास को खड़ा किया और लेबनान में हिजबुल्ला को मदद दी। सीरिया की बशर अल असद सरकार के जरिए ही लेबनान में हिजबुल्ला को हथियारों की आपूर्ति की जाती थी।

गाजा में इजरायली हवाई हमलों में 23 फिलिस्तीनी मारे गए

गाजा, एजेंसी। फिलिस्तीनी आधिकारिक समाचार एजेंसी डब्ल्यूएएफए ने बताया कि गाजा पट्टी पर इजरायली हवाई हमलों में कम से कम 23 फिलिस्तीनी मारे गए। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने डब्ल्यूएएफए के हवाले से बताया कि रविवार को मूसा बिन नुसायर स्कूल पर इजरायली बमबारी के परिणामस्वरूप तीन बच्चों और दो महिलाओं सहित कम से कम नौ लोग मारे गए और कुछ अन्य घायल हो गए, जिसमें गाजा शहर के अल-दराज पड़ोस में विस्थापित लोग रहते थे। इसमें कहा गया है कि गाजा शहर के अल-जला स्ट्रीट पर इजरायली सेना द्वारा एक वाहन पर बमबारी करने पर चार और लोग मारे गए। डब्ल्यूएएफए ने एक अलग रिपोर्ट में कहा कि रविवार सुबह गाजा शहर के उत्तर में जबालिया शहर में इजरायल की गोलाबारी में चार बच्चों सहित पांच नागरिकों की मौत हो गई। डब्ल्यूएएफए ने कहा कि दक्षिणी गाजा पट्टी में खान यूनिस के पश्चिम में उनके अपार्टमेंट पर इजरायली सेना द्वारा बमबारी में दो लोग मारे गए। इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने रविवार को एक बयान में कहा कि खुफिया सूचना के आधार पर वायु सेना ने गाजा पट्टी में एक कमांड-एंड-कंट्रोल सेंटर के अंदर सक्रिय हमास आतंकवादियों पर सटीक हमला किया। इसमें कहा गया है कि कमांड-एंड-कंट्रोल सेंटर, जो एक परिसर के अंदर बनाया गया था।

अमेरिका में महिला की मेट्रो में जलाकर हत्या : आरोपी ने कपड़ों में लगाई आग, स्टेशन पर बैठकर देखता रहा; 8 घंटे बाद गिरफ्तार

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में रविवार को एक महिला की मेट्रो में आग लगाकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने हत्या के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। न्यूयॉर्क पुलिस के मुताबिक आरोपी सुबह करीब 7 : 30 बजे मेट्रो में महिला के पास पहुंचा और स्टेशन पर उतरने से पहले मेट्रो में आग लगा दी। आग में जलने की वजह से महिला की मौत हो गई। न्यूयॉर्क पुलिस की कमिश्नर जेसिका टिश ने बताया कि आरोपी ने लाइटर से महिला के एक सफेद कपड़े में आग लगाई थी। आग लगने की वजह से कपड़ा चंद सेकंड में ही जलकर खाक हो गया। इसके बाद आग महिला के दूसरे कपड़ों में फैल गई। पीड़ित महिला की अभी पहचान नहीं हो पाई है। आग लगाने के बाद आरोपी मेट्रो से उतरकर स्टेशन पर जाकर बैठ गया। प्लेटफॉर्म पर बैठे-बैठे वह महिला को जलते हुए देख रहा था। आग लगते वक्त सो रही थी महिला टिश ने बताया कि मेट्रो स्टेशन पर गश्त कर रहे पुलिस अधिकारियों को ट्रेन से धुआं दिखाई दिया और बदबू आई। इसके बाद वे मौके पहुंचे और पाया कि पीड़िता में आग लगी हुई थी। इसके बाद अधिकारियों ने आग को बुझाया। मौके पर पहुंचे आपातकालीन सेवा के कर्मचारियों ने जांच के बाद महिला को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शुरुआती बयान में बताया कि महिला घटना के समय सो रही थी। आग लगाने से पहले आरोपी और महिला के बीच कोई बातचीत भी नहीं हुई थी। पुलिस के मुताबिक दोनों एक दूसरे को नहीं जानते थे।

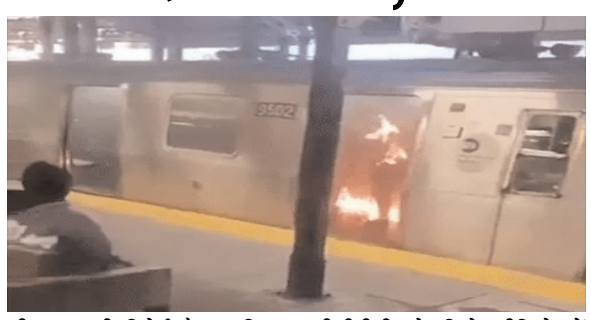

सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक आरोपी ने महिला के कंबल में आग लगाई थी। ये आग तब तक फैलती रही जब तक महिला आग की लपटों से घिरकर खड़ी नहीं हो गई। स्कूली बच्चों ने आरोपी को पकड़वाया स्टेशन पर बैठा आरोपी की तस्वीरें पुलिस के बॉडी कैमरों में कैद हो गई थीं। हालांकि, उस वक्त उसकी पहचान नहीं हो पाई थी। मेट्रो के सीसीटीवी से मिले वीडियो में आरोपी के हुलिए के आधार पर उसकी पहचान हुई। इसके बाद पुलिस ने बॉडी कैमरों से मिली फुटेज को सार्वजनिक कर लोगों से आरोपी को पकड़े में मदद मांगी। पुलिस ने आरोपी को पकड़ने में मदद करने पर 10,000 डॉलर का इनाम रखा था। इसके बाद 3 स्कूली बच्चों ने आरोपी को देखकर उसके बारे में जानकारी दी। घटना के 8 घंटे बाद ही पुलिस ने उसे एक दूसरी मेट्रो ट्रेन से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस आयुक्त ने बताया कि जब आरोपी की तस्वीरें वायरल हुई तो तीन लोगों ने पुलिस को फोन करके बताया कि वे आरोपी को पहचानते हैं। इसके बाद पुलिस ने एक दूसरी ट्रेन से युवक को पकड़ा और उसकी जेब से लाइटर बरामद हुआ। मृतका की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। महिला के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। वहीं न्यूयॉर्क के मेयर एरिक एडम्स ने संदिग्ध के बारे में पुलिस को जानकारी देने वाले लोगों की प्रशंसा की। उन्होंने एक्स पर लिखा कि ऐसे घृणित व्यवहार का हमारे समाज में कोई स्थान नहीं है।

दक्षिण अफ्रीका : लिम्पोपो सड़क दुर्घटना में सात लोगों की मौत

जोहान्सबर्ग, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिम्पोपो प्रांत में एक सड़क दुर्घटना में सात लोगों की मौत हो गई और पांच घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है। लिम्पोपो प्रांतीय विधानमंडल में परिवहन और सामुदायिक सुरक्षा के कार्यकारी परिषद के सदस्य वायलेट मैथे ने बताया कि यह दुर्घटना रविवार को हुई, जब लिम्पोपो प्रांत के एक गांव गा फाशा के पास एन1 राजमार्ग पर यात्रियों को ले जा रही एक मिनी बस सहित सात कारें आपस में टकरा गईं, जिसके कारण यह त्रासदी हुई। मथे ने बताया कि घायलों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया।

मैथे ने कहा, हम अपने वाहन चालकों और पैदल चलने वालों से आग्रह करते हैं कि वे त्योहारों के मौसम में वाहन चलाते या सड़कों पर चलते समय अधिक सतर्क रहें। सड़क सुरक्षा हम सभी की जिम्मेदारी है। मथे ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और कहा कि दुर्घटना के कारणों की जांच जारी है। इस बीच एक अलग घटना में दक्षिण अफ्रीका के पूर्वी केप प्रांत में आमने-सामने की टक्कर में 12 लोग मारे गए तथा अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

स्थानीय अधिकारियों ने रविवार को पुष्टि की कि दुर्घटना शनिवार को स्थानीय समयानुसार लगभग 8 बजे प्रांत में मभाशे स्थानीय नगर पालिका के एक शहर ड्यूटीवा के पास एन2 रोड पर हुई। प्रांतीय परिवहन विभाग के प्रवक्ता उनाथी बिन्कोसे के अनुसार, दुर्घटना में एक मिनी बस टैक्सी शामिल थी, जिसमें 10 यात्री सवार थे, तथा एक बक्की (दक्षिण अफ्रीकी अंग्रेजी शब्द जिसका अर्थ पिकअप ट्रक होता है) जिसमें चार यात्री सवार थे।

बिन्कोसे ने बताया कि बक्की के यात्रियों में से तीन पुरुषों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि एक महिला यात्री गंभीर रूप से घायल हो गई। उन्होंने कहा, मिनी बस टैक्सी में आठ लोगों की दुखद मौत हो गई। जिसमें चार पुरुष और चार महिलाएं शामिल है। वहीं दो अन्य घायल हो गए और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। त्योहारों के मौसम की शुरुआत के बाद से यह दूसरी सबसे बड़ी दुर्घटना है।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार प्रवक्ता ने पुष्टि की कि मिनी बस टैक्सी में सवार एक घायल महिला की बाद में अस्पताल में मौत हो गई, जिससे शनिवार को अकेले पूर्वी केप की सड़कों पर चार अलग-अलग दुर्घटनाओं में मरने वालों की कुल संख्या 23 हो गई। यह घटना उसी प्रांत के एक कस्बे ग्रैफ-रीनेट के बाहर एन9 सड़क पर सोमवार को हुई आमने-सामने की टक्कर के कुछ दिन बाद हुई है, जिसमें 15 लोगों की मौत हो गई थी।

संकट में ध्रुवीय भालू, आबादी बढ़ाना हो रहा मुश्किल; सदी के अंत तक हो सकते हैं गायब

जुनो, एजेंसी। जलवायु परिवर्तन के चलते आर्कटिक सर्कल देशों में ध्रुवीय भालुओं की आबादी में सदी के अंत तक भारी गिरावट आ सकती है। नेचर क्लाइमेट चेंज की रिपोर्ट के अनुसार जलवायु परिवर्तन ध्रुवीय भालुओं के लिए सबसे बड़ा खतरा है। इस बदलाव का असर सबसे पहले और सबसे बुरा आर्कटिक में महसूस किया जा रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार ध्रुवीय भालुओं के लिए सबसे बड़ा खतरा समुद्री बर्फ का कम होना है। समुद्री बर्फ कम होने से ध्रुवीय भालुओं के लिए सील का शिकार करना, संभोग करना और यात्रा करना मुश्किल हो रहा है। दुनिया में सबसे ज्यादा ध्रुवीय भालू अलास्का, रूस, ग्रीनलैंड और नॉर्वे (स्वालबार्ड) में पाए जाते हैं। ये आर्कटिक सर्कल के उत्तर में रहते हैं। हालांकि कुछ आबादी कनाडा के मैनिटोबा की हडसन बे जैसे ज्यादा दक्षिणी इलाकों में भी पाई जाती है।

एक नजर रिपोर्ट के दावे पर : रिपोर्ट के अनुसार ध्रुवीय भालू की वैश्विक आबादी का अनुमान लगाना मुश्किल है क्योंकि उनकी सीमा का पूर्ण अध्ययन नहीं किया गया है तथापि जीववैज्ञानी दुनियाभर में करीब 20 से 25 हजार ध्रुवीय भालू होने का अनुमान लगाते हैं।

तेल-गैस कारोबार घातक : तेल और गैस का कारोबार आर्कटिक में तेजी से बढ़ रहा है क्योंकि दक्षिण में ज्यादा सुलभ भंडार सूख रहे हैं। नियमित उत्सर्जन और रिसाव सीधे समुद्र या समुद्री बर्फ में छोड़े जा रहे हैं। तेल रिसाव के संपर्क में आने से भालू के फर का इन्सुलेटिंग प्रभाव कम होता है। तब भालू को गर्म रहने के लिए अधिक ऊर्जा का उपयोग करना पड़ता है और अपने कैलोरी सेवन को बढ़ाकर क्षतिपूर्ति करनी पड़ती है जो उसके आगे के जीवन में मुश्किलें पैदा करता है।

पोलर बियर इंटरनेशनल एक ऐसा संगठन है जो ध्रुवीय भालुओं और उनके आवास के संरक्षण के लिए समर्पित है। इसका कहना है कि पश्चिमी हडसन बे ध्रुवीय भालुओं का घर है। यहां 2060 से 2090 के बीच इनके गायब होने का अनुमान है, जब तक कि पेरिस जलवायु समझौते में निर्धारित तापमान के लक्ष्यों को पूरा नहीं करते। इसलिए ध्रुवीय भालुओं की रक्षा करने का एकमात्र तरीका ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को बहुत कम करना है जो समुद्री बर्फ को पिघला रहा है। ध्रुवीय भालू जलवायु में बदलाव के कारण समुद्री बर्फ के नुकसान के कारण भूमि पर अधिक समय बिताते हैं, इसलिए उनका मनुष्यों के साथ सामना बढ़ रहा है। मैनिटोबा के चर्चिल शहर ने दुनिया का पहला ध्रुवीय भालू स्मार्ट समुदाय बनने के लिए पोलर बियर इंटरनेशनल के साथ सहयोग किया है।

ट्रंप की शपथ से पहले पुतिन ने फिर दिया बड़ा बयान, रूस अमेरिका के साथ रिश्ते सामान्य करने को तैयार

मॉस्को , एजेंसी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कुछ ही हफ्तों में अमेरिकी के राष्ट्रपति पद संभालने वाले है, जिससे पहले अमेरिका और रूस के रिश्चते को लेकर कई सारी बातें सामने आ रही है कि क्या ट्रंप के अमेरिका के राष्ट्रपति बनने के बाद रूस और अमेरिका के रिश्ते में बदलाव होंगे। इसी बीच इस मामले में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का बड़ा बयान सामने आया है। जहां उन्होंने कहा कि उनके देश ने अमेरिका से रिश्ते सामान्य करने की इच्छा कभी नहीं छोड़ी। बता दें कि इससे पहले जनवरी में व्हाइट हाउस लौटने वाले ट्रंप ने रूस और यूक्रेन से जंग खत्म करने को लेकर बातचीत शुरू करने की बात कही थी। इसके बाद से ही अटकलें लगाई जाने लगी थीं कि ट्रंप शांति कायम करने के लिए यूक्रेन को रूस की शर्तें मानने के लिए मजबूर कर सकते हैं।

रूसी हितों में नहीं किया जाएगा समझौता-पुतिन : राष्ट्रपति पुतिन ने आगे कहा कि रूस अन्य पश्चिमी देशों के साथ भी रिश्ते सामान्य करने के लिए तैयार है, लेकिन इन प्रयासों में रूसी हितों के साथ समझौता नहीं किया जाएगा। एक साक्षात्कार में पुतिन ने कहा, वे इच्छा करें तो सबकुछ करना संभव है। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में सबकुछ बदल जाता है और सिर्फ हित ही अपरिवर्तनीय रह जाता है। रूस व उसके लोगों का हित।

रूस को नहीं होना चाहिए नुकसान-पुतिन : पुतिन ने कहा, अगर हमें लगता है कि स्थितियां बदल रही हैं और दूसरे देशों के साथ रिश्ते बनाने की संभावनाएं हैं, तो हम उसके लिए

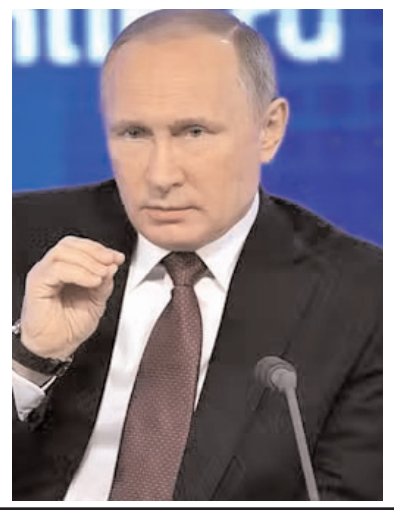

तैयार हैं। उन्होंने कहा कि रिश्तों का सवाल हमारे लिए नहीं, उनके लिए है। लेकिन, रिश्ते सुधारने के दौरान रूस को नुकसान नहीं होना चाहिए।

पुतिन ने इस उदाहारण से समझाया तर्क : इसके साथ ही पुतिन ने उदाहरण देते हुए कहा कि 19वीं और 20वीं सदी में रूस को कई प्रतिबंधों का सामना करना पड़ा, लेकिन धीरे-धीरे रूस ने अपनी स्थिति मजबूत की और काला सागर में अपने अधिकार वापस प्राप्त किए। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि कुछ इतिहासकारों ने क्रीमिया युद्ध को विश्व युद्ध शून्य के रूप में वर्णित किया था, क्योंकि उस समय रूस के खिलाफ यूरोपीय शक्तियां एकजुट थीं। उन्होंने कहा कि स्थिति बदलने के साथ अब वही देश जो पहले रूस के खिलाफ थे, अब रूस के सहयोगी बन गए हैं।

पुतिन की चेतावनी : गौरतलब हो कि पिछले हफ्ते, रूस ने अपने नागरिकों को अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों की यात्रा से बचने की सलाह दी थी। यह चेतावनी दी गई थी कि इन देशों के अधिकारी उनका शिकार कर सकते हैं। रूस और अमेरिका के संबंधों में यूक्रेन युद्ध के कारण तनाव बढ़ गया है और दोनों देशों के राजनयिकों का कहना है कि वर्तमान में दोनों देशों के रिश्ते 1962 के क्यूबा मिसाइल संकट के बाद से सबसे खराब हैं। बता दें कि अमेरिका में 2024 में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प के जीतने के बाद, वह 20 जनवरी, 2025 को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगे।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्रिप्टो के नाम पर 72 लाख की ठगी 4 किराए के बैंक खातों में 11 करोड़ की फ्रॉड रकम जमा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

क्रिप्टोकरेंसी के नाम पर 72 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। इस ठगी को अंजाम देने के लिए आरोपी ने 4 किराए के बैंक खातों का इस्तेमाल किया, जिनमें फ्रॉड के जरिए कुल 11 करोड़ रुपये जमा किए गए।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि इस फ्रॉड नेटवर्क के पीछे कौन-कौन शामिल हैं।

फ्रॉड के पैसे जमा कराने के लिए 10 से 20 हजार लेकर बैंक खाता किराए पर दिया गया, 8 लाख रुपये रिकवर

घटना का विवरण:

साइबर फ्रॉड के तीन अलग-अलग मामलों में पुलिस ने 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों ने फ्रॉड के पैसे जमा कराने के लिए बैंक खाते किराए पर दिए थे। प्रत्येक खाता देने के बदले में उन्होंने 10 से 20 हजार रुपये लिए थे। पुलिस ने अब तक 8 लाख रुपये रिकवर किए हैं। इसके अलावा, 9 बैंक खातों को किराए पर देने वाले और 1 व्यक्ति जो खाते किराए पर ले रहा था, को भी पकड़ा गया है। अमरोलि में रहने वाले अतुल कांतीलाल शाह से सोशल मीडिया पर संपर्क करने के बाद ठगों ने शेयर बाजार और क्रिप्टोकरेंसी में निवेश करने का बहाना बनाकर वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन करवा लिया और अलग-अलग निवेशों के नाम पर 74,13,321 जमा करवा लिए। बाद में 1,97,321 निकालने दिए गए, लेकिन फिर 72,20,000 निकालने से मना कर दिया और ठगी की।

इस मामले में पुलिस ने अमित कनैयालाल कड़िया (पुनित पोल, दरियापुर, अहमदाबाद) को गिरफ्तार किया है। अमित ने अपना बैंक खाता 20,000 में किराए पर दिया था, और उसके खाते से 85,49,166 का लेन-देन हुआ था।

वृद्ध ने जीवनभर की कमाई से 1.95 करोड़ का पोर्टफोलियो बनाया, ठगों ने 8 दिनों में 1.17 करोड़ की ठगी की

61 वर्षीय वृद्ध को 8 दिनों तक डिजिटल एरेस्ट कर ठगों ने 1.71 करोड़ की ठगी की थी। इस वृद्ध ने अपनी जीवनभर की कमाई से 1.95 करोड़ का पोर्टफोलियो बनाया था। सूरत साइबर क्राइम टीम ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया हैं मुकेश मगन पटेल (रहने वाले, श्याम परिसर, निकोल, नरोड़ा, अहमदाबाद) और मेहुल पटेल (रहने वाले, सुहास ओरम, निकोल, नरोड़ा, अहमदाबाद)।

इस साइबर फ्रॉड में, मुकेश पटेल ने अपना बैंक खाता 10,000 के किराए पर मेहुल पटेल को दिया था। इस खाते में वेसू के वृद्ध से 4,77,500 ट्रांसफर कराए गए थे। इस खाते से कुल 29,93,302 का ट्रांजेक्शन हुआ था। पुलिस ने इस खाते में रखे 8,00,000 को फ्रीज़ कर दिया है। मामले में पुलिस की जांच जारी है।

अधिकारी के साथ ठगी में सूरत के 6 समेत 7 आरोपी गिरफ्तार

सूरतन पालिका के अठवा जोन के डिप्टी टाउन प्लानर भावेश टाकोडिया के साथ सोशल मीडिया पर दोस्ती कर 90 लाख रुपये की ठगी की गई थी। इस मामले में पार्थ परमार (रहने वाले, सारथी परिसर, अहमदाबाद), भरत कातरिया (रहने वाले, मुक्तिधाम, पुणे), अनिल कलसरिया (रहने वाले, सुमन संगीनी, पर्वत पाटिया), हार्दिक कच्छी (रहने वाले, मारुतिधाम, वेलांजा), जयदेव गरनिया (रहने वाले, सरिता सागर सोसाइटी छापराभाठा), अभिषेक मिश्रा (रहने वाले, केकानी वाडी, जयराम मंदिर के पास, सिगणपोर) और जिग्नेश वल्लभ भलाणी (रहने वाले, कृष्णनगर, मल्टीपर्पज हॉल के पास, सिगणपोर) को गिरफ्तार किया गया है।

पार्थ ने कोस्मोस बैंक का खाता कमिशन पर लेकर 7,99,17,595 का लेन-देन किया था। भरत ने अपना खाता अनिल को किराए पर दिया था, जिसे अनिल ने फ्रॉड के लिए इस्तेमाल किया।

हार्दिक ने अपना खाता जयदेव को दिया था, और जयदेव ने इसे अन्य आरोपियों को दिया। अभिषेक ने अपना खाता किराए पर देकर 10,02,812 चेक से निकालने के बाद कमिशन काटकर बाकी पैसे जिग्नेश भलाणी को दिए।

61 वर्षीय वृद्ध को डिजिटल एरेस्ट करने वाली गैंग के बैंक खाते किराए पर देने वाले 2 आरोपी गिरफ्तार

कोई जनहानि नहीं हुई।

सूरत के पास सौराष्ट्र एक्सप्रेस के चार डिब्बे पटरी से उतरे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

देश में पिछले काफी समय से ट्रेनों के पटरी से उतरने की घटनाएं सामने आ रही हैं। इसी क्रम में, गुजरात के सूरत के पास किम स्टेशन के पास दादर-पोरबंदर सौराष्ट्र एक्सप्रेस ट्रेन के पटरी से उतरने की खबर आई है। इस दुर्घटना में ट्रेन के चार डिब्बे पटरी से उतर गए, जिससे हादसा हुआ।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है। उल्लेखनीय है कि पिछले महीने भी पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ से इसी तरह की घटनाएं सामने आई थीं।

रेलवे अधिकारी ने दी जानकारी:

पश्चिम रेलवे के एक अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि सौराष्ट्र एक्सप्रेस के पैसेंजर से भरे ट्रेन के डिब्बे में गड़बड़ी हुई थी। इंजन के बाद पार्सल वाला डिब्बा पटरी से उतर गया। हालांकि, ट्रेन की गति बहुत धीमी होने के कारण एक बड़ी दुर्घटना टल गई।

पिछले महीने पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले के नोलपुर में शालीमार-सिकंदराबाद साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन हादसे का शिकार हुई थी। इस घटना में ट्रेन के तीन डिब्बे पटरी से उतर गए थे।

पिछले महीने 26 नवंबर को छत्तीसगढ़ के भनवारटनक रेलवे स्टेशन के पास एक मालगाड़ी के 11 डिब्बे पटरी से उतर गए थे। इस हादसे के कारण कई ट्रेनों को रद्द करना पड़ा, और 9 ट्रेनों के मार्ग को बदल दिया गया था।

पिछले काफी समय से हो रही ऐसी घटनाओं के कारण ट्रेन में सफर करने वाले लोगों की सुरक्षा को लेकर एक बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। भारतीय रेलवे में ज्यादातर गरीब और मध्यम वर्ग के लोग यात्रा करते हैं।

सूरत में पुलिस अधिकारी के रूप में हनीट्रैप में फंसाने आरोप में गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में एक व्यक्ति को पुलिस अधिकारी के रूप में प्रस्तुत करके हनीट्रैप में फंसाने और शराब के मामले में फरार होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

मामले का विवरण:

हनीट्रैप घटना: आरोपी जीतू उर्फ जीतेंद्र ने विधवा महिलाओं के साथ मिलकर एक व्यापारी को शारीरिक संबंध के बहाने बुलाया। फ्लैट में पहुंचने पर, उसने खुद को पुलिस अधिकारी बताकर एफआईआर दर्ज करने और मीडिया में खबर देने की धमकी दी। इस तरह, व्यापारी से 4.50 लाख रुपये वसूले गए।

शराब का मामला: आरोपी डेढ़ साल से अहमदाबाद जिले के धोलेरा में विदेशी शराब के मामले में फरार था।

पुलिस ने आरोपी को सूरत के मोटा वराछा तालाब के पास से गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया। वर्तमान में, पुलिस अन्य संभावित अपराधों की जांच कर रही है।

सूरत में हनीट्रैप के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। इसी कड़ी में, सूरत से एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, जिसने खुद को पुलिस अधिकारी बताकर हनीट्रैप में फंसाने और प्रोहिबिशन के मामले में फरार रहने का अपराध किया था।

जांच की स्थिति:

पुलिस ने आरोपी को दोनों मामलों में गिरफ्तार किया है और यह पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है कि उसने और कितने अपराध किए हैं।

सूचना के आधार पर किया गया गिरफ्तार:

सूचना के आधार पर पुलिस ने सूरत के मोटा वराछा तालाब के पास से हनीट्रैप और प्रोहिबिशन के मामलों में शामिल फरार आरोपी जीतेश उर्फ हितेश उर्फ माधुरी उर्फ जीतू रसिक धरजीया को गिरफ्तार कर लिया। जीतेश पिछले डेढ़ साल से अहमदाबाद जिले के धोलेरा में विदेशी शराब के मामले में फरार चल रहा था।

4.50 लाख की जबरन वसूली:

जीतेश ने करीब 20 दिन पहले विधवा महिलाओं सहित एक गिरोह के साथ मिलकर एक व्यापारी को फंसाया। व्यापारी को शारीरिक सुख का लालच देकर हनीट्रैप में फंसाने की साजिश रची गई। फ्लैट में बुलाकर, आरोपी ने खुद को पुलिस के रूप में झूठी पहचान दी और एफआईआर दर्ज कराने तथा प्रिंट और मीडिया में मामला देने की धमकियां दीं। आरोपी ने व्यापारी के साथ दुर्व्यवहार किया, गालियां दीं और मारपीट की। इसके बाद 41,000 रुपये नकद, ऑनलाइन और मनी ट्रांसफर के जरिए कुल मिलाकर 4.50 लाख रुपये जबरन वसूल लिए।

SOG ने फूड एंड ड्रग्स विभाग के साथ मिलकर छापा मारा

डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन के बिना नशेड़ी सिरप बेचने वाले मेडिकल संचालक के खिलाफ कार्रवाई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

SOG (स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप) ने फूड एंड ड्रग्स विभाग के साथ मिलकर छापा मारा और डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन के बिना नशेड़ी सिरप बेचने वाले एक मेडिकल संचालक के खिलाफ कार्रवाई की। यह छापा अवैध तरीके से नशेड़ी दवाइयों के वितरण को रोकने के लिए किया गया था।

सूरत जिले की एसओजी पुलिस ने फूड एंड ड्रग्स विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर मेडिकल स्टोरों पर छापा मारा। मेडिकल स्टोर में डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन के बिना नशेड़ी सिरप की बिक्री होने की जानकारी मिलने पर इस मामले में कानूनी कार्रवाई की गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सूरत जिले की एसओजी पुलिस की टीम ने फूड एंड ड्रग्स विभाग के अधिकारी के साथ कडोदरा पुलिस स्टेशन क्षेत्र के वाकनेड़ा गांव में स्थित शिव साईं रेसिडेंसी में स्थित श्री गणेश मेडिकल और जनरल स्टोर पर जांच की। जहां डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन के बिना नशेड़ी दवाओं की बिक्री करते हुए संचालक देवीसिंह पदमसिंह गिरासे से मिले, जिसके बाद पुलिस ने इस मामले में कानूनी कार्रवाई की।

शिक्षा की सुविधा संदिग्ध प्रवेशों की सुनवाई शुरू, भूलकांभवन के 11 एडमिशन रद्द

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

शिक्षा क्षेत्र में संदिग्ध प्रवेशों को लेकर सुनवाई की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस मामले में भूलकांभवन के 11 छात्रों के एडमिशन को रद्द कर दिया गया है। इन छात्रों के प्रवेश में कुछ अनियमितताएँ पाई गई थीं, जिसके कारण उनकी एडमिशन प्रक्रिया को रद्द किया गया।

आरटीई तहत जरूरतमंद बच्चों को निजी स्कूलों में मुफ्त शिक्षा की सुविधा है, लेकिन प्रशासन की खामियों के कारण इस योजना का लाभ गलत तरीके से कुछ वैध अभिभावक उठा रहे हैं। हालांकि, स्कूलों की शिकायतों को ध्यान में रखते हुए, जिला शिक्षा अधिकारी ने संदिग्ध प्रवेशों की सुनवाई शुरू की है, जिसमें सोमवार को अडाजण की भूलकां भवन स्कूल के 11 प्रवेश रद्द किए गए हैं। शैक्षणिक वर्ष के मध्य में अभिभावकों ने स्कूलों में भारी हंगामा किया था। एस.डी. जैन मॉडर्न स्कूल, कंट्रीसाइड, संस्कार भारती स्कूल, वी.एन. गोठानी और भूलकां भवन, भूलकां विहार सहित कई स्कूलों ने जिला शिक्षा अधिकारी को प्रमाण सहित आरटीई के बोगस प्रवेशों पर शिकायत की थी, जिसके बाद जिला शिक्षा अधिकारी ने अब सुनवाई शुरू की है।

सुनवाई के बाद उचित प्रवेश जारी रखने का निर्णय लिया गया है।

भूलकां भवन स्कूल के 11 छात्रों के प्रवेश रद्द करने का निर्णय लिया गया है।

उनका वर्ष न खराब हो, इसके लिए शैक्षणिक वर्ष के अंत से प्रवेश रद्द करने पर विचार किया जा रहा है।

प्राथमिक शिक्षा निदेशक कार्यालय को भी ऐसे प्रवेशों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया था, जिसके तहत कदम उठाए गए हैं।

शुद्ध पानी के नाम पर मिलावट की बिक्री

सूरत में 11 महीनों में 14 मिनरल वॉटर पैकेज्ड बोतल और जार के नमूने लिए गए,9 नमूने फेल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में पिछले 11 महीनों में 14 मिनरल वॉटर पैकेज्ड बोतल और जार के नमूने लिए गए थे, जिनमें से 9 नमूने गुणवत्ता में फेल हो गए। यह कार्रवाई मिलावटी पानी की बिक्री की रोकथाम के लिए की गई थी। शुद्ध पानी के नाम पर हो रही इस भेसलवट के मामले में जांच जारी है और मिलावट करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है।

'जल ही जीवन है,' लेकिन जब आप बाजार से मिनरल वॉटर की बोतल और जार मंगाते हैं, तो आपको लगता है कि यह मिनरल्स से भरपूर और शुद्ध होगा। लेकिन आपको जानकर आश्चर्य होगा कि जो पानी आप मिनरल वॉटर के रूप में पी रहे हैं, वह आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। सूरत शहर में पिछले 11 महीनों में 14 मिनरल वॉटर पैकेज्ड बोतल और जार के नमूने लिए गए थे, जिसमें से 9 नमूने असफल हो गए हैं।

14 में से 9 नमूने प्रयोगशाला परीक्षण में असफल

मिलावट करने वाले लोग कैसे लोगों के स्वास्थ्य से खेल रहे हैं, इसका एक उदाहरण बाजार में बिकने वाला बोतल बंद पानी और जार है, जो भी शुद्ध नहीं है। बाहर के खाने-पीने के सामान और घर में इस्तेमाल होने वाली कई चीजों में मिलावट पाई जाती है। शहर के नगरपालिका के खाद्य विभाग ने इस वर्ष नवंबर तक बोतल बंद मिनरल वॉटर और पानी जार के 14 नमूने लिए थे, जिसमें से 9 नमूने प्रयोगशाला परीक्षण में असफल पाए गए। इस प्रकार 65% नमूने परीक्षण में अयोग्य पाए गए।

पानी में क्लोराइड और हार्डनेस का स्तर अधिक प्रयोगशाला परीक्षण में यह पाया गया कि इन नमूनों में मिनरल्स की कमी थी। पानी का श्व॥ मान सामान्य से कम था, जबकि क्लोराइड और हार्डनेस का स्तर सामान्य से अधिक था। यह पानी अम्लीय होने के कारण स्वास्थ्य के लिए हानिकारक साबित हो सकता है। ऐसे पानी के सेवन से एसिडिटी, गैस्ट्राइटिस, अल्सर, दांतों की सड़न, ऑस्टियोपोरोसिस, मेटाबोलिक असंतुलन, मसल्स की कमजोरी, थकान और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

पानी के नमूनों की जानकारी:

- 14 में से 9 नमूने असफल घोषित हुए।
- 7 नमूनों में pH मान 6.5 से कम था, जबकि यह मान 6.5 से 8.5 के बीच होना चाहिए।
- 1 नमूने में क्लोराइड और हार्डनेस 500 से अधिक स्तर पर पाया गया।

इन कंपनियों के नमूने फेल हुए:

- कष्टभंजन एंटरप्राइजेज
- एच. एन. ट्रेडर्स
- वरुण एंटरप्राइजेज
- फ्रेश स्ट्रीम बेवरेजेस
- राठोड ब्रदर्स
- ब्रीथ बेवरेजेस
- पी.एम. मार्केटिंग
- निराली बेवरेजेस एंड फूड
- गजानंद फूड एंड बेवरेजेस

चिंता का कारण

वर्ष 2021 से अब तक खाद्य पदार्थों के 8,407 नमूने लिए गए थे, जिसमें से 478 नमूने असफल घोषित हुए। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को जांच करने, दोषियों को पकड़ने और कोर्ट में केस चलाने का अधिकार है, लेकिन इस स्थिति पर काबू पाने में अभी तक सफलता प्राप्त नहीं हुई है। मिलावट करने वाले लोग जनमानस के लिए खतरा बन सकते हैं, इसलिए जनता को सतर्क रहना आवश्यक है। मिलावटी खाद्य पदार्थ स्वास्थ्य पर गंभीर असर डाल सकते हैं, इसलिए खाने-पीने की चीजें खरीदते वक्त विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

संस्थाओं के खिलाफ मामला दर्ज होगा: अधिकारी

स्वास्थ्य अधिकारी डी. के. पटेल ने बताया कि अब इन सभी संस्थाओं के खिलाफ मामला दर्ज किया जाएगा। कैल्शियम की मात्रा कम होने के कारण हड्डियों की समस्याएं, लूज मोशन समेत अन्य स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। जुर्माने की कार्रवाई के बाद कोर्ट में कार्रवाई की जाएगी। स्वस्थ खाद्य पदार्थों की पुष्टि के लिए हम मार्केट एरिया, कॉर्पोरेट ऑफिस और अन्य स्थानों पर भी जांच कर रहे हैं।

क्रिसमस का अनोखा आकर्षण

रांदेर में विज़ियर कम कोज़वे में कैप चलाते संताक्लॉज़ को देखकर लोगों में कौतूहल

सीगल पक्षियों को गांठिया खिलाए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत क्रिसमस के मौके पर रांदेर के विज़ियर कम कोज़वे पर संताक्लॉज़ ने एक दिलचस्प आकर्षण पेश किया। संताक्लॉज़ के रूप में एक व्यक्ति ने कैप पहनकर और गाल पर मुस्कान के साथ क्यूक चलाया, जिससे वहां पहुंचे लोग हैरान हो गए। लोगों के बीच कौतूहल बढ़ गया और बच्चों ने बड़ी खुशी के साथ उन्हें देखा। इसके साथ ही, संताक्लॉज़ ने सीगल पक्षियों को भी गाठिया खिलाया, जो पास के पानी में तैर रहे थे। यह दृश्य पर्यटकों और स्थानीय लोगों के लिए एक यादगार पल बन गया। इस तरह के उत्सवों से शहर में क्रिसमस की खुशी और जश्न का माहौल बना।

आपने ताप्ती नदी के किनारे विदेशी पक्षियों को खाना खिलाते हुए पर्यटकों या राहगीरों को तो देखा ही होगा, लेकिन सूरत के रांदेर क्षेत्र के विज़ियर कम कोज़वे पर संताक्लॉज़ को देखकर लोगों में उत्सुकता का माहौल बन गया। उत्सुकता का मुख्य कारण था कि संताक्लॉज़ सीगल पक्षियों को गांठिया खिला रहे थे। यह दृश्य देखकर पास से गुजरते लोग और बच्चे संताक्लॉज़ को देखने के लिए रुक गए थे।

यह संताक्लॉज़ कोई और नहीं, बल्कि सूरत के वरिष्ठ नागरिक हैं। आमतौर पर आप स्कूलों, कॉलेजों या विभिन्न इवेंट्स में संताक्लॉज़ को गिफ्ट देते हुए देखे होंगे, लेकिन सूरत के इस कोज़वे पर जो संताक्लॉज़ दिखाई दिए, वे वरिष्ठ नागरिक थे। सप्ताहांत में वे खासतौर

पर अपनी क्यैक बोट में ताप्ती नदी के किनारे तैरने के लिए निकलते हैं।

रांदेर क्षेत्र में रहने वाले 66 वर्षीय वरिष्ठ नागरिक अशोकभाई वाघेला ने बताया कि, "मैं पहले मर्चेंट नेवी में हेल्स मैन के रूप में काम करता था और इसके बाद सुरत नगर निगम में स्विमिंग कोच के तौर पर सेवा दी। अब मैं रिटायर हो चुका हूं। जब मैं विदेश गया था, तब मैंने वहां बहुत कुछ देखा और वह देखकर मैंने बैंगलोर से 50,000 की बोट मंगवाई थी। अब मैं ताप्ती नदी में अपनी बोट लेकर घूमता हूं। पिछले साल मुझे यह विचार आया कि लोग संताक्लॉज़ के प्रति बहुत आकर्षित होते हैं, तो मैंने अपनी बोट में संताक्लॉज़ बनकर घूमना शुरू किया। इस पर मुझे बहुत अच्छा प्रतिक्रिया मिला।"

"लोगों को मुझे देखने का आनंद है,ज्ज अशोकभाई वाघेला ने कहा। "अब तो स्थिति ऐसी हो गई है कि क्रिसमस में एक सप्ताह का समय बचा हो, उससे पहले ही मैं संताक्लॉज़ के वस्त्र पहनकर अपनी बोट में घूमता हूं, और लोग मुझे देखने के लिए बड़ी संख्या में आते हैं। खासकर बच्चों को खुशी होती है, इसलिए मैं इस परिधान में ताप्ती नदी के किनारे घूमता हूं। कोज़वे पर शनिवार और रविवार शाम को बहुत बड़ी संख्या में लोग मुझे देखने आते हैं और आनंद लेते हैं। यह दूसरा साल है जब मैं इस तरह संताक्लॉज़ के रूप में घूम रहा हूं। सामान्यत दिसंबर महीने में ताप्ती नदी के किनारे और कोज़वे पर लोग विदेशी पक्षियों को देखने आते हैं, लेकिन अब पक्षियों के साथ-साथ लोग संताक्लॉज़ को देखने भी आते हैं।